शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 12 | गुवाहाटी | शनिवार, 5 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

करीमगंज में 4 करोड़ की हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार — पेज 3
सशस्त्र बलों की मजबूती के लिए रक्षा मंत्री ने पेश किया विधेयक, लोकसभा में पारित — पेज 4
योजक बनकर कार्य करें शोधार्थी, आपके थोड़े प्रयास से उठ खड़ा होगा... — पेज 5
मेवात हिंसा : रोहिंग्या के घरों पर चला खट्टर का बुलडोजर — पेज 8

ज्ञानवापी परिसर में जारी रहेगा सर्वे : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। ज्ञानवापी परिसर के वैज्ञानिक सर्वेक्षण को सुप्रीम कोर्ट से हरी झंडी मिल गई है। शीर्ष कोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के वैज्ञानिक सर्वेक्षण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। मुस्लिम पक्ष की ओर से सर्वे की इजाजत देने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एएसआई ने स्पष्ट किया है कि पूरा सर्वेक्षण बिना किसी खोदाई और संरचना को बिना कोई नुकसान पहुंचाए पूरा किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वैज्ञानिक सर्वेक्षण की पूरी प्रक्रिया बिना तोड़फोड़ वाली पद्धति से संपन्न की जाएगी। शीर्ष कोर्ट ने हाईकोर्ट के निर्देश को दोहराते हुए कहा कि सर्वेक्षण के दौरान कोई खोदाई नहीं होगी। इससे पहले चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने एएसआई के हलफनामे पर ध्यान दिया कि वह अपने सर्वेक्षण के दौरान कोई खोदाई नहीं कर रहा है और दीवार आदि के किसी भी हिस्से को नहीं छुआ जाएगा। कोर्ट ने पूछा कि उसे इस स्तर पर वैज्ञानिक सर्वेक्षण में हस्तक्षेप क्यों करना चाहिए? अयोध्या मामले में भी एएसआई ने सर्वेक्षण किया था। एएसआई के सर्वे से दिक्कत क्या है? इस पर मस्जिद पैनल ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि एएसआई सर्वेक्षण का इरादा इतिहास में यह जानने का है कि 500 साल पहले क्या हुआ था, यह अतीत के घावों को फिर से खोल देगा। मुस्लिम निकाय अंजुमन इंतजामिया मस्जिद समिति की ओर से पेश वरिष्ठ वकील हुजेफा अहमदी ने दलील दी कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की यह कवायद इतिहास को कुरेदने और पूजा स्थल अधिनियम का उल्लंघन करने के लिए की जा रही है। इससे भाईचारे और धर्मनिरपेक्षता प्रभावित होगी। अहमदी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के सर्वेक्षण आदेश पर नाराजगी जताते कहा कि एएसआई सर्वेक्षण का इरादा इतिहास खंगालकर यह जानने का है कि 500 साल पहले क्या हुआ था। यह अतीत के घावों को फिर से हरा कर देगा। अहमदी ने -शेष पृष्ठ दो पर

मुस्लिम पक्ष ने सहयोग करने का लिया निर्णय

वाराणसी (हि.स.)। ज्ञानवापी परिसर में भारतीय पुरातत्व विभाग (एएसआई) की टीम के सर्वे पर रोक लगाने से देश की शीर्ष अदालत (सुप्रीम कोर्ट) ने शुक्रवार को इनकार कर दिया। प्रतिवादी मुस्लिम पक्ष की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा हम हाईकोर्ट के आदेश में दखल क्यों दें और आप को सर्वे पर ऐतराज क्यों है? सर्वे से मुस्लिम पक्ष को कोई नुकसान नहीं होने जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी के बाद प्रतिवादी मुस्लिम पक्ष अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद ने ज्ञानवापी परिसर में हाईकोर्ट के आदेश पर चल रहे एएसआई के सर्वे में अब सहयोग करने की बात कही है। अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद ने निर्णय लिया है कि फैसले का सम्मान होगा। मसाजिद के संयुक्त सचिव एस. एम. यासीन ने बयान जारी कर कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के एएसआई सर्वे पर स्थगन आदेश देने से इंकार से उपजी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का सम्मान करते हुए एएसआई के साइंटिफिक सर्वे में सहयोग करेंगे। और आशा करते हैं कि न्यायालय के दिशा निर्देश का निष्पक्ष तरीके से पालन होगा। हमारी मस्जिद को कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा। -शेष पृष्ठ दो पर

फैमिली फोटो पर कमेंट को लेकर हिमंत बोले-

ऐसा मान लेना गलत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार (4 अगस्त) को उनकी फैमिली फोटो को लेकर कमेंट करने वालों को जवाब देते हुए कहा कि देखकर हैरानी होती है कि एक पारिवारिक फोटो को लेकर ऐसी बातें की जा रही हैं। पत्नी और बच्चों के साथ उनकी एक तस्वीर को लेकर ट्विटर यूजर्स ने कहा कि हिंदू वर्चस्ववादी नेता अपने बच्चों को विदेश में पढ़ने के लिए भेजते हैं और उन्हें कभी भी राइट विंग संगठनों में शामिल नहीं होने देते। इस पर हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि ऐसा मानना गलत होगा कि उनका 22 साल का बेटा सही उम्र पर सही विकल्प नहीं चुनेगा। हिमंत ने बुधवार (2 अगस्त) को फैमिली के साथ एक फोटो ट्विटर पर पोस्ट की थी, जिस पर कुछ यूजर्स ने कमेंट कर कहा कि हिंदूवादी वर्चस्ववादी नेता अपने बच्चों को विदेश में पढ़ने के लिए भेजते हैं, वे वेस्टर्न कपड़े पहनते हैं और एक लग्जरी लाइफ का आनंद लेते हैं, लेकिन उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

कामाख्या कॉरिडोर को लेकर सीएम ने की बैठक

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को श्रीश्री मां कामाख्या मंदिर में बनने वाले कामाख्या कॉरिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण पर चर्चा करने के लिए कामाख्या बरदेउरी समाज के प्रतिनिधियों और कामाख्या के लोगों के साथ बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने -शेष पृष्ठ दो पर

चंद्रयान-3 : आज किया जाएगा कक्षा में स्थापित

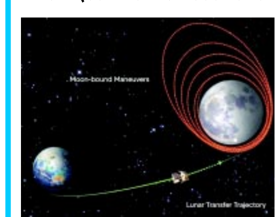

नई दिल्ली (हि.स.)। चंद्रयान-3 को चंद्रमा की परिधि में पहुंचने में अब केवल 24 घंटे का ही वक्त लगेगा। अंतरिक्ष यान ने चंद्रमा की लगभग दो-तिहाई दूरी तय कर ली है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को ट्वीट करके कहा कि चंद्रयान-3 ने दो तिहाई दूरी पूरी कर ली है। इस मिशन की शुरूआत में ही चंद्रमा की परिधि में पहुंचने का समय 5 अगस्त के लिए निर्धारित किया गया है। कल परिधि के पास पहुंचने पर (एलओआई) अर्थात लूनर ऑफरेशन इंजेक्शन शुरू किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान-3 मिशन को 14 जुलाई को दोपहर 2 बजकर 35 मिनट पर लांच किया था। चंद्रयान-3 कल चंद्रमा की कक्षा में पहुंचने के लगभग 40 दिन बाद 24 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग कर सकता है। मौजूदा समय में चंद्रयान चंद्रमा की कक्षा में स्थापित किए जाने से कुछ ही दूरी पर है।

पूर्वाञ्चल केশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

तीन हाथियों की रानी रिजर्व फॉरेस्ट की पास मौत

रानी। असम के रानी रिजर्व फॉरेस्ट में बिजली की चपेट में आने से तीन हाथियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान इस बात की पुष्टि हुई है कि तीनों हाथियों की मौत करंट लगने से ही हुई है। गौरतलब है कि पहले भी इस तरह की घटना हो चुकी है। कामरूप ईस्ट डिवीजन की डीएफओ रोहिणी सैकिया ने बताया कि रानी रिजर्व फॉरेस्ट से सटे आज तीन हाथियों की बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। मौत का कारण बिजली का झटका है और यह एक दुर्घटना है जैसा कि हम प्रारंभिक जांच में देख सकते हैं। मादा हाथी दो बच्चों के साथ बगीचे में आई थी और एक पेड़ को खींचने की कोशिश की थी, जो पेड़ बिजली के तारों के संपर्क में आ गया, -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : कर्फ्यू उल्लंघन के आरोप में 1047 लोग हिरासत में

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच पुलिस ने कुल 1047 लोगों को कर्फ्यू उल्लंघन करने के आरोप में हिरासत में लिया है। मणिपुर पुलिस द्वारा शुक्रवार को आधिकारिक रूप से दी गई जानकारी के अनुसार राज्य में विभिन्न स्थानों पर कुल 129 नाके लगाए गए हैं, जहां व्यापक पैमाने पर तलाशी चलाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को पूरे इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व और बिष्णुपुर जिलों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया था। ताजा हिंसा और उपद्रव को देखते हुए संबंधित जिला प्रशासन ने कर्फ्यू लगा दिया है। लोग कर्फ्यू का उल्लंघन कर कानून को हाथ में लेने की लगातार कोशिशें कर रहे हैं, जिसके कारण सुरक्षाबलों को सख्ती बरतनी पड़ रही है।

गोली लगने से पुलिसकर्मी सहित दो की मौत

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। गुरुवार को भी कई स्थानों पर गोलीबारी हुई है। इस गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी सहित दो लोगों की मौत हुई है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। शुक्रवार को एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि गुरुवार को इंफाल पश्चिम इलाके में गोलीबारी हुई है। इस घटना में सिर में गोली लगने से एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई, जबकि काउट्रुक, -शेष पृष्ठ दो पर

Door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

गौरीकुंड में भूस्खलन से तीन की मौत, 16 लापता

रुद्रप्रयाग/गौरीकुंड (हि.स.)। केदारनाथ यात्रा के मुख्य पढ़ाव गौरीकुंड में भूस्खलन होने से 19 लोग लापता हो गए। इनमें से तीन लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि 16 लोग अभी भी लापता चल रहे हैं। बताया जा रहा है कि कुछ लोग मंदाकिनी नदी के तेज बहाव में बह गए हैं, जिनकी खोज को लेकर मंदाकिनी से लेकर अलकनंदा नदी में सर्च अभियान जारी है। गौरीकुंड में डाटपुलिया के समीप गुरुवार रात्रि लगभग 12 बजे के आस-पास भूस्खलन हो गया था। भूस्खलन के कारण सोनप्रयाग-गौरीकुंड राजमार्ग किनारे स्थित तीन दुकानें मंदाकिनी नदी में समा गई। जिस -शेष पृष्ठ दो पर

राजस्थान में अब 50 जिले

जयपुर (हि.स.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में शुक्रवार को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में नवगठित जिलों के सीमांकन की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया गया। इसके साथ ही राज्य सरकार ने उन्नीस नए जिलों के नोटिफिकेशन को मंजूरी दे दी है। जयपुर और जोधपुर जिले के भी दो टुकड़े किए गए हैं। इनके नगर निगम क्षेत्र को जयपुर-जोधपुर और इससे बाहर वाली तहसीलों को जयपुर-जोधपुर ग्रामीण में शामिल किया गया है। राजस्थान में पहले से 33 जिले थे। अब 19 नए जिलों के बाद 50 जिले हो गए -शेष पृष्ठ दो पर

ट्रक की टक्कर में छात्र की मौत पर जमकर हंगामा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में के बेहाला स्थित एक स्कूल के पास शुक्रवार सुबह एक ट्रक की टक्कर में छात्र की मौत हो गई, जबकि उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद गुस्साए लोगों ने जमकर हंगामा किया और पुलिस के वाहन और सरकारी वाहनों को फूंक दिया है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया। इसमें आठ लोग घायल हो गए, जिनमें चार पुलिसकर्मी शामिल हैं। मामले में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने पूरे मामले की रिपोर्ट तलब की है। जानकारी के मुताबिक बेहाला में शुक्रवार सुबह बारिशा हाई स्कूल के दूसरी कक्षा के छात्र सोर्निल सरकार को एक ट्रक ने कुचल दिया। छात्र के पिता भी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। छात्र की मौत से नाराज अभिभावकों और स्थानीय लोगों के साथ-साथ -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
सुख और दुःख में समान रूप से सहायक होना चाहिए।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

अमृत भारत रेलवे स्टेशन असम में भी

होजाई (हि.स.)। 06 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम के कई रेलवे स्टेशनों के साथ ही देश के करीब 508 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन में बदलने के लिए वीडियो कांफ्रेंस के जरिए रिमोट के जरिए शिलान्यास करेंगे। इस आशय की जानकारी लमडिंग रेलवे मंडलिक प्रबंधक ने शुक्रवार को लमडिंग में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान दी। इस संबंध में एक संवाददाता सम्मेलन में प्रबंधक ने बताया कि रविवार को इस अवसर पर लमडिंग मंडल के 15 स्टेशनों का शिलान्यास भी किया जाएगा। लमडिंग मंडल में लमडिंग रेलवे स्टेशन (40 करोड़ रुपए), अरुणाचल (29.2 करोड़ रुपए), -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदी का किसी क्षेत्रीय भाषा से मुकाबला नहीं : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि हिंदी की स्थानीय भाषाओं से प्रतिस्पर्धा नहीं है और सभी भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने से ही देश सशक्त होगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यहां राजभाषा पर संसद की समिति की 38वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाह ने यह भी कहा कि भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए इससे बेहतर समय और कोई नहीं हो सकता, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक मंचों पर हिंदी और अन्य सभी भारतीय भाषाओं को गर्व के साथ प्रस्तुत करते हैं। शाह ने कहा कि हिंदी की प्रतिस्पर्धा स्थानीय भाषाओं से नहीं है, सभी भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने से ही देश सशक्त होगा। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 10 भाषाओं में इंजीनियरिंग और मेडिकल पाठ्यक्रम शुरू करने की पहल की है और जल्द ही ये पाठ्यक्रम सभी भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि वह क्षण स्थानीय भाषाओं और आधिकारिक भाषाओं के उत्थान की शुरुआत का प्रतीक होगा। प्रधानमंत्री ने संसद में एक भी भाषण अंग्रेजी में नहीं दिया है और सरकार के केंद्रीय मंत्री भी भारतीय भाषाओं में भाषण देने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि इससे विभिन्न भाषाओं को जोड़ने के आंदोलन को काफी गति मिलती है। शाह ने कहा कि राजभाषा की स्वीकार्यता कानून या सर्कुलर से नहीं बल्कि सद्भावना, -शेष पृष्ठ दो पर

हांसी में हिंदू संगठनों द्वारा भड़काऊ भाषण देने पर मामला दर्ज

हांसी। नूंह में हुई हिंसा के बाद हिसार जिले के हांसी शहर में हिंदू संगठनों द्वारा निकाले गए रोष प्रदर्शन में भड़काऊ भाषण देने पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। कृष्ण गुजर, परविंद लोहान, भूपेंद्र राठौड़, विनोद सहित चार लोगों को नामजद करते हुए 12 अज्ञात के खिलाफ धार्मिक दंगा भड़काने की धारा में केस दर्ज किया है। नूंह में हिंसा के विरोध में बुधवार को हांसी के बाजारों में हिंदू संगठनों ने रोष प्रदर्शन निकाला था। इस प्रदर्शन के दौरान कुछ युवकों ने भड़काऊ भाषण दिया था। बताया जा रहा -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से खुश हुए आई.एन.डी.आई.ए.

नई दिल्ली। राहुल गांधी की सजा पर रोक लगने के बाद आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन के नेता उन्हें बधाई देने में जुट गए हैं। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ अनुचित मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप का स्वागत करता हूं। इससे भारतीय लोकतंत्र में लोगों का विश्वास मजबूत होता है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने मोदी सरनेम को लेकर की गई कथित विवादित टिप्पणी के संबंध में 2019 में दायर आपराधिक मानहानि मामले में राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाते हुए शुक्रवार को उनकी लोकसभा की सदस्यता बहाल करने का रास्ता साफ कर दिया। अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट में कहा कि मैं राहुल गांधी जी के खिलाफ अन्यायपूर्ण मानहानि मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप का स्वागत करता हूं। यह भारतीय लोकतंत्र और न्यायिक प्रणाली में लोगों के विश्वास को मजबूत करता है। उन्हें और वायनाड के लोगों को बधाई। वहीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले की सराहना की, जिसमें *मोदी सरनेम* को लेकर की गई कथित विवादित टिप्पणी मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाई गई है। बनर्जी ने ट्वीट किया कि मैं राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाली की खबर से खुश हूं। यह हमारी मातृभूमि के लिए एकजुट होकर लड़ने और जीतने के विपक्षी गठबंधन इंडिया के संकल्प को और मजबूत करेगा। न्यायपालिका की जीत। वहीं, तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी के ट्वीट को साझा करते हुए कहा कि नैतिक ब्रह्मांड का चक्र लंबा है, लेकिन यह न्याय की ओर झुकता है। समाजवादी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि इससे लोकतंत्र एवं न्यायपालिका में लोगों की आस्था और बढ़ गई है। यादव ने एक ट्वीट में कहा कि सर्वोच्च अदालत ने राहुल गांधी जी की सजा पर रोक लगाकर भारतीय लोकतंत्र एवं न्यायपालिका में लोगों की आस्था को बढ़ावा दिया है। उन्होंने इसी ट्वीट में कहा कि भाजपा की नकारात्मक राजनीति का अहंकारी ध्वज आज उनके नैतिक अवसान के शोक में झुक जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा *मोदी सरनेम* मानहानि मामले में राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाने पर शिव सेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने कहा कि मुझे लगता है कि यह एक उचित आदेश है। यदि आप आज के फैसले, आदेश को देखें तो यह बहुत महत्वपूर्ण है हमारे पास ऐसे लोग हैं जो लोकसभा में सच बोलते हैं। इस देश में नफरत, प्रतिशोध की राजनीति नहीं जीतेगी। हम इस आदेश का समर्थन करते हैं। इस बीच, राहुल को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिलने के बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस दफ्तर में मिठाइयां बांटकर खुशियां मनायी गईं। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया संयोजक ललन कुमार ने बताया कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बहाल करने का रास्ता साफ करने वाले सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। पार्टी राज्य मुख्यालय पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एकत्र होकर मिठाइयां बांटी। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बहाल करने का मार्ग प्रशस्त करते हुए मोदी सरनेम को लेकर की गई टिप्पणी के संबंध में 2019 में उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक मानहानि मामले में शुक्रवार को उनकी सजा पर रोक लगा दी। लोकसभा अध्यक्ष अब उनकी सदस्यता बहाल कर सकते हैं या राहुल गांधी शीर्ष अदालत के आदेश के परिप्रेक्ष्य में एक सांसद के रूप में अपनी सदस्यता बहाल करने की अपील कर सकते हैं। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने शुक्रवार को लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर राहुल गांधी की सदस्यता बहाल करने का आग्रह किया। जस्टिस बी आर गवई, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि टिप्पणी उचित नहीं थी और सार्वजनिक जीवन में भाषण देते समय एक व्यक्ति से सावधानी बरतने की उम्मीद की जाती है। पीठ ने कहा कि निचली अदालत के जज द्वारा अधिकतम सजा देने का कोई कारण नहीं बताया गया है, ऐसे में अंतिम फैसला आने तक दोषसिद्धि के आदेश पर रोक लगाने की जरूरत है। शीर्ष अदालत गुजरात उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली राहुल की याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

नेपाल सरकार के सीमा शुल्क बढ़ाने से भड़के भारतीय व्यापारी

सिलीगुड़ी (हि.स.)। भारतीय बॉर्डर पर 100 रुपए से अधिक के सामान पर कस्टम ड्यूटी लगाने के नेपाल सरकार के फैसले के विरोध में शुक्रवार को पानी टंकी व्यवसायी समिति ने खोरीबाड़ी में भारत-नेपाल सीमा पर सड़क को जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। क्षेत्रों के व्यवसायियों और स्थानीय लोगों ने नेपाल सरकार के इस फैसले की निंदा करते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की है। व्यवसायी समिति की तरफ से बीडीओ को एक ज्ञापन भी सौंपा गया। पानीटंकी व्यवसायी समिति संयुक्त सचिव दीपक चक्रवर्ती ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच बेटी-रोटी का संबंध रहने के कारण दोनों देशों के सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों का एक-दूसरे के यहां आना-जाना लगा रहता है। इसी क्रम में नेपाल मूल के अधिकांश लोग अपने घरेलू उपयोग के लिए रोजमर्रा का सामान भारतीय बाजार से खरीदते रहे हैं, लेकिन बीते कुछ दिनों से नेपाल में रोजमर्रा की वस्तु पर सीमा शुल्क लगने से लोगों ने भारतीय बाजारों में खरीदारी करना कम कर दिया है, जिससे भारतीय सीमावर्ती बाजारों पर काफी असर पर गया है। इस कानून के लिए हमारा व्यवसाय खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि नेपाल सरकार अपना फैसला वापस ले इसके लिए सांसद व गृह मंत्री से निवेदन करेंगे।

353 कार्टून कफ सिरप के साथ दो गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। पुलिस ने करीमगंज जिले के चुराईबारी चेक पोस्ट पर उत्तर भारत के एक राज्य से आ रहे एक वाहन को रोका और इसमें लदे 353 कार्टून जब्त किए। इन कार्टूनों में 35300 प्रतिबंधित कफ सिरप थे। इस सिलसिले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इस सिलसिले में थाने में एक मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई पुलिस द्वारा की जा रही है।

चलती गाड़ी में लगी आग

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी के जू-रोड के सेंदुरी आली पथ पर एक चलती हुई गाड़ी धू-धू कर जलने लगी। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार यह आग गुरुवार की रात उस समय लगी जब गाड़ी चिड़ियाघाना की ओर से अंदर की ओर जा रही थी। कार नूनमाटी के महेंद्र हजारिका की बताई जा रही है। पोलो कार में लगी इस आग में गाड़ी का चालक किसी प्रकार जान बचाकर गाड़ी से बाहर निकल सका। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस और अग्निशामक दस्ते की टीम ने कुछ देर के बाद आग पर काबू पा लिया।

चोरी की बाइक बरामद, तीन आरोपी गिरफ्तार

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिले के बरपथार थाना में आईपीसी की धारा 379 के तहत दर्ज केस नंबर 29/23 के सिलसिले में पुलिस को आज बड़ी सफलता मिली है। बरपथार थाना प्रभारी के नेतृत्व में चलाया गए एक अभियान के दौरान पुलिस की टीम ने चोरी के वाहन की बरामदगी के साथ-साथ चोरी में कथित रूप से शामिल 03 शामिल लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। इस सिलसिले में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

गोलाघाट में गांजे के साथ एक गिरफ्तार

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट पुलिस थाने के ओसी और टीम ने ढेकियाल चौकी के तहत हैंडिकगांव में शुक्रवार को ड्रग्स के खिलाफ एक अभियान चलाया। अभियान के दौरान एक तस्कर को हिरासत में लिया गया। उसके कब्जे से 1013 ग्राम गांजा बरामद किया गया। गांजे के साथ अपराध में इस्तेमाल की गई एक बाइक भी जब्त की गई। इस मामले में एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

बांग्लादेश ने त्रिपुरा, अन्य पूर्वोत्तर राज्यों के लिए चार मार्ग किए अधिसूचित

अगरतला। भारतीय व्यापारियों के लिए बांग्लादेश सरकार बड़ी खुशखबरी दी है। अधिकारियों ने कहा कि बांग्लादेश ने त्रिपुरा और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में माल परिवहन के लिए चार मार्ग निर्धारित किए हैं। उन्होंने कहा इन मार्गों में चटगांव बंदरगाह-अखौरा-अगरतला, मोंगला बंदरगाह-अखौरा-अगरतला, चटगांव-बीबिरबाजार-श्रीमंतपुर और मोंगला बंदरगाह-बीबिरबाजार-श्रीमंतपुर हैं। राज्य के उद्योग और वाणिज्य मंत्री सनताना चकमा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि भारत और बांग्लादेश ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे भारतीय व्यापारियों को माल के परिवहन के लिए बांग्लादेश में चटगांव और मोंगला बंदरगाहों का उपयोग करने की अनुमति मिल गई है। बांग्लादेश सरकार ने त्रिपुरा और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों से माल के परिवहन के लिए चार मार्गों को अधिसूचित किया है। उद्योग और वाणिज्य विभाग में निदेशक विश्वश्री बी ने कहा कि इन मार्गों पर माल परिवहन की अच्छी संभावना है। आगे कहा कि त्रिपुरा स्थानीय स्तर पर द्विपक्षीय व्यापार के लिए सीमा पर नौ हाट स्थापित करने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि हमने भारत-बांग्लादेश सीमा पर नौ हाट स्थापित करने के लिए केंद्र को पहले ही एक प्रस्ताव भेज दिया है। यह फिलहाल विचाराधीन है। अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान में, त्रिपुरा में दो सीमावर्ती हाट सिपाहीजला जिले में कमलासागर और दक्षिण त्रिपुरा जिले में श्रीनगर हैं। उत्तरी त्रिपुरा के धर्मनगर और धलाई जिले के कमालपुर में दो और सीमा हाट पर काम चल रहा है।

पृष्ठ एक का शेष

ज्ञानवापी परिसर में ...

कहा कि सर्वेक्षण पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 का उल्लंघन करता है, जो 1947 में मौजूद धार्मिक स्थानों के चरित्र में बदलाव को निषिद्ध करता है। गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के कुछ घंटे बाद ही अंजुमन इंतजामिया मसाजिद के वकील निजाम पाशा ने मामले को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के सामने मेंशन कर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया था। इसमें सर्वे पर रोक की मांग की गई थी। हिंदू पक्ष ने भी सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल कर बिना उनका पक्ष सुने कोई आदेश न देने का अनुरोध किया था। इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ज्ञानवापी परिसर के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) से वैज्ञानिक सर्वे कराने के वाराणसी जिला जज के फैसले को बरकरार रखा है। कोर्ट ने कहा कि जिला जज का सर्वेक्षण कराने का आदेश विधि सम्मत है। हालांकि मुस्लिम पक्ष ने आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस प्रीतिंकर दिवाकर ने गुरुवार को अंजुमन इंतजामिया मसाजिद की याचिका खारिज करते हुए कहा, परिसर का एएसआई से वैज्ञानिक सर्वे करवाने का जिला कोर्ट का आदेश न्यायोचित और सही है। इसमें दखल देने का कोई कारण नहीं है। एसआई का प्रस्तावित सर्वे न केवल न्याय हित में जरूरी है, बल्कि दोनों पक्षों के लिए लाभकारी भी है। 16 पेज के आदेश में कोर्ट ने कहा कि एएसआई के एडीजी आलोक त्रिपाठी, एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया (एएसजीआई) शशि प्रकाश सिंह ने हलफनामा देकर कहा है कि सर्वे के दौरान ढांचे को कोई नुकसान नहीं होगा। इस दौरान न कोई खोदाई होगी, न ही ड्रिल किया जाएगा। बिना किसी नुकसान के ज्ञानवापी परिसर का सर्वे किया जाएगा। इसके बाद इस कथन पर संदेह करने का कोई औचित्य नहीं है।

मुस्लिम पक्ष ने सहयोग ...

उन्होंने कहा कि हम सभी से अपील करते हैं कि इस फैसले का सम्मान करते हुए पूर्ण रूप से शांति-व्यवस्था बनाए रखें। अफवाहों पर कतई ध्यान न दें। लोगों के बयानबाजी को नजरअंदाज करें, इसी में सब की भलाई है। शांति - संयम-सद्भाव का मूल मंत्र को हम मजबूती से पकड़े रहें। उल्लेखनीय है कि अब तक ज्ञानवापी में हुए सर्वे का प्रतिवादी पक्ष ने बहिष्कार किया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट के ज्ञानवापी में एएसआई सर्वे के जारी रखने के फैसले के बाद अंजुमन इंतेजामिया के संयुक्त सचिव, एस एम यासीन ने कहा था कि मुस्लिम पक्ष सर्वे में शामिल नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के आदेश पर स्टे लेने के पहले तक प्रतिवादी पक्ष सर्वे में सहयोग करने के बजाय इससे दूरी ही बनाये रखा। उधर, एएसआई सर्वेक्षण के दौरान ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के अंदर मौजूद रहे हिंदू पक्ष के अधिवक्ता सुधीर त्रिपाठी ने पत्रकारों को बताया कि ज्ञानवापी परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण आज सुबह 07 बजे 40 विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा शुरू किया गया। फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी की जा रही है। एएसआई के विशेषज्ञ सूक्ष्मता से एक-एक चीज को देख रहे हैं।

ऐसा मान लेना ...

कभी भी अपने बच्चों को *हिंदू खतरे में हैं* के नाम पर बजरंग दल या दुर्गा वाहिनी या भाजपा आईटी सेल में शामिल नहीं होने दिया। इस पर हिमंत ने जवाब दिया कि यह देखकर हैरानी होती है कि आपने एक फैमिली फोटो को सिर्फ देखकर ही इतने कठोर निष्कर्ष निकाल लिए। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हमने 31 जुलाई को फैमिली डिनर के साथ रिनिकी का जन्मदिन मनाया। यह तस्वीर डिनर के बाद की है। शर्मा ने कहा कि उनका बेटा अभी 22 साल का है और पढ़ाई कर रहा है। पहले से ही यह मान लेना गलत होगा कि वह सही उम्र पर सही विकल्प नहीं चुनेगा। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे वैचारिक परिवार, जिसे आमतौर पर संघ परिवार कहा जाता है, के अंदर संगठनों में शामिल होने के लिए कड़ी मेहनत और समर्पण की जरूरत होती है। हिमंत ने कहा कि भाजपा आईटी सेल या हमारे वैचारिक परिवार के किसी संगठन में शामिल होने के लिए कड़ी मेहनत और समर्पण की आवश्यकता होती है। संगठन में शामिल होना सिर्फ किसी नेता का बेटा या बेटी होने पर आधारित नहीं होना चाहिए। हमारे बच्चों के लिए संगठन में प्रवेश करना आसान होने के आपके सुझाव से ऐसा महसूस होता है कि आप वंशवादी उत्तराधिकार को बढ़ावा देने में विश्वास रखते हैं।

कामाख्या कॉरिडोर को ...

विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कामाख्या बरदेउरी समाज के साथ-साथ कामाख्या वासियों से भी इस प्रस्तावित परियोजना के निर्माण कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण कर शक्तिपीठ मां कामाख्या देवालय को देश का प्रमुख पर्यटन स्थल बनाने में सहयोग मांगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ गुवाहाटी के आयुक्त पल्लव गोपाल झा समेत बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी एवं गण्यमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

तीन हाथियों की ...

जिससे करंट लगने की घटना हुई। सैकिया ने बताया कि फिलहाल, हम पहले से ही इस मामले को देख रहे हैं और हम एपीडीसीएल के संपर्क में भी हैं, क्योंकि इसी तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। इसलिए, एपीडीसीएल से पहले ही अनुरोध किया गया था कि जहां भी बिजली के तार लटक रहे हैं, वहां सुरक्षित और कवर तार लगाए जाएं।

गोली लगने से ...

हारोथेल और सेंजाम चिरांग इलाकों में भी अराजकतत्वों और सुरक्षाकर्मियों के बीच गोलीबारी हुई। गोलीबारी में एक सुरक्षा गार्ड सहित दो लोग घायल हुए। इसी बीच, पास की पहाड़ी इलाकों में भी गोलीबारी में एक नागरिक की भी मौत हुई है। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले के कांगवाई और फोगाकचाओ इलाकों में गुरुवार को झड़पें हुईं। इन झड़पों में कम से कम 19 लोग घायल हो गए। उल्लेखनीय है कि 3 मई से राज्य में लगातार हिंसा हो रही है। शासन प्रशासन शांति बहाली के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। राज्य में इंटरनेट सेवाएं अभी निलंबित हैं। आए दिन अलग-अलग इलाकों में झड़पें हो रही हैं। सुरक्षा बल दिन-रात परिस्थिति को नियंत्रित करने के लिए जूझ रहे हैं।

गौरीकुंड में भूस्खलन...

समय यह हादसा हुआ, उस समय इन दुकानों में लगभग 19 लोग मौजूद थे। रात के समय तेज बारिश होने के कारण रेस्क्यू अभियान चलाने में काफी दिक्कतें आई। सुबह के समय रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। इस दौरान तीन लोगों के शवों को खाई से निकाला गया। बाकी 16 लोगों की खोजबीन जारी है। घटना में लापता 14 लोग नेपाली मूल के हैं, जबकि दो लोग उत्तर प्रदेश और तीन लोग स्थानीय निवासी बताए गए हैं। लापता चल रहे लोगों में कुछ बच्चे और युवा भी शामिल हैं। ये सभी लोग गौरीकुंड में दुकान और ढाबा का संचालन करके रोजगार करते थे। जनपद के प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि गौरीकुंड से श्रीनगर तक लापता लोगों की खोजबीन को लेकर मंदाकिनी व अलकनंदा नदी में सर्च अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। दोपहर के समय डीएम डॉ सौरभ गहरवार और एसपी डॉ बिशाखा भदाणे भी घटना स्थल पर पहुंचे। मौसम खराब होने और जगह-जगह हाईवे पर बोल्डर आने के बाद केदारनाथ के दर्शन करने के बाद गौरीकुंड आए यात्रियों को अग्रिम आदेश तक सुरक्षित रोक दिया गया। दोपहर बाद गौरीकुंड में रोके गए यात्रियों को सुरक्षित तरीके से सोनप्रयाग भेजा गया। अब मौसम पूरी तरह से सही होने पर ही यात्रियों को केदारनाथ भेजा जायेगा। कुछ दिन पहले चमोली जिले में नमामि गंगे योजना के तहत बने सीवर ट्रीटमेंट प्लांट में करंट लगने से 17 लोगों की मौत हो गई थी। अब रुद्रप्रयाग जिले के गौरीकुंड में भूस्खलन की एक बड़ी घटना घट गई। इसमें 19 लोगों के लापता होने के बाद तीन लोगों के ही शव बरामद हो पाए हैं। देर रात करीब 12 बजे घटना घटने के बाद शुक्रवार सुबह चार बजे रेस्क्यू अभियान चलाया गया, जबकि रेस्क्यू अभियान की टीम रात दो बजे करीब घटना स्थल पर पहुंच गई थी। टीम को शुक्रवार दोपहर दो बजे तीन शव बरामद हुए, जबकि अभी तक 16 लोग लापता चल रहे हैं। गौरीकुंड घटना के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मृत लोगों के प्रति शोक संवेदना जताई। उन्होंने लापता लोगों की खोज को लेकर तेजी से सर्च अभियान चलाने के निर्देश दिए। गौरीकुंड में डाटपुलिया के समीप भारी भू-स्खलन की घटना की सूचना पर जिलाधिकारी डॉ सौरभ गहरवार, पुलिस अधीक्षक डॉ विशाखा अशोक भदाणे घटना स्थल पर पहुंचे और मौके पर राहत एवं बचाव कार्य में लगी रेस्क्यू टीम से घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने भूस्खलन के कारण लापता हुए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि जिला प्रशासन पीड़ित परिवारों के साथ है। उन्होंने रेस्क्यू कार्य में लगी डीडीआरएफ, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, वाईएमएफ, पुलिस एवं प्रशासनिक टीमों कई निर्देश दिए। उन्होंने घटना स्थल पर हो रहे भूस्खलन से आवाजाही को सावधानी से कराने के निर्देश दिए तथा टीमों को सतर्कता से कार्य करने के निर्देश दिए।

राजस्थान में अब ...

हैं। पाली, सीकर, बांसवाड़ा को नया संभाग बनाया गया है, इसके बाद अब राज्य में 10 संभाग हो गए हैं। राजस्थान में अब दूदू सबसे छोटा जिला होगा। दूदू जिले में एक ही विधानसभा क्षेत्र रहेगा। क्षेत्रफल के हिसाब से जैसलमेर अभी भी सबसे बड़ा जिला रहेगा। 19 नवीन जिलों के गठन के लिए 18 वर्तमान जिलों का पुनर्गठन भी किया गया है। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मुख्यमंत्री गहलोत ने पत्रकार वार्ता में बताया कि इन नवीन जिलों से राज्य के विकास को एक नई गति मिलेगी तथा आमजन की सुगमता ब ?गी। उन्होंने कहा कि सात अगस्त को सभी नए जिलों का उद्घाटन होगा। प्रभारी मंत्री नए जिलों का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने बताया कि नवीन जिलों के गठन से विकास संबंधी योजनाओं के क्रियान्वयन की और अधिक प्रभावी ढंग से मानिटरिंग हो सकेगी। साथ ही प्रदेश के पिछड़े और दूरस्थ क्षेत्रों तक सरकार की पहुंच और अधिक सुगम होगी, जिससे इनकी समस्याओं का शीघ्र निराकरण हो सकेगा। राजस्व एवं दीवानी न्यायालयों की दूरियां घटने से इनमें लम्बित मामलों का त्वरित निस्तारण हो सकेगा तथा कानून व्यवस्था पर अधिक प्रभावी नियंत्रण हो पायेगा। जन अभाव अभियोगों का निराकरण और शीघ्रता एवं सुगम रूप से हो सकेगा। नए जिलों की अधिसूचना जारी होते ही अब वहां कलेक्टर, एसपी और जिला लेवल के ऑफिस खुलने शुरू होंगे।

ट्रक की टक्कर...

बारिशा हाई स्कूल के हेडमास्टर ने भी पुलिस के खिलाफ गुस्सा जाहिर किया। घटना की जानकारी मिलने के बाद कोलकाता पुलिस कमिश्नर (सीपी) विनीत गोयल भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि जो हुआ वह बहुत दुखद है। ऐसा क्यों हुआ इसकी जांच कराई जाएगी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सुबह एक मिट्टी ढोने वाले ट्रक ने स्कूल के छात्र और उसके पिता को टक्कर मार दी। जिसमें छात्र की मौत हो गई है कि जबकि उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद डायमंड हार्बर रोड पर स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। बेहाला चौरास्ता के पास पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई। इलाके में यातायात अवरुद्ध कर दिया गया। कथित तौर पर कई सरकारी बसों में तोड़फोड़ की गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के वाहनों को आग के हवाले कर दिया। लोगों ने कई सरकारी बसों में भी तोड़फोड़ की। भीड़ पर काबू करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े हैं और लाठीचार्ज किया है। स्थानीय लोग शव को सड़क पर रखकर विरोध प्रदर्शन किया। हंगामे में आठ लोग घायल हो गए हैं, जिसमें चार पुलिसकर्मी हैं। बताया गया है कि इनमें संयुक्त आयुक्त यातायात रूपेश कुमार को भी चोट लगी है। कोलकाता पुलिस आयुक्त ने घटना स्थल पर जाकर स्थिति का मुआयना किया। इस बीच, सीएम ममता बनर्जी ने बेहाला मामले की रिपोर्ट तलब की है।

हिंदी का किसी ...

प्रेरणा और प्रोत्साहन से मिलती है। उन्होंने कहा कि इतने समय तक शासन करने के बाद भी भारतीय भाषाएं और उनके शब्दकोष बरकरार रहे, जो एक बड़ी उपलब्धि है और भाषाओं ने देश को एकजुट करने का काम किया है। गृह मंत्री ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव वर्ष में प्रधानमंत्री मोदी ने देश के सामने *पंच प्रण* रखे हैं, जिनमें से दो *प्रण* हैं विरासत का सम्मान और गुलामी के निशान मिटाना। उन्होंने कहा कि इन दोनों प्रण को शत-प्रतिशत लागू करने के लिए सभी भारतीय भाषाओं और राजभाषाओं को अपनी ताकत दिखानी होगी। शाह ने कहा कि भाषा के सम्मान के बिना विरासत का सम्मान अधूरा है और राजभाषा की स्वीकार्यता तभी मिलेगी जब सभी लोग स्थानीय भाषाओं को सम्मान देंगे। उन्होंने कहा कि राजभाषा के प्रति बिना किसी विरोध के स्वीकार्यता विकसित करने की जरूरत है, भले ही इसकी गति धीमी हो। गृह मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद से 2014 तक, राजभाषा पर संसदीय समिति की रिपोर्ट के नौ खंड प्रस्तुत किए गए। उन्होंने कहा कि 2019 से तीन खंडों को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि ये खंड विषयवार तैयार किए गए हैं और 12वें खंड का विषय सरलीकरण है। बैठक के दौरान राजभाषा पर संसद की समिति की रिपोर्ट के 12वें खंड को भी मंजूरी दी गई जिसे राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

अमृत भारत रेलवे ...

कुमारघाट (30.24 करोड़ रुपए), धर्मनगर (32.6 करोड़ रुपए), न्यू करीमगंज (30.82 करोड़ रुपए), उदयपुर (33.82 करोड़ रुपए), न्यू हाफलांग (35 करोड़ रुपए), लंका (30.1 करोड़ रुपए), होजाई (30.1 करोड़ रुपए), जागीरोड (31.18), चापरमुख (31.87 करोड़ रुपए), नारंगी (33.23 करोड़ रुपए), डिफू (32 करोड़ रुपए), सरूपथार (31 करोड़ रुपए) तथा डिमापुर (266.66 करोड़ रुपए) शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस अमृत भारत स्टेशन के माध्यम से रेलवे स्टेशनों को अपग्रेड करने और यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं प्रदान करने की पहल की है।

हांसी में हिंदू संगठनों ...

है कि रोष मार्च का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। भाषण में उन्होंने एक समुदाय के लोगों पर निशाना साधते हुए दो दिन में हांसी छोड़ने की चेतावनी दी थी, नहीं तो अंजाम भुगतने की चेतावनी दी गई थी। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासन द्वारा जांच करवाई गई, उसके बाद गुरवार देर रत मामला दर्ज किया गया। एसपी मकसूद अहमद ने बताया कि बुधवार को हांसी में प्रदर्शन के दौरान का एक वीडियो उन्हें मिला था। वीडियो के आधार पर ही उन्होंने सिटी थाना में एक मामला दर्ज किया है। यह मामला पुलिस ने ही दर्ज किया है, किसी की शिकायत नहीं मिली थी। एसपी ने बताया कि मामला 147,149,153ए, 505/2, 506 आईपीसी धारा के तहत दर्ज किया गया है। चार लोगों को नामजद करते हुए 12 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **द्वितीय अध्याय**

(क्षर)

पौ हमसे हम पौ नहीं, हम छाया कर मूल।
पौ अरु आपन रूप को, परखो शब्द न भूल॥ 15॥

शब्दार्थ : (पौ) क्षर, माया, प्रकृति।

भाष्य : पौ मुझसे है, मैं पौ नहीं हूं। मैं उस पौ-छाया का मूल हैं इसलिए पौ में भूल न करके अपने स्वरूप की पहचान कर अक्षरपार, नि:शब्द, सारशब्द की पारख कर आनंद का उपभोग करो।

पौ फन्दा में जग फँसे, पौ कर चाल विलोम।
मुसरी खाय मजार को, स्यार सिंह संग झोम॥ 16॥

शब्दार्थ : (फन्दा) बंधन (चाल) गति (विलोम) उलटा (मुसरी) मूषिका (मजार) बिलारि (स्यार) शृंगाल (सिंह) शेर (संग) साथ (झोम) हिलना।

भाष्य : पौ के फंदे में संसार फंसा हुआ है। पौ की गति उलटी है। जैसे, मूषिका बिल्ली को खा रही है और स्यार सिंह के साथ खेल रहा है अर्थात सिंह-रूपी आत्मा से स्यार-रूपीर पौ क्षर खेल रहा है एवं मूषिका-रूपी क्षर माया बिल्ली-रूपी आत्मा को खा रही है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**

पुलिस ने नष्ट कीं अवैध शराब की भट्ठियां

गोलाघाट (हिंस)। अवैध शराब के खिलाफ असम पुलिस का जोरदार अभियान जारी है। इसी क्रम में पुलिस ने आज कई इलाकों में अवैध शराब की भट्ठियों को ध्वस्त कर दिया। पुलिस द्वारा आज आधिकारिक रूप से दी गई जानकारी के अनुसार गोलाघाट पुलिस ने चुंगाजान, उरियामघाट, एनआरएल, घिलाघारी, कमरबंधा और नावजान थानाक्षेत्र के तहत विभिन्न स्थानों से लगभग 3100 लीटर अवैध शराब और अवैध इंडियन मेड फॉरेन लिकर (आईएमएफएल) को नष्ट कर दिया। पुलिस ने इस सिलसिले में अलग-अलग मामला दर्ज कर इससे जुड़े लोगों की तलाश शुरू कर दी है।

करीमगंज में 4 करोड़ की हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। असम का बराक घाटी क्षेत्र ड्रग्स तस्करों का सुरम्य चरागाह बन गया है। कई अंतर्राष्ट्रीय तथा अंतरराज्यीय सीमाओं से लगे होने के कारण हर तरफ से तस्कर यहां पहुंच जाते हैं। तस्कर बराक घाटी के कछार, करीमगंज और हैलाकंदी जिले से मिलकर बनने वाले त्रिकोण का लाभ उठाते हैं। प्रत्येक दिन यहां से करोड़ों रुपए के ड्रग्स पकड़े जाते हैं। इसी कड़ी में बराक के रास्ते ले जाए जा रहे हीरोइन पकड़े जाने की जानकारी मिली है। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार बीएसएफ और पुलिस ने गुरुवार की रात करीमगंज के कायस्थग्राम बाजार इलाके में करीब चार करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन जब्त की है। बीएसएफ की खुफिया शाखा को

मिली गुप्त सूचना के आधार पर करीमगंज-मिजोरम को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 पर नीलामबाजार पुलिस के साथ चलाए गए अभियान में 768 ग्राम हेरोइन जब्त की गई। जानकारी के अनुसार पथारकांदी जा रही अल्टो (एएस-10जी-0213) की तलाशी लेने पर 50 हेरोइन से भरे साबुन का डिब्बा जब्त किया गया। बक्सों से 768 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। बीएसएफ सूत्रों ने बताया कि जब्त हेरोइन का बाजार मूल्य करीब चार करोड़ रुपए है। इसी बीच, पुलिस ने हेरोइन के साथ चालक और आपूर्तिकर्ता सिफर उद्दीन को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार सिफर उद्दीन का घर पथारकांदी थाना अंतर्गत हतीरगोल इलाके में है। पुलिस ने बताया कि फिलहाल सिफर उद्दीन को कार, हेरोइन के साथ नीलामबाजार थाने लाया गया है।

असम में बाघों की संख्या में हुई बढ़ोत्तरी

काजीरंगा (हिंस)। बाघ संरक्षण के मामले में असम के लिए अच्छी खबर है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के एक सर्वेक्षण के अनुसार असम में वर्तमान में 227 बाघ हैं। हर चार साल पर होने वाली बाघ गणना के आंकड़ों के अनुसार असम में बाघों की संख्या 2006 में 70 थी और 2022 के सर्वेक्षण में यह बढ़कर 227 हो गई है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के ताजा आंकड़ों से यह बात सामने आई है। जानकारी के अनुसार असम के चार टाइगर रिजर्व में काजीरंगा टाइगर रिजर्व भी बाघ संरक्षण में सफलता हासिल करने में सफल रहा है। काजीरंगा टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या वर्तमान संख्या 136 से बढकर 142 हो गई है। जिसमें काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, नगांव वन्यजीव प्रभाग के तहत लाओखोवा बूढ़ा चापरी और बागशेर रिजर्व फॉरेस्ट शामिल हैं। हालांकि, काजीरंगा टाइगर रिजर्व के तहत आने वाले काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में बाघों की संख्या में ज्यादा बदलाव नहीं आया है। राष्ट्रीय उद्यान में बाघों की संख्या पहले के 104 से 106 तक बढकर सीमित हो गई है। वन विभाग के अनुसार ऐसा बाघों के लिए पर्याप्त चराई भूमि की कमी के कारण है। ऐसी स्थिति में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में बाघों की संख्या बढ़ने की संभावना नहीं है। लेकिन, राष्ट्रीय उद्यान प्राधिकरण

ने राष्ट्रीय उद्यान के दक्षिणी हिस्से में कार्बी आंगलोंग में बाघ प्रजनन के लिए उपयुक्त वातावरण बनाए जाने पर बाघों की संख्या में और वृद्धि की संभावना व्यक्त की है। उल्लेखनीय है कि बाघों की गणना आमतौर पर कैमरा ट्रैपिंग के माध्यम से की जाती है। हालांकि इस बार बाघ गणना प्रणाली में बदलाव की गई है। राष्ट्रीय उद्यान प्राधिकरण ने दावा किया है कि यदि राष्ट्रीय उद्यान के उत्तरी तट और चर-चापरियों पर उचित गणना की जाए तो बाघों की संख्या और बढ़ेगी।

गुवाहाटी स्टेशन और कामाख्या जंक्शन पर स्तनपान कक्ष स्थापित

गुवाहाटी (हिंस)। एक अगस्त से पूरे देश के साथ-साथ असम में भी विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके अनुरूप असम महिला और बाल विकास विभाग ने मां के दूध के लाभ और स्तनपान की आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक सराहनीय कदम उठाया है। असम महिला एवं बाल विकास विभाग ने गुवाहाटी रेलवे स्टेशन और कामाख्या जंक्शन पर स्तनपान कक्ष स्थापित किए हैं। सार्वजनिक स्थानों पर स्तनपान के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के उद्देश्य से गुवाहाटी और कामाख्या रेलवे स्टेशनों पर ये स्तनपान कक्ष स्थापित किए गए हैं। इनमें माताओं की निजता का पूरा ध्यान रखा जाएगा, जहां वे बिना किसी हिचकिचाहट के बच्चों को स्तनपान करा सकें। ये कमरे माताओं के लाभ के लिए आवश्यक सूचना सामग्री से लैस हैं। कमरे की दीवारों को सूचना, शिक्षा और संचार के विभिन्न संसाधनों पर जानकारी से भी सजाया गया है। जानकारी के अनुसार स्तनपान की आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए की गई इस अभिनव पहल पर असम महिला और बाल विकास विभाग मां और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य कल्याण को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। इस पहल के माध्यम से विभाग न केवल माताओं के बीच बल्कि पूरे समाज में स्तनपान की आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा करने की कोशिश कर रहा है।

जरूरतमंदों के बीच लायंस उमंग ने बांटे छाते, चप्पल व बोतल

फीड थे हंगर कार्यक्रम के तहत चार स्थानों पर गरीबों को कराया गया भजन

गुवाहाटी 4 अगस्त। मानव सेवा के कार्यों में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते आ रही लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से जरूरतमंद लोगों के बीच छाते, चप्पल, पानी की बोतलों का वितरण किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में पांच अलग-अलग परियोजनाएं की गई सबसे पहले भंगागढ़ स्थित जीएमसीएच में रोगियों के परिजनों के बीच तपती गर्मी को देखते हुए छाता, चप्पल व पानी की बोतलों का वितरण किया गया। इस कार्य को संपादित करने में सयोजिका काजल थर्ड का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वही लायंस जिला की वन डिस्ट्रिक्ट वन ऐक्टिविटी के अंतर्गत फीड द हंगर कार्यक्रम के तहत पूनम केजरीवाल व तृप्ति मोर की देखरेख में जीएमसीएच मे लोगों को भोजन कराया गया। क्लब की सदस्य रेनू अग्रवाल के संयोजन में बिरुबाड़ी स्थित पास नामक एनजीओ तथा रिहाबाड़ी स्थित ड्रीम होम डे केयर में सुख राशन उपलब्ध कराया गया। वही सुनीता अग्रवाल की देखरेख में बी बरुवा कैंसर हॉस्पिटल में रोगियों तथा उनके परिजनों के लिए पका पकाया भोजन उपलब्ध कराया गया। लायंस जिलापाल प्रथम श्रीमती सीमा गोयनका के मार्गदर्शन में इन सभी परियोजनाओं को संपादित करने में क्लब की अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाति चौधरी, रेनू अग्रवाल, पूनम केजरीवाल, काजल थर्ड, सुचिता मोजिका, सुनीता अग्रवाल, बबीता जालान आदि सदस्याओ का भरपूर सहयोग रहा।

राहुल गांधी की जीत देश के संविधान की जीत है : नबाम तुकी

ईटानगर (हिंस)। कांग्रेस पार्टी के अरुणाचल प्रदेश अध्यक्ष नबाम तुकी ने आज कहा कि मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की जीत देश के संविधान की जीत है। वह यहां कांग्रेस भवन, ईटानगर में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए यहां प्रदेश कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने पटाखे जलाकर जश्न मनाया और मिठाइयां बांटी। सुप्रीम कोर्ट ने आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मोदी उपनाम वाली टिप्पणी पर मानहानि मामले में उनकी सजा पर रोक लगा दी। इसकी चर्चा करते हुए नबाम तुकी ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी को केस से तो राहत मिल गई, जो देश के संविधान, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र की जीत भी है और देश के लिए बड़ी राहत भी। उन्होंने आगे कहा कि इससे यह और साबित हो गया कि सच्चाई की हमेशा जीत होती है। उन्होंने कहा कि राज्य में नफरत की बाजार में मोहब्बत की दुकान खुल रही है। राहुल गांधी को गुजरात की एक स्थानीय अदालत ने 2019 में मोदी उपनाम के बारे में की गई उनकी टिप्पणियों के लिए दो साल की जेल की सजा सुनाई थी।

रंगिया : स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ओपन ग्रुप डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा

रंगिया (विभास)। स्वतंत्रता दिवस, 2023 के उपलक्ष्य में रंगिया महकमा प्रशासन द्वारा ओपन ग्रुप डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। महकमा स्तरीय यह प्रतियोगिता सभी के लिए खुली रहेगी। बताया गया है कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले समूह में सदस्यों/प्रतिभागियों की न्यूनतम संख्या 20 (बीस) का होना अनिवार्य है। प्रत्येक नृत्य प्रदर्शन के लिए समय: अधिकतम 5 मिनट दिया जाएगा और पारंपरिक एवं लोक नृत्य को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रदर्शन का विषय: देशभक्ति से सम्बंधित रहेगा। नृत्य के लिए संगीत लाइव/रिकॉर्ड किया जा सकता है। प्रतिभागियों को अपना खुद का संगीत पेन-ड्राइव या अन्य उपकरण में लाना होगा। प्रत्येक समूह के साथ एक अभिभावक/पर्यवेक्षक होना जरूरी होगा। प्रतिभागियों को केवल रंगिया महकमा के अंतर्गत होना पड़ेगा तथा प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए प्रतिभागियों को पते का प्रमाण/स्कूल आईडी/स्कूल से प्रमाण पत्र आदि लाना होगा। प्रतियोगिता में भागीदारी पहले आओ पहले मौका के आधार पर है।

मंत्री पीयूष ने की जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के जल संसाधन एवं सूचना और प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने जनता भवन स्थित अपने कार्यालय में आज जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित किया। जल संसाधन विभाग के चल रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस बैठक में तटबंध की विभिन्न योजनाओं के तहत निर्माण की लागत और चालू वर्ष में स्थायी रूप से किए जाने वाले अन्य सुरक्षा उपायों पर चर्चा की गई। इस दौरान तटबंध के और अधिक व्यापक निर्माण पर विशेष जोर दिए जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही मंत्री ने कहा कि तटबंध का निर्माण उन स्थानों पर किया जाए जहां पिछले दो वर्षों के मानसून में पानी बह गया था। उन्होंने कहा कि तटबंध न केवल क्षेत्रों की रक्षा करते हैं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उदाहरण के लिए, लाहरीघाट में तटबंध और स्लुइस गेट के निर्माण ने मोरीगांव जिले के विशाल क्षेत्रों के लोगों के लिए खेती को आसान बना दिया है और गंभीर बाढ़ की चिंता से

भी राहत मिली है। इसी तरह, माजुली में बने लगभग नौ किलोमीटर लंबे तटबंध ने एक बड़े क्षेत्र में कृषि को चालू कर दिया है। उन्होंने निर्देश दिया कि विभाग को क्षेत्रों के आर्थिक विकास को ध्यान में रखते हुए बांध और स्लुइस गेट के निर्माण के लिए परियोजनाएं तैयार करना होगा। मंत्री ने आज की बैठक में उपस्थित जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंताओं एवं अन्य अभियंताओं को निर्देश दिया है कि लागत का सटीक प्राक्कलन तैयार कर सभी कार्यों का निर्माण गुणवत्तापूर्ण एवं वैज्ञानिक तरीके से किया जाए ताकि बांध के आसपास के क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक पहलुओं पर सकारात्मक प्रभाव पड़े।

मिशन इंद्रधनुष 5.0 की मीडिया संवेदनशीलता पर एक कार्यशाला आयोजित

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले के अतिरिक्त आयुक्त कमल बरुवा की अध्यक्षता में कामरूप जिले के संयुक्त स्वास्थ्य सेवाओं के संचालक डॉ. एम बनर्जी की उपस्थिति में व्यापक मिशन इंद्रधनुष 5.0 की मीडिया संवेदनशीलता पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में मीडिया को संबोधित करते हुए अतिरिक्त आयुक्त (स्वास्थ्य) कमल बरुवा ने कहा कि समूचे भारतवर्ष के साथ कामरूप जिले में भी आगामी 7 अगस्त से शुरू होने वाले व्यापक मिशन इंद्रधनुष 5.0 के लिए प्रारंभिक तैयारियां जिले के प्रत्येक गांवों जिला प्रशासन और जिला स्वास्थ्य विभाग पूरी कर ली गई है। इससे जन्म से लेकर 5 वर्ष तक के सभी बच्चों का पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि आईएमआई 5.0 अभियान भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसमें टीडी के टीकाकरण से चूक गई गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ 0 से 5 वर्ष की आयु के सभी

बच्चों को शामिल किया जाएगा। इस अभियान का पहला चरण 7 अगस्त से 12 अगस्त तक, दूसरा चरण 11 सितंबर से 16 सितंबर तक और तीसरा चरण 9 से 14 अक्तूबर तक चलाया जाएगा। अतिरिक्त आयुक्त ने यह भी कहा कि कामरूप जिले में व्यापक मिशन इंद्रधनुष 5.0 का शुभारंभ हाहिम (बोको) राज्य अस्पताल में शुरू किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक लाभार्थी के नाम यू-विन पोर्टल के माध्यम से पंजीकृत किए जाएंगे। अतिरिक्त आयुक्त ने सभी पत्रकारों से व्यापक मिशन इंद्रधनुष 5.0 को सफल बनाने में सहयोग करने का आग्रह किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. जुगल चंद्र दास ने कहा कि आईएमआई 5.0 का उद्देश्य विभिन्न कारणों से वंचित गर्भवती महिलाओं और बच्चों की पहचान करके और उन्हें टीकाकरण प्रदान करके बच्चों के कल्याण पर एक स्थायी सकारात्मक प्रभाव पैदा करना और एक मजबूत, स्वस्थ देश का निर्माण करना है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से विश्वसनीय जानकारी का प्रसार समुदायों को सशक्त बना सकता है, टीके की संकोच के विरुद्ध लड़ सकता है और एक स्वस्थ भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। यह सहयोगात्मक प्रयास सार्वजनिक स्वास्थ्य में शामिल लोगों के समर्पण और भावी पीढ़ियों के कल्याण की रक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का एक चमकदार प्रमाण है। चूंकि प्रमुख स्वास्थ्य कार्यकर्ता आईएमआई 5.0 में शामिल हैं। 5.0, यह स्पष्ट है कि उनके निरंतर प्रयास खसरा और रूबेला के उन्मूलन में महत्वपूर्ण योगदान देंगे, अंतत: सभी के सामूहिक प्रयासों के माध्यम से एक स्वस्थ भारत का निर्माण होगा। कार्यशाला में कामरूप जिले के पत्रकारों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

नाबालिग लड़की से छेड़खानी और मारपीट के आरोप में एक गिरफ्तार

गुवाहाटी। गुवाहाटी महानगर के वशिष्ठ थानांतर्गत बकरापाड़ा इलाके से एक युवक नाबालिक लड़की से छेड़छाड़ और उससे मारपीट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, भुक्तभोगी युवती के पिता के अनुसार राहुल आलम, उर्फ मौसम आलम आए दिन उनकी लड़की को स्कूल आने जाने के दौरान रास्ता रोक कर छेड़खानी करता था, क्लास 9 में पढ़ने वाली उनकी बेटी डर के मारे किसी को कुछ नहीं बताती थी, लेकिन आज जब आलम ने उसका हाथ पकड़ कर जबरदस्ती उसे उठाने ले जाने का प्रयास किया तो उसने हल्ला मचा दिया इससे गुस्सा हो कर आलम ने लड़की के मुंह पर कई बार प्रहार किया जिससे लड़की घायल हो गई और रोते हुए घर भाग कर घटना के बारे में अपने पिता को बताई जिसको लेकर घायल नाबालिक लड़की के पिता ने वशिष्ठ थाने में एक मामला दर्ज कराया, इतना बड़ा दिनदहाड़े अपराध करने के बावजूद आलम अपने दो साथियों के साथ भुक्तभोगी लड़की के घर के पास ही घूम रहा था जहां से पुलिस ने

उसे गिरफ्तार कर लिया, वही इलाके के लोगों का कहना है कि इस तरह के कुछ लड़के अपना असली नाम और पहचान छुपा कर भोली भाली कम उम्र लड़कियों को फांसते है और बाद में उनकी जिंदगी बर्बाद कर फिर किसी और को फसाने के अभियान में निकल पड़ते हैं ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें उचित सजा देना चाहिए जिससे लोगों में ऐसे अपराध के प्रति डर पैदा हो।

विश्वनाथ में मारवाड़ी सम्मेलन प्रदेश के केंद्रीय अध्यक्ष का पदापर्ण

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ चारिआलि के सुंदाराम महादेव घाईंगांव में मारवाड़ी सम्मेलन, विश्वनाथ चारिआलि शाखा के अस्थायी सभागृह में आज मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष केलाश कवाड़ का आगमन हुआ। इस मौके पर महिला और पुरुष शाखा के संयुक्त में एक बैठक बुलाई गई। जिसकी अध्यक्षता विश्वनाथ चारिआलि शाखा के अध्यक्ष छत्तर पवार सिंह ने की। जिसमें असम प्रदेश के अध्यक्ष केलाश कावड़ा का विश्वनाथ चारिआलि मारवाड़ी सम्मेलन ने स्वागत और अभिनंदन किया। इस सभा में मारवाड़ी सम्मेलन के विभिन्न सांगठनिक दिशा पर चर्चा हुई। जिसमें विश्वनाथ चारिआलि मारवाड़ी समाज के 115 घरों से संपर्क साधने, विश्वनाथ चारिआलि में मारवाड़ी सम्मेलन शाखा

के नाम से न्यास खोलने, बैंक खाता खोलने और श्याम बाबा भव्य मंदिर बनाने आदि पर विचार-विमर्श किया गया। इस मौके पर मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा के अध्यक्षा किरण भरतीया, उपाध्यक्ष अंकिता शर्मा, सचिव शिल्पी गोयनका, सह सचिव नीलू शर्मा, सलाहकार ऊषा तापड़िया, सदस्या रंजनी पारीक, कुसुम अग्रवाल, सुनीता पटवारी, संगीता पटवारी, निलम अग्रवाल, पुष्पा जोशी और मारवाड़ी सम्मेलन विश्वनाथ चारिआलि शाखा के अध्यक्ष छत्तर सिंह पवार, उपाध्यक्ष दिलीप शर्मा, सचिव संदीप अग्रवाल, सह सचिव जय गोयनका, सदस्य संजय अग्रवाल, अशोक शर्मा, सुनील तिवारी, दिपक शर्मा और मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम में भागीदारी करने वाले सभी को धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

शिवंग स्टेटर इंडिया का लक्ष्य है वर्ष में 2,50,000 पेड़-पौधे लगाना

गुवाहाटी (हिंस)। देश के अग्रणी निर्माण और कंक्रीटिंग उपकरण निर्माता में से एक, शिवंग स्टेटर इंडिया ने 2023 तक वैश्विक स्तर पर 2,50,000 पेड़ लगाने के लक्ष्य के साथ अपने स्थिरता अभियान, *गो ग्रीन विथ शिवंग* की शुरुआत की। यह पहल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है भारत में शिवंग स्टेटर की उपस्थिति की चल रही 25वीं वर्षगांठ का जश्न। भारत में दो स्थानों से शुरू होकर-इरुंगट्टुकोट्टई (तमिलनाडु) और गुवाहाटी (असम), यह हरित अभियान पूरे देश में फैलेगा, जिसमें वे क्षेत्र भी शामिल हैं जहां महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाएं सफलतापूर्वक लागू की गई हैं। *गो ग्रीन विथ शिवंग* पहल इरुंगट्टुकोट्टई वृक्षारोपण अभियान के साथ शुरू हुई, जिसके संचालन में शिवंग स्टेटर इंडिया के प्रबंध निदेशक वीजी शक्तिकुमार ने कुल 30,000 पेड़ पौधे लगाए। असम के गुवाहाटी में वृक्षारोपण अभियान के असम चैप्टर ने मुख्य अतिथियों, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, असम के अध्यक्ष अरूप कुमार मिश्रा और *द फॉरेस्ट मैन ऑफ इंडिया* के नाम

से प्रसिद्ध जादव पायेंग की अध्यक्षता में शुरुआती पौधे लगाए, जिससे इसकी शुरुआत हुई। बुनियादी ढांचा विकास क्षेत्र में एक अग्रणी शक्ति के रूप में, शिवंग ने अपनी अत्याधुनिक कंक्रीट और निर्माण मशीनरी के साथ देश की प्रगति को नया आकार देने के प्रयास किए हैं। कंपनी ने पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) सिद्धांतों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता अपनाई है। उन्होंने हरित ऊर्जा अपनाने की दिशा में समर्पित प्रयास किए हैं और इसके कार्बन पदचिह्न को काफी कम किया है। *गो ग्रीन विथ शिवंग* के साथ, कंपनी ने कर्मचारियों, ग्राहकों, व्यापार भागीदारों और डीलरों सहित कई हितधारकों को शामिल करके पुनर्वनीकरण को बढ़ावा देने और कार्बन पदचिह्न को कम करने की पहल की है। शिवंग स्टेटर इंडिया का लक्ष्य 2023 तक वैश्विक स्तर पर 2,50,000 पौधे लगाने का लक्ष्य हासिल करना है। इस अवसर पर बोलते हुए, शिवंग स्टेटर इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, वीजी शक्तिकुमार ने कहा कि जैसा कि हम 25 साल के होने की इस अविश्वसनीय यात्रा पर निकल रहे हैं, हम उन गतिविधियों में संलग्न रहना चाहते हैं जो स्थिरता और पर्यावरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। हमारा लक्ष्य एक हरित, अधिक टिकाऊ भविष्य के बीज बोना है। इस यात्रा में, हम युवा भारत के स्वयंसेवकों के प्रति बहुत आभारी हैं जो पूरे भारत के विभिन्न राज्यों में इस नेक काम के लिए अपना समर्थन देने के लिए साथ ही सीआईआई और बीएआई जलवायु परिवर्तन के लिए अथक प्रयास करते हैं। शिवंग स्टेटर इंडिया की ओर से 3 और 4 अगस्त 2023 को इरुंगट्टुकोट्टई और गुवाहाटी में कुल 75,000+ पौधे लगाए जाएंगे। शेष पौधे 2023 तक चरणबद्ध तरीके से विभिन्न स्थानों पर लगाए जाएंगे।

सशस्त्र बलों की मजबूती के लिए रक्षा मंत्री ने पेश किया विधेयक, लोकसभा में पारित

- यह बिल तीनों सेनाओं के बीच एकीकरण तथा संयुक्तता के लिहाज से महत्वपूर्ण कदम
- भविष्य की चुनौतियों का एकजुट और एकीकृत तरीके से मुकाबला कर सकेंगे सशस्त्र बल

नई दिल्ली, (हि.स.)। अंतर-सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) विधेयक-2023 लोकसभा में शुक्रवार को पारित हो गया। लोकसभा में विधेयक पेश करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सैन्य सुधारों की दिशा में यह विधेयक एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इसमें कोई अतिरिक्त वित्तीय प्रभाव सम्मिलित नहीं है। यह बिल दो महत्वपूर्ण मकसदों को एक साथ पूरा करता है। यह हमारे सशस्त्र बलों के तीनों अंगों के बीच एकीकरण तथा संयुक्तता की दिशा में बढ़ाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे वे भविष्य की चुनौतियों का एकजुट और एकीकृत तरीके से मुकाबला कर सकेंगे। लोकसभा में राजनाथ सिंह ने कहा कि यह बिल एक ऐसा वातावरण बनाने में भी मदद करेगा, जो हमारे अंतर सेवा संगठन में अनुशासन को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि यह बिल मौजूदा सेवा अधिनियमों में किसी भी बदलाव का प्रस्ताव नहीं करता है। यह बिल केंद्र सरकार को अंतर-सेवा संगठनों के गठन की घोषणा करने की भी शक्ति प्रदान करना प्रस्तावित करता है। 'स्टैंडिंग कमेटी ऑन डिफेंस' 2022-23 ने इस बिल में बिना किसी संशोधन के मंजूरी दे दी है। इसमें कोई अतिरिक्त वित्तीय प्रभाव सम्मिलित नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी अंतर-सेवा संगठनों के प्रमुखों के लिए संगठनों में अनुशासन बनाए रखना और उनकी प्रतिबद्धता

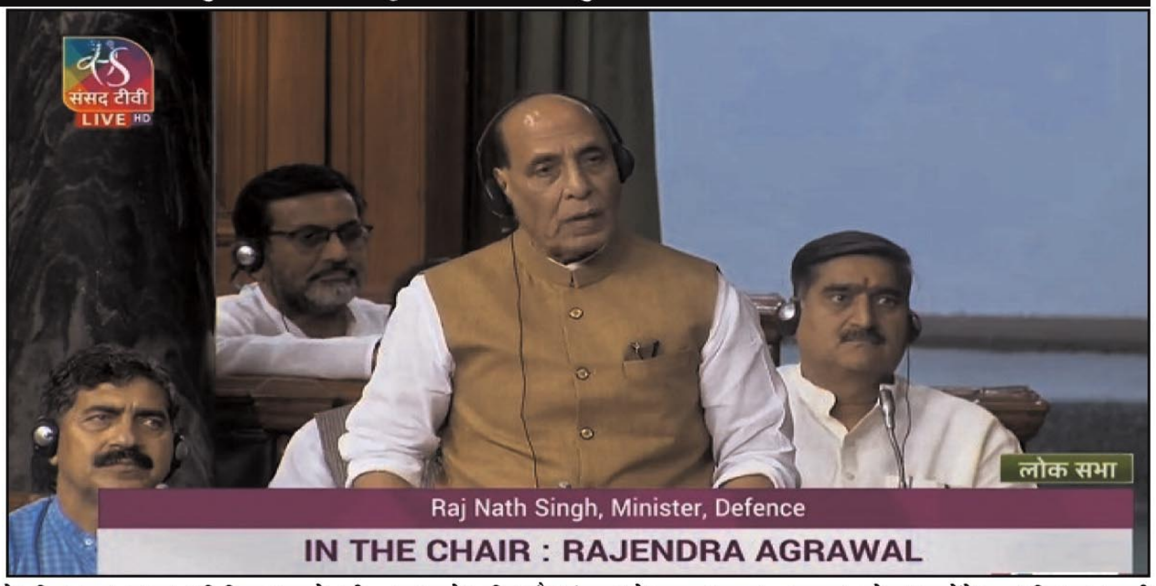

के लिए एक सक्षम अधिनियम बनाने की आवश्यकता महसूस की गई। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के कर्मी अपने संबंधित अधिनियम यानी सेना अधिनियम 1950, नौसेना अधिनियम 1957 और वायु सेना अधिनियम 1950 और उनके अंतर्गत बनाए गए नियम और कानून के अनुसार शासन करते हैं। अनुशासन सेना की आत्मा है। यह उनके चरित्र और संकल्प को मजबूत करता है। यह आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के साथ-साथ एक इकाई या प्रतिष्ठान के सैनिकों को एकजुट करने में भी मदद मिलती है। रक्षामंत्री ने कहा कि इस बिल में दो महत्वपूर्ण उद्देश्यों को एक साथ पूरा किया गया है। यह बिल एक ऐसा वातावरण बनाने में भी मदद करेगा, जो हमारे अंतर सेवा संगठन में अनुशासन को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि यह हमारी सशस्त्र सेनाओं के बीच एकता और संयुक्तता की दिशा को मजबूत करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे वे भविष्य की नींव को एकजुट और संगठित तरीकों से मुकाबला कर सकें। यह एक ऐसा माहौल बनाने में भी मदद करना चाहता है, जो हमारे अंतर-सेवा संगठनों में निर्देश को मजबूत करना चाहता है।

मोदी सरनेम मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की सजा पर लगाई रोक, कांग्रेस में खुशी का माहौल

अजय त्यागी

नई दिल्ली। मोदी सरनेम मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राहुल गांधी की सजा पर रोक लगा दी है। जिसके बाद कांग्रेस में खुशी का माहौल है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व लोकसभा सांसद अधीर रंजन चौधरी ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा की साजिश आज नाकाम हो गई है। यह हमारी बड़ी जीत है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर वह लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखेंगे और हालात से अवगत कराएंगे। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा कि राहुल गांधी भाजपा से डरने वाले नहीं हैं। वह अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सत्य और न्याय की जीत है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद करते हुए कहा कि गौतम

बुद्ध ने कहा था कि तीन चीजें (सूर्य, चंद्रमा और सत्य) देर तक नहीं छुप सकते हैं।

यह सत्य की जीत है। उल्लेखनीय है कि मोदी सरनेम मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की सजा पर रोक लगा दी है। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि सूरत की निचली अदालत ने अधिकतम सजा देकर गलती की है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश का मतलब ये है कि राहुल गांधी की संसद सदस्यता दोबारा बहाल होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस केस में अधिकतम सजा (2 साल) होने के चलते राहुल की सदस्यता गई, पर निचली अदालत के जज ने फैसले में ये साफ नहीं किया कि अधिकतम सजा तय करने की वजह क्या है?

मणिपुर मुद्दे पर चर्चा से भाग रही है मोदी सरकार : जयराम रमेश

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि सत्ता पक्ष संसद में मणिपुर मुद्दे पर चर्चा से भाग रही है जबकि विपक्ष मामले पर हर हाल में चर्चा चाहता है। इसके लिए साझा प्रयास जारी है। रमेश ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि कल विपक्षी दलों के संगठन (इंडिया) ने सरकार के साथ बैठकर मणिपुर मुद्दे पर चर्चा के लिए बातचीत की और नियम 167 के तहत चर्चा को लेकर सहमति भी बनी। विपक्षी सांसदों का कहना था कि राज्यसभा में मणिपुर मुद्दे पर तुरंत चर्चा शुरू

कराई जाए। इसके बावजूद सत्ता पक्ष के रवैये को देखकर लगता है कि वह इस मुद्दे पर संवाद करना ही नहीं चाहता है। रमेश ने कहा कि एक ओर तो मोदी सरकार नियम 167 के तहत चर्चा को लेकर सहमति दिखाती है और दूसरी और चर्चा तुरंत शुरू कराने की बजाय 11 अगस्त को चर्चा का समय तय करवाना चाहती। रमेश ने कहा कि विपक्ष का मत है कि मामले पर गतिरोध खत्म कर चर्चा हो लेकिन सत्ता पक्ष के इरादे कुछ और ही हैं। उन्होंने कहा कि कल की बातचीत के बाद वास्तव में चर्चा आज होनी चाहिए थी, जिसके लिए इंडिया पक्ष तैयार है। यदि आज नहीं तो जल्द से जल्द सोमवार या मंगलवार को चर्चा होनी ही चाहिए।

जुमे की नमाज के चलते कुछ देर के लिए ज्ञानवापी परिसर में एएसआई सर्वे रोका गया

वाराणसी, (हि.स.)। इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश के बाद शुक्रवार को ज्ञानवापी परिसर स्थित सील वजूखाने को छोड़कर अन्य हिस्से का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम सर्वे कर रही है। मस्जिद में जुमे की नमाज को देखते हुए मस्जिद परिसर और आसपास सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। जिला प्रशासन ने सर्वे के बीच जुमे की नमाज को सकुशल सम्पन्न कराने के कार्य को चुनौती के रूप में लिया है। नमाज के दौरान सुरक्षा कारणों से कुछ देर के लिए एएसआई टीम के सर्वे को रोक दिया गया है। अपराह्न 02 बजे के बाद फिर सर्वे कार्य शुरू हो जाएगा। जिलाधिकारी एस.राजलिंगम और पुलिस आयुक्त मुथा अशोक जैन सुरक्षा व्यवस्था की कमान थाम खुद इसकी निगरानी कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार एएसआई टीम ज्ञानवापी क्षेत्र को चार भागों में बांट कर सर्वे कर

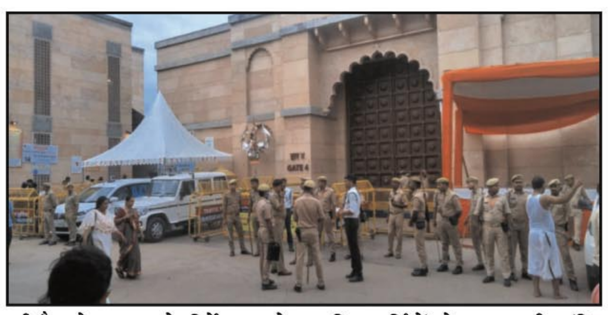

रही है। प्रदेश शासन के निर्देश पर पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगा दिए गए हैं। सर्वे टीम सबसे ज्यादा ज्ञानवापी के पश्चिमी दीवार की जानकारी जुटाने में लगी हुई है। उधर, सुरक्षा कारणों से मैदागिन से गोदौलिया तक बैरिकेडिंग कर इस क्षेत्र में वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दिया गया है। केवल पैदल राहगीर और दर्शनार्थियों को ही काशी विश्वनाथ मंदिर की ओर जाने दिया जा रहा था। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों के साथ ही मंदिर प्रबंधन के कर्मियों के मोबाइल भी जमा कराए गए हैं। एएसआई के सर्वे में साफ हो जाएगा कि ज्ञानवापी मस्जिद का निर्माण पहले से मौजूद मंदिर की संरचना के ऊपर किया गया है कि नहीं, मस्जिद के पश्चिमी दीवार की उम्र और प्रकृति की जांच के साथ तीन गुंबदों के ठीक नीचे सर्वे, सभी तहखानों की जांच होगी। इमारत की उम्र, निर्माण की प्रकृति का पता लग सकेगा।

5, 12 अगस्त को नहीं होगा 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह : राष्ट्रपति भवन

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस समारोह के पूर्वाभ्यास के कारण 5 और 12 अगस्त को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में गार्डों की अदला-बदली (चेंज ऑफ गार्ड) का समारोह नहीं होगा। राष्ट्रपति भवन ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह की रिहर्सल के कारण 5 अगस्त और 12 अगस्त को चेंज ऑफ गार्ड समारोह नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि गार्ड अदला-बदली समारोह एक सैन्य परंपरा है, जो हर सप्ताह राष्ट्रपति के अंगरक्षकों के एक

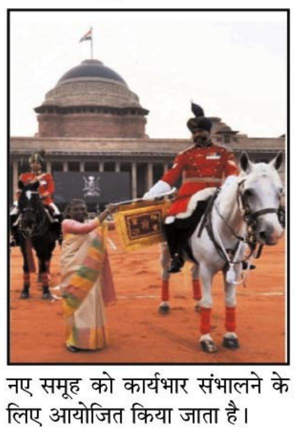

नए समूह को कार्यभार संभालने के लिए आयोजित किया जाता है।

देश को भ्रमित करने का काम कर रहा है विपक्ष : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली विधेयक पर विपक्षी दल अपना रुख सामने नहीं रख सके। साफ है कि अब तक विपक्ष ने देश की जनता को भ्रमित करने का काम किया है। विपक्ष के सुरताल अलग होने के कारण संसद के 15 दिन बर्बाद हुए हैं।

दिल्ली विधेयक पर एकजुट होकर संसद में आए लेकिन मणिपुर पर चर्चा करने में विपक्ष को रुचि नहीं है। शुक्रवार को संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि विपक्ष ने

संसद का समय बर्बाद किया है। देश का पैसा बर्बाद किया है। पहले दिन से तय था कि मणिपुर पर चर्चा होगी। इसके बावजूद विपक्ष क्यों भाग रहा है? ऐसा इसलिए है, क्योंकि विपक्ष के पास कोई तर्क या तथ्य नहीं है।

508 रेलवे स्टेशनों को मिलेगा नया रूप, प्रधानमंत्री 6 अगस्त को करेंगे योजना की शुरूआत

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 6 अगस्त को सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश भर के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखेंगे। ये स्टेशन 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले हुए हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि देश भर में 1309 स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई थी। इस योजना के तहत प्रधानमंत्री द्वारा 508 स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी जा रही है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 24,470 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाएगा। ये 508 स्टेशन 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले हुए हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 55-55 स्टेशन, बिहार में 49, महाराष्ट्र में 44, पश्चिम बंगाल में 37, मध्य प्रदेश में 34, असम में 32, ओडिशा में 25, पंजाब में 22, गुजरात और तेलंगाना में 21-21, झारखंड में 20, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में 18-18, हरियाणा में 15 और कर्नाटक में 13, चंडीगढ़ में 8, केरल में 5, दिल्ली, त्रिपुरा, जम्मू और कश्मीर तथा उत्तराखंड में 3-3 जबकि हिमाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड और पुदुचेरी में 1-1 स्टेशन शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि शहर के दोनों किनारों के उचित एकीकरण के साथ इन स्टेशनों को 'सिटी सेंटर' के रूप में विकसित करने के लिए मास्टर प्लान तैयार किए जा रहे हैं। यह एकीकृत दृष्टिकोण रेलवे स्टेशन के आसपास केंद्रित शहर के समग्र शहरी विकास की समग्र दृष्टि से प्रेरित है। स्टेशन भवनों का डिजाइन स्थानीय संस्कृति, विरासत और वास्तुकला से प्रेरित होगा।

यासीन मलिक की वीडियो कान्फ्रेंसिंग से पेशी के लिए दिल्ली हाई कोर्ट की हरी झंडी

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने अलगाववादी नेता यासीन मलिक की कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेशी की अनुमति दे दी है। जस्टिस सिद्धार्थ मृदुल की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिया। तिहाड़ जेल प्रशासन ने व्यक्तिगत पेश करने के हाई कोर्ट के पूर्व के आदेश में संशोधन की मांग की थी। तिहाड़ जेल प्रशासन ने सुरक्षा कारणों का हवाला देकर यासीन मलिक की व्यक्तिगत तौर पर दिल्ली हाई कोर्ट में पेशी के आदेश में संशोधन किए जाने की मांग करते हुए अर्जी दाखिल की थी। दरअसल, हाई कोर्ट ने 29 मई को अपने आदेश में यासीन मलिक के खिलाफ प्रोडक्शन वारंट जारी किया था। हाई कोर्ट ने 9 अगस्त को यासीन मलिक को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया था। यासीन मलिक फिलहाल तिहाड़ जेल में टेरर फंडिंग के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है। एनआईए ने

हाई कोर्ट से यासीन मलिक की फांसी की सजा की मांग की है। 25 मई 2022 को पटियाला हाउस कोर्ट ने हत्या और टेरर फंडिंग के मामले में दोषी करार दिए गए यासीन मलिक को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। पटियाला हाउस कोर्ट ने यासीन मलिक पर यूएपीए की धारा 17 के तहत उम्रकैद और 10 लाख रुपये का जुमार्ना, धारा 18 के तहत 10 साल की कैद और 10 हजार रुपये का जुमार्ना, धारा 20 के तहत 10 वर्ष की सजा और 10 हजार रुपये का जुमार्ना, धारा 38 और 39 के तहत पांच साल की सजा और पांच हजार रुपये का जुमार्ना लगाया था। कोर्ट ने यासीन मलिक पर भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी के तहत 10 वर्ष की सजा और 10 हजार रुपये का जुमार्ना, धारा 121ए के तहत 10 साल की सजा और 10 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया था। कोर्ट ने कहा था कि यासीन मलिक को मिली ये सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। इसका मतलब की अधिकतम उम्रकैद की सजा और 10 लाख रुपये की सजा प्रभावी होगी।

बारिश से अब तक 6536 करोड़ की सरकारी संपत्तियों को नुकसान, 774 घर गिरे, 199 की मौत

हिमाचल के मैदानी व पहाड़ी क्षेत्रों में अगले तीन दिन के लिए बारिश का येलो अलर्ट

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में मानसून ने जमकर तबाही मचायी। अभी भी बारिश का प्रकोप थमा नहीं है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। वर्षाजनित हादसों में सैकड़ों रिहायशी मकान, दुकान और पशुशालाएं ध्वस्त हुईं हैं। इस वर्ष बारिश जनित घटनाओं में 6536 करोड़ का सरकारी संपत्तियों को नुकसान हुआ है, जबकि राज्य में 774 घर गिरे और 199 लोगों की मौत हुई है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की

रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में 24 जून को दस्तक देने के बाद मानसून ने जमकर कहर बरपाया है। इस सीजन में अब तक प्रदेश के 79 स्थानों पर भूस्खलन हुआ, जबकि 53 स्थानों पर बाढ़ आई। भूस्खलन व बाढ़ की वजह से 774 घर, 254 दुकानें और 2337 पशुशालाएं पूरी तरह ध्वस्त हो गईं। इसके अलावा 7317 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि मानसून सीजन में बारिश से जुड़े विभिन्न हादसों में 199 लोगों की जान जा चुकी है और 229 लोग घायल हुए, जबकि 31 लोग लापता हैं। भूस्खलन व बाढ़ की चपेट में आने से 57 लोग मारे गए। सैलाब में बहने, पहाड़ी से फिसलकर गिरने, सड़क दुर्घटनाओं इत्यादि में 142 लोगों की मौत हुई है। जिलावार मौत के आंकड़ों पर नजर डालें तो शिमला में सबसे ज्यादा 44 लोगों की मौत हुई। इसके अलावा कुल्लू में 42, चंबा में 19, मंडी में 15, कांगड़ा व सोलन में 14-14, सिरमौर व उना में 11-11, हमीरपुर में 10, बिलासपुर व किन्नौर में नौ-नौ और लाहौल-स्पीति में एक व्यक्ति की जान गई। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार मानसून सीजन में विभिन्न सरकारी विभागों को 6536 करोड़ का नुकसान आंका गया है। लोकनिर्माण विभाग को सर्वाधिक 2041 करोड़ का नुकसान हुआ है। जलशक्ति विभाग को 1629 करोड़ और बिजली बोर्ड को 1505 करोड़ की क्षति पहुंची।

दिल्ली की महिलाओं ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर घर के सपने को साकार करने के लिए धन्यवाद दिया

अजय कुमार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को ट्वीट कर बताया कि वे दिल्ली के कालकाजी इलाके में 'जहां झुग्गी वहीं मकान' योजना के तहत पक्के मकान आवंटित किए गए लाभार्थियों द्वारा उन्हें लिखे गए पत्रों से अभिभूत हैं। महिलाओं ने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर को पत्र सौंपा, जो उनसे मिलने आए थे। लाभार्थियों ने अपनी खुशी व्यक्त की और उनके सपने को साकार करने और योजना के माध्यम से उनके जीवन को आसान बनाने में मदद करने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री ने गरीबों के कल्याण के लिए काम करते रहने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, दिल्ली के कालकाजी की उन

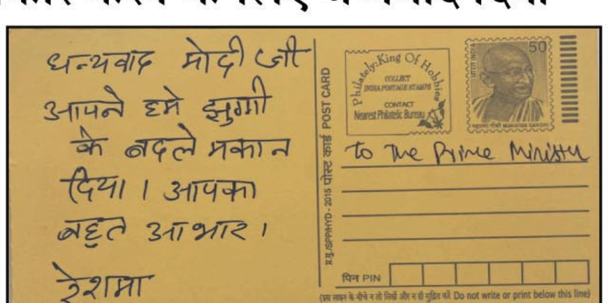

माताओं और बहनों के पत्रों को पाकर अभिभूत हूं, जिन्हें जहां झुग्गी वहीं मकान स्कीम के तहत पक्के घर मिले हैं। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर जी जब वहां गए तो महिलाओं ने ये पत्र उन्हें सौंपे, जिनमें उन्होंने अपनी खुशी जाहिर की है। वे बताती हैं कि कैसे इस स्कीम के जरिए उनका वर्षों पुराना सपना साकार हुआ है और पूरे परिवार का जीवन आसान बना है। पत्रों के लिए आप सभी का बहुत-बहुत आभार! हमारी सरकार गरीबों के कल्याण के लिए यूं ही प्रतिबद्ध होकर काम करती रहेगी।

भारतीय वायु सेना ने ली इजरायली स्पाइक एटीजीएम, हेलीकॉप्टरों से होगा परीक्षण

- जमीनी, विमानन और समुद्री प्लेटफार्मों के साथ एकीकरण करने में सक्षम
- इजरायल के अलावा अन्य 38 देश कर रहे हैं स्पाइक मिसाइलों का उपयोग

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय वायु सेना ने परीक्षण के लिए कुछ मात्रा में इजरायली स्पाइक एनएलओएस एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (एटीजीएम) की डिलीवरी ली है। फायरिंग परीक्षणों के लिए इसे एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर के साथ एकीकृत किया जाएगा। बाद में इसे अन्य भारतीय अटैक हेलीकॉप्टरों पर भी लैस किए जाने की योजना है। स्पाइक एनएलओएस जमीनी, विमानन और समुद्री प्लेटफार्मों के साथ एकीकरण करने में सक्षम है। इजरायली स्पाइक एनएलओएस एक बहुउद्देशीय, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल/इन्फ्रारेड मिसाइल प्रणाली है। फिलहाल इसकी रेंज 32 किलोमीटर है, इसलिए भारतीय सेनाएं इसे "मेक इन इंडिया" के जरिए बड़ी मात्रा में चाहती हैं। स्पाइक एनएलओएस को जमीन, विमानन या समुद्री प्लेटफार्मों के साथ एकीकृत किया जा सकता है, जबकि ऑपरेटर दूर के या भौगोलिक रूप से छिपे हुए

लक्ष्यों पर लाइन-ऑफ-विजन के बिना हमला करने की अपनी स्टैंड-ऑफ क्षमता का लाभ उठा सकते हैं। इजरायली स्पाइक का वायरलेस डेटा लिंक ऑपरेटरों को मिसाइल की उड़ान के दौरान वास्तविक समय की वीडियो इमेजरी और मैन-इन-द-लूप नियंत्रण प्रदान करता है। यह ऑपरेटरों को लक्ष्य के रास्ते में मिशन को बदलने या निरस्त करने का भी मौका देता है।

एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (एटीजीएम) के स्पाइक परिवार को इजरायल स्थित रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स ने विकसित किया है। राफेल ने दुनिया भर में 30 हजार से अधिक स्पाइक मिसाइलें बेची हैं, जिन्हें 45 से अधिक विभिन्न प्लेटफार्मों से लॉन्च किया जा सकता है। ये इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल (ईओ) और फाइबर-ऑप्टिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने वाली हल्की "दागो और भूल जाओ" सामरिक निर्देशित मिसाइलें हैं। सिस्टम का उपयोग पैदल सैनिकों, विशेष तीव्र प्रतिक्रिया बलों, जमीनी बलों और हेलीकॉप्टर से किया जाता है। स्पाइक मिसाइलों का उपयोग इजरायल के अलावा अन्य 38 देशों के रक्षा बल कर रहे हैं, जिनमें लातविया, स्लोवेनिया, स्लोवाकिया, यूके, फिलीपींस, सिंगापुर, नीदरलैंड, रोमानिया, चिली, कोलंबिया, फिनलैंड, जर्मनी, पोलैंड, इटली, पेरू, स्पेन, बेल्जियम, ब्राजील, कनाडा, इक्वाडोर, एस्टोनिया और लिथुआनिया शामिल हैं।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए बेटियों का करायें एचपीवी टीकाकरण : राज्यपाल

पेंटिंग के माध्यम से कैंसर उन्मूलन हेतु जागरूकता का हो प्रसार

टीकाकरण के साथ-साथ पौष्टिक आहार व नियमित व्यायाम आवश्यक

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाध्यक्ष आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के प्रति जागरूकता तथा एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए बेटियों का एचपीवी टीकाकरण अवश्य करायें। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन सिर्फ टीकाकरण से ही नहीं, बल्कि उत्तम व्यवहार, पौष्टिक खानपान व नियमित व्यायाम से संभव है। इसलिए बेटियों के खान पान का ध्यान रखा जाना आवश्यक है, क्योंकि वे आने वाले समय में मां बनेगी। उन्हें पौष्टिक भोजन दिया जाना चाहिए। आनंदीबेन पटेल ने अपने हालिया जालौन और हमीरपुर प्रवास के जिला चिकित्सालय निरीक्षण के अनुभव साझा करते हुए कहा कि वर्तमान समय में नवजात शिशुओं का कम वजन चिन्ता का विषय है, उस पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। राज्यपाल ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की शिक्षिकाओं को सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम तथा एचपीवी टीकाकरण संबंधी जागरूकता पोस्टर व छात्राओं को इस संदर्भ में जागरूकता पुस्तिका व पोषण आहार का वितरण किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने राज्यपाल द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए अभिनव प्रयासों की सराहना भी की और सर्वाइकल कैंसर व एचपीवी टीकाकरण हेतु सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश में महिला कैंसर देखभाल की गुणवत्ता व स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने हेतु जॉन्स हॉपकिन्स प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल एजुकेशन इन गायनेकोलॉजी एण्ड आब्सटेट्रिक्स, कार्पोरेशन इण्डिया तथा डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ के बीच समझौते पत्र पर हस्ताक्षर किया गया। इस अवसर पर राज्यमंत्री संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण उत्तर प्रदेश मयंकेश्वर शरण सिंह, निदेशक, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान डॉ. सोनिया नित्यानंद व मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. ए.के. सिंह उपस्थित रहे।

योजक बनकर कार्य करें शोधार्थी, आपके थोड़े प्रयास से उठ खड़ा होगा समाज : मुख्यमंत्री

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोकभवन में मुख्यमंत्री फेलोशिप कार्यक्रम के तहत 100 आकांक्षात्मक विकासखण्डों में कार्यरत शोधार्थियों से संवाद, आकांक्षात्मक विकासखण्डों की प्रगति पुस्तिका का विमोचन, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आकांक्षात्मक विकासखण्डों को प्रोत्साहन राशि का वितरण किया। इस मौके पर वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, मुख्य सचिव दुगार्शंकर मिश्र समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना के अंतर्गत प्रदेश के आकांक्षात्मक विकासखंडों में कार्य कर रहे शोधार्थी स्वयं को योजक के रूप में मानकर पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करें। देखें कि आपके विकासखंडों में शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, महिला और इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में कैसे बेहतरीन कार्य किया जा सकता है। जो शोधार्थी अपने तीन साल का टेन्योर मेहनत और प्रतिबद्धता के साथ पूरा करेगा व बेहतरीन शोध प्रबंधन लिखकर प्रस्तुत करेगा, सरकार की ओर से उसे एज रिलेक्सेशन के साथ सरकारी नौकरी में भी वेटेज प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2018 में नीति आयोग ने देश के 112 जनपदों को आकांक्षात्मक जनपद के रूप में चयनित किया था। इनमें उत्तर प्रदेश के आठ जिले, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, चंदौली, सोनभद्र, चित्रकूट और फतेहपुर जनपद शामिल किये गये। यह वे जनपद थे जो विकास की मुख्य धारा से पीछे छूट गये थे। प्रदेश के सभी 08 जनपद देश के 112 आकांक्षात्मक जनपदों की लिस्ट में भी सर्वाधिक पिछड़े स्थान पर थे। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और जल संसाधन, रोजगार, स्किल डेवलपमेंट, फाइनेंशियल इन्क्लूजन और इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में ये जिले पिछड़े थे। मगर आज हमारे 08 में से 04 जनपद देश के टॉप 10 आकांक्षात्मक जनपद में जबकि, टॉप 20 में सभी हमारे सभी 08 जनपद शामिल हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के विकास की धुरी गांव हैं। ग्रामीण व्यवस्था जितना आत्मनिर्भर होगी, देश और प्रदेश भी उसी अनुपात में आत्मनिर्भर होगा। उन्होंने कहा कि न तो हमारे पास फंड की कमी है और न ही मैन पॉवर की। हमारे शोधार्थी जोकि तीन साल के लिए फेलोशिप पर अपने अपने विकासखंडों में कार्य कर रहे हैं वे योजक बनकर कार्य करें। यह सुनिश्चित करें कि हम सरकार की योजनाओं को कैसे जनता के साथ जोड़ सकते हैं। सभी शोधार्थी एक लक्ष्य लेकर चलें कि जबतक उनके फेलोशिप का टेन्योर खत्म हो तबतक उनका ब्लॉक सर्व शिक्षा अभियान में शत प्रतिशत हो, उनका ब्लॉक टीबी मुक्त हो चुका हो। इसके साथ ही किसानों से जुड़ी योजनाओं की जानकारी और महिला एवं बालिकाओं से जुड़ी सरकारी स्कीम भी जनता के बीच लेकर जाएं और योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चों के स्कूल जाने, बेटियों को कन्या सुमंगला योजना का लाभ मिलने, किसान सम्मान निधि और फसल बीमा योजना पर काम करें। आपके विकासखंड में पर्यटन की क्या संभावनाएं हो सकती हैं, स्वच्छता को लेकर लोगों में जागरूकता, बेहतर कनेक्टिविटी और इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी आवश्यकताओं को भी शासन के अधिकारियों को अवगत कराएं। प्रयास करें कि हर महीने आप 30 ग्राम पंचायतों का दौरा करें और अपनी रिपोर्ट तैयार करें। मुख्यमंत्री ने शोधार्थियों से कहा कि अपने विकास खंडों को प्रदेश के सामान्य ब्लॉकों की श्रेणी में लाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ मेहनत करें, ये आपके लिए एक बड़ा अवसर है। इस कार्य में मदद के लिए आप सभी अपने मुख्य विकास अधिकारी और खंड विकास अधिकारी के साथ मिलकर अपने जमीनी अनुभवों को साझा करें। इस दौरान मुख्यमंत्री ने संभल की रुचि राठौर, लखीमपुर खीरी से सुरेन्द्र कुमार दीक्षित, बस्ती के शिवकुमार, बाराबंकी से डॉ. रुचि अवस्थी, बिजनौर से मोनिका और नसीबा देवी से संवाद किया और उनके द्वारा अपने अपने आकांक्षात्मक विकास खंडों में किये गये सराहनीय कार्यों के बारे में जाना। मुख्यमंत्री ने इस दौरान ओवरऑल डेल्टा रैंकिंग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए कुशीनगर के विशुनपुरा ब्लॉक को दो करोड़ की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। इसके अलावा बरेली के मझगांवां ब्लॉक, बदायू के वजीरगंज ब्लॉक, अंबेडकरनगर के भीटी ब्लॉक, बरेली के फतेहगंज ब्लॉक और बलिया के सोहांव ब्लॉक को 60-60 लाख की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। उन्होंने आकांक्षात्मक विकास खंडों की प्रगति पुस्तिका 'वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23' का विमोचन भी किया।

देश और उप्र में 25 वर्ष तक खिलता रहेगा कमल : केशव प्रसाद मौर्य

मऊ, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में चल रही देश और उत्तर प्रदेश की सरकार गरीब, किसान और महिलाओं के लिए समर्पित है। गांव, गरीब, किसान और महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं की समीक्षा ही नहीं बल्कि उन पर क्रियान्वयन भी करवाया जा रहा है। आने वाली 25 वर्षों तक देश-प्रदेश में भाजपा की सरकार रहेगी। यह बातें शुक्रवार को मऊ जनपद भ्रमण व समीक्षा बैठक के दौरान पत्रकारों को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कही। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों को चेक व आवास के चाबी भी प्रदान किया। उन्होंने कहा कि मऊ जनपद में समस्याओं का अंबार बना हुआ था, जिसे आज भ्रमण करने के दौरान कार्यकताओं द्वारा पता चला। जिसके निदान के बाबत संबंधित अधिकारियों को निर्देश दे दिए गए। जल्द ही उनका निराकरण कर दिया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने सरकार के कार्यों का बखान करते हुए कहा कि राशन, चिकित्सा की पूरी व्यवस्था दुरुस्त है। सभी गरीबों का शत प्रतिशत कार्ड व आयुष्मान चिकित्सा कार्ड बन चुका है। जिससे उनका इलाज आसानी से संभव हो सकेगा। जनपद में बिजली व्यवस्था की काफी शिकायतें प्राप्त हुईं। संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए एक सप्ताह का समय दिया गया। इस दौरान सभी कमियां पूरी कर ली जाएंगी। जहां ट्रांसफार्मर की आवश्यकता होगी वहां ट्रांसफार्मर बदल दिया जाएगा लेकिन किसी भी सूरत में एक सप्ताह से अधिक समय नहीं लगेगा। नहरों में टेल तक पानी की उपलब्धता रहेगी जिससे किसानों को पानी प्राप्त हो सके। तमाम शिकायतों के जिले स्तर से लेकर शासन की प्राथमिकताएं तय कर दी गई हैं। समस्याएं जिले से निदान किया जाएगा शेष शासन को प्रेषित किया जाएगा। जिले में 52 पशु आश्रय स्थल बने हैं। इसके बावजूद कहीं लावारिस पशु हैं तो उन्हें पहुंचाया जाएगा। साथ ही किसानों से भी अनुरोध किया गया कि वह अपने अनुपयोगी पशुओं को आश्रय स्थल पहुंचाएं। केशव प्रसाद मौर्य ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि तालाब, चकमार्ग, सार्वजनिक स्थल, सरकारी भूमि से लगाए किसी निजी जमीन पर भी यदि किसी भू माफिया का कब्जा है तो उसे तत्काल कार्रवाई करके खाली कराया जाएगा। वहीं उन्होंने सरकारी जमीनों पर गरीबों के कब्जे को लेकर सॉफ्ट टारगेट अपनाते हुए कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिया कि गरीबों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए उक्त स्थानों को खाली कराया जाए। पीएम निधि योजना के अंतर्गत आधार कार्ड पर 10 हजार रुपये का ऋण के बाद दुकानदारों के लिए भी जनपद प्रशासन से उन्होंने स्थान चिन्हित करने का निर्देश दिया। जिस पर वह अपना दुकान लगा सके। उपमुख्यमंत्री ने कहाकि सुभासपा के ओमप्रकाश राजभर व पूर्वांचल के नेता दारा चौहान अब एनडीए का हिस्सा बन चुके हैं। पत्रकारों द्वारा विधायक अब्बास अंसारी के सवाल पर उन्होंने नकारते हुए कहा कि ओमप्रकाश राजभर ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि अब्बास अंसारी या उनके परिवार का कोई भी व्यक्ति एनडीए का हिस्सा नहीं बनेगा। अखिलेश यादव द्वारा केशव प्रसाद मौर्य के लगातार की जा रही दौड़ भाग के बयान पर उन्होंने चुटकी लेते हुए कहाकि अखिलेश यादव बहुत आराम करते हैं। इसीलिए भाजपा ने भी मूड बना लिया है अभी उन्हें लंबे समय तक आराम दिया जाएगा। आगामी 25 वर्षों तक देश-प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी रहेगी। साइकिल पंचर ही रहेगी। ऐसे में अखिलेश यादव को लंबे समय तक आराम का मौका मिल सकेगा। ज्ञानवापी विवादित स्थल पर किए जा रहे सर्वे के सवाल पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यह कोर्ट का मामला है अतः कोर्ट के मामले में कोई बयान नहीं दिया जा सकता है।

मीरजापुर के 8 वार्ड हर घर नल से संतृप्त, 30 वार्ड को अभी करना होगा इंतजार

मीरजापुर, (हि.स.)। अमृत योजना के तहत गंगा जल नल के माध्यम से घर-घर आपूर्ति के लिए नगर के कुल 38 वार्ड में से 30 वार्ड के लोगों को अभी और इंतजार करना होगा। पाइप लाइन बिछाने के साथ ही अभी नए पानी कनेक्शन का कार्य अभी नहीं हो पाया है। इन आठ वार्डों जंगीरोड, चंद्रदीपा, बाजीराव कटरा, लालडिग्गी, सबरी, मुकेरी बाजार वार्ड में टॉडाफाल जलाशय में पानी कम हो जाने की वजह से किसी तरह जोर जुगाड़ कर लालडिग्गी जलकल परिसर स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को चालू कर गंगा नदी से जल उठाकर आपूर्ति की जा रही है।

आठ वार्डों में अमृत योजना के तहत बिछाई गई पाइप लाइन को नए प्लांट से जोड़कर जलापूर्ति 15 अप्रैल से शुरू कर दी गई। शेष 30 वार्डों में जलापूर्ति के लिए परीक्षण कार्य प्रक्रिया में है। नगर के गहराते भू-जल संकट को देखते हुए एक लाख से ऊपर की आबादी के नगरों के लिए अमृत योजना के तहत पेयजल पुनर्गठन योजना के तहत सरफेस वाटर योजना की लागत 193 करोड़ रुपए है।

फूलपुर लोकसभा सीट से उत्तर प्रदेश में चुनावी दांव लगा सकते नीतीश कुमार

लखनऊ, (हि.स.)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के उत्तर प्रदेश के फूलपुर लोकसभा सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने की चचाएं आम हो गयी हैं। उनकी पार्टी जनता दल युनाइटेड के मीडिया प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष व प्रवक्ता भी अब लोकसभा सीट से नीतीश कुमार के चुनाव लड़ने की चर्चा कर रहे हैं। माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में कुर्मी वोटरों को अपने पक्ष में करने के लिए नीतीश कुमार उत्तर प्रदेश में चुनाव दांव लगा सकते हैं। जनता दल युनाइटेड के संयोजक व उत्तर प्रदेश के प्रभारी सत्येन्द्र पटेल के एक बयान में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के उत्तर प्रदेश से लोकसभा चुनाव लड़ने पर मोहर लगाई गई। इसी तरह जनता दल युनाइटेड के ही प्रवक्ता केके त्रिपाठी ने भी अपने बयान में नीतीश कुमार के उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ने की तैयारियों पर कहा गया है कि जौनपुर, प्रतापगढ़, अम्बेडकरनगर और फूलपुर लोकसभा सीटों में हुए एक सर्वे के बाद नीतीश कुमार को फूलपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ाने की उत्तर प्रदेश इकाई तैयारी कर रही है। बिहार की राजनीतिक जमीन से दूर उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ने की चर्चा के बीच जनता दल युनाइटेड के बड़े चेहरों ने इसे चुनावी दांव बताया है। वहीं नीतीश कुमार को कुर्मी महासभा का भी बड़ा चेहरा माना जाता है और उत्तर प्रदेश में कुर्मी महासभा का कार्य देखने वाले पदाधिकारियों के अनुसार नीतीश कुमार के बिहार से उत्तर प्रदेश आने पर उनका स्वागत किया जायेगा। कुर्मी महासभा के नेता देवेन्द्र कुमार पटेल, राजकुमार पटेल की माने तो स्वर्गीय सोनेलाल पटेल के मृत्यु के पश्चात उनके परिवार के लोगों कृष्णा पटेल और अनुप्रिया पटेल को कुर्मी समाज ने अपना नेता बनाया। जो उत्तर प्रदेश के ही रहने वाले है। बाहर से कोई नेता आता है तो उनके कुर्मी समाज का कितना हित होगा ये तो वक्त ही बताएगा। फूलपुर लोकसभा सीट का समीकरण को समझा जाये तो ये कुर्मी वोटरों के निर्णायक वोटों वाली लोकसभा सीट है। वर्ष 2014 में लोकसभा चुनाव में भाजपा के टिकट से केशव प्रसाद मौर्य यहीं से एकतरफा चुनाव जीते थे। वर्ष 2018 में इस सीट पर बाईइलेक्शन हुआ और भाजपा के हाथ से यह सीट निकल गयी। यहां सपा के टिकट पर कुर्मी नेता नागेन्द्र प्रताप सिंह पटेल चुनाव जीते। वर्ष 2019 में भाजपा की लहर में यह सीट पुनः भाजपा के पास आ गयी और केशरी देवी पटेल यहां से चुनाव जीत गयी थी।

प्रदीप यादव ने झारखंड का केंद्र के पास 35,000 करोड़ से अधिक बकाया धनराशि का मुद्दा उठाया

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के छठे और अंतिम दिन शुक्रवार को विधायक प्रदीप यादव ने सदन में सवाल उठाया कि राज्य सरकार का केंद्र के पास करीब 35000 करोड रुपये बकाया है। बार-बार यह राशि केंद्र से मांगी जा रही है लेकिन नहीं मिलने के कारण राज्य में विकास का काम बाधित है। उन्होंने पूछा कि सरकार बकाया राशि वसूली के लिए क्या कोशिश कर रही है, जो कोशिश हो रही है क्या वह काफी है। क्या सरकार ने पता लगाया है कि सिर्फ भाजपा शासित राज्यों का ही पैसा केंद्र रोक कर रखती है। इसपर वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने सदन को बताया कि राज्य सरकार का 35000 करोड़ रुपये से अधिक राशि केंद्र सरकार और केंद्र सरकार के उपक्रमों के पास बकाया है। इसे प्राप्त करने के लिए विभागीय प्रयास के अलावा राज्य सरकार नीति आयोग और पूर्वी क्षेत्र परिषद की बैठक में यह मामला उठाती रही है। राज्य सरकार के प्रयास से भू अधिग्रहण मद में 2532 करोड रुपये प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा केंद्र प्रायोजित योजनाओं में 2200 से अधिक की बकाया राशि है। इसके लिए संबंधित विभागों द्वारा केंद्र सरकार के संबंधित मंत्रालयों से पत्राचार किया गया है। रामेश्वर उरांव ने सदन में बताया कि अगर केंद्र पैसे नहीं दे रही है तो राज्य सरकार केंद्र की कंपनियों पर सर्टिफिकेट केस कर सकती है लेकिन केस करना उचित नहीं होगा। 2019 के बाद से 25 हजार करोड़ अब तक कोल मिनिस्ट्री ने राज्य को दिए हैं। इससे यह मान लेना चाहिए कि हमें पैसे मिलेंगे।

सदन में विधायक शशिभूषण मेहता ने भी मांगी माफी

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम और छठवें दिन शुक्रवार को विधानसभा में गुरुवार को अपने व्यवहार के लिए विधायक शशिभूषण मेहता ने भी अपने शब्द वापस लिए। आलमगीर आलम ने सदन में मांग रखी, जिसमें कहा कि विधायक इरफान अंसारी के बयान के लिए संसदीय कार्य मंत्री ने भी माफी मांगी थी। आज भाजपा विधायक को भी अपने उस व्यवहार के लिए माफी मांगनी चाहिए, जिसमें वे वेल से होते हुए विधायक तक पहुंच गये थे। सदन की शुरूआत के साथ ही भाजपा ने अपना विरोध दर्ज कराया और विधेयक वापस लेने की मांग की। सभा के अध्यक्ष ने विपक्ष से अपील सदन चलाने और चर्चा में शामिल होने की अपील की। विपक्ष लगातार इस मुद्दे को लेकर नारेबाजी करता रहा। हंगामे को देखते हुए अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि कल भी सदन में विधायकों ने प्रतियोगी परीक्षा विधेयक को काला कानून बताया था। उन्होंने कहा कि भाजपा इसे काला कानून मानती है। इस कानून से कदाचार रुकेगा नहीं, बल्कि और बढ़ेगा। परीक्षा में कदाचार छात्र नहीं जेपीएससी और जेएससीसी कर रही है। नौकरी के लिए आवेदन निकालने के बाद यह लोग नियम बदलते हैं। बाबूलाल ने कहा कि भ्रष्टाचार में ये कैसे लिप्त है इसकी जानकारी आप सभी को हो। छात्रों न इसका विरोध किया सरकार नहीं मानी लेकिन बाद में पुख्ता सबूत मिले तो स्वीकार करना पड़ा। आज तक ओएमआर सीट जारी नहीं किया गया है। अभी जो जूनियर इंजीनियर की परीक्षा हुई उसमें भी गड़बड़ी हुई। इस वक्त जो कानून बना है उसमें कंडिका 11(2) में जो कहा गया है कि परीक्षा के संबंध में सवाल खड़े करने वाले छात्र और मीडिया संस्थान पर भी कार्रवाई की बात कही है।

झारखंड में आदिवासी मुख्यमंत्री होने के बावजूद आदिवासियों का हो रहा अपमान : आजसू

विधायक इरफान अंसारी पर दर्ज हो एससी-एसटी एक्ट के तहत प्राथमिकी

रामगढ़, (हि.स.)। झारखंड में आदिवासी समाज के मुख्यमंत्री हैं। इसके बावजूद आदिवासियों को अपमान सहना पड़ रहा है। वादा खिलाफी की सरकार से आमजनता के संघर्ष की लड़ाई को मजबूती प्रदान करते हुए हल्ला बोल कार्यक्रम किया गया है। यह बातें शुक्रवार को रामगढ़ जिले के पतरातू प्रखंड कार्यालय परिसर में आयोजित हल्ला बोल कार्यक्रम के दौरान आजसू के वरीय नेता रोशन लाल चौधरी ने कही। रोशन लाल चौधरी ने कहा कि राज्य में अराजकता का माहौल है। कांग्रेस एवं जेएमएम में जरा भी राजनीतिक सुचिता बची है, तो अपने चुनावी एजेंडे की ओर एक बार देख ले। विधायक इरफान अंसारी ने आदिवासी समाज का अपमान किया है। इरफान अंसारी पर एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अविलंब गिरफ्तार करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान पार्टी ने राज्यपाल के नाम प्रखंड विकास पदाधिकारी को मांग पत्र सौंपा गया।

इसमें पतरातू प्रखंड को सूखाग्रस्त घोषित करने, पिछले वित्तीय वर्ष में को धान की खरीदारी की गई है, किसानों को शीघ्र उसका भुगतान करने, विद्यार्थियों एवं युवाओं को निश्चित समय पर आय, जाति एवं आवासीय प्रमाण पत्र लागू करने जैसी 25 मांगे शामिल हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष गंगाधर महतो एवं संचालन प्रखंड सचिव विश्वरंजन सिन्हा ने किया। कार्यक्रम में पार्टी के केंद्रीय सचिव विजय साहू, केंद्रीय सचिव गुड्डु यादव, जिला परिषद अध्यक्ष सुधा चौधरी, जीप उपाध्यक्ष रीता देवी, नगर परिषद उपाध्यक्ष मनोज महतो, जीप सदस्य धनेश्वर महतो, जीप सदस्य भोला तुरी, जीप सदस्य तापेश्वर महतो, हजारीबाग जिला प्रधान सचिव कौलेश्वर गनझू, रामगढ़ जिलाध्यक्ष दिलीप दांगी, हजारीबाग जिलाध्यक्ष विकास राणा, रामगढ़ जिला सचिव लालचंद महतो, नरेश महतो, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष हरिरत्नम साहू उपस्थित थे।

जीवनभर नहीं भूलूंगा नवादा के अधिवक्ताओं का सम्मान:आशुतोष मिश्रा

नवादा, (हि. स.)। नवादा जिला अधिवक्ता संघ के तत्वावधान में शुक्रवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश के न्याय कक्ष में ही नवादा से स्थानांतरित किए गए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आशुतोष कुमार झा को भावभीनी विदाई दी गई। जो बक्सर परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश के पद पर पदोन्नति पाकर जा रहे हैं। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अरुण कुमार सिन्हा, महासचिव संत शरण शर्मा ,एडवोकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्णा प्रसाद ,महामंत्री निरंजन कुमार सिंह सहित भारी संख्या में अधिवक्ताओं ने माला पहनाकर आशुतोष कुमार झा को भावभीनी विदाई दी अपने संबोधन में आशुतोष कुमार झा ने कहा कि नवादा अधिवक्ता संघ के अधिवक्ताओं का प्यार में जीवन भर नहीं भूल पाऊंगा । उन्होंने कहा कि जैसा सोच कर मैं नवादा आया था ,वैसा ही नवादा के लोग मिले। जिससे न्यायिक व्यवस्था के संचालन में मुझे काफी सहूलियत हुई है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश पुरुषोत्तम मिश्रा ने कहा कि नवादा के अधिवक्ता गण काफी उत्तम व्यवहार के धनी हैं ।जिसके लिए मैं उनका धन्यवाद करना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि बार तथा बेंच को सदा एक दूसरे का पूरक के रूप में ही काम करना चाहिए ।अपने बेहतर जिम्मेदारियों के निर्वहन से ही न्याय होते दिखता मिलेगा ।जिसके लिए हम सब मिलकर प्रयासरत रहें। मौके पर अधिवक्ता गौरी शंकर सिंह ,डॉक्टर साकेत बिहारी, पूर्व महासचिव ईश्वरी प्रसाद शर्मा ,गौरी शंकर शरण सिंह, रोहित सिन्हा अनिल कुमार सिंह,विपिन कुमार आदि उपस्थित थे। सैकड़ों अधिवक्ताओं ने मुक्त कंठ से आशुतोष मिश्रा की बेहतर न्याय व्यवस्था के संचालन की सराहना करते हुए उन्हें ऊंचे ओहदे हासिल करने के लिए कामना की है।

बिहार में क्यूल-झाझा रेलखंड पर दो हिस्सों में बंटी मालगाड़ी, हताहत नहीं

पटना, (हि.स.)। पूर्व मध्य रेलवे के क्यूल-झाझा रेलखंड पर जमुई रेलवे स्टेशन के एक नंबर प्लेटफार्म के पास शुक्रवार को एक मालगाड़ी के तीन डिब्बे अलग हो गये। मालगाड़ी का कपलिंग खुल जाने के कारण कोयला लदे मालगाड़ी के तीन डिब्बे अलग हो गये। जिससे अफरातफरी मच गई। बताया जा रहा है कि झाझा की ओर से आ रही एक मालगाड़ी जिस पर कोयला लदा हुआ था जिसके पीछे के तीन डिब्बे गाड़ी से अलग हो गए। इंजन से जुड़े डिब्बे आगे की ओर रवाना हो गए। ट्रेन की रफ्तार अधिक नहीं होने के कारण तीन डिब्बे जमुई स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर थोड़ी दूरी पर जाकर रुक गए। हालांकि कुछ मिनटों में ही तीनों डिब्बे को जोड़कर मालगाड़ी को रवाना कर दिया गया। इस दौरान प्लेटफार्म पर ट्रेन पकड़ने के लिए आए यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस मामले में जमुई स्टेशन के अधिकारी कुछ भी बोलने से परहेज कर रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कोयला लदी मालगाड़ी झाझा की ओर से आ रही थी। जो लुप लाइन होते हुए आगे स्टेशन की ओर जा रही थी तभी मालगाड़ी का कपलिंग खुल जाने के कारण 3 डिब्बे अगल हो गए। सूचना तुरंत मालगाड़ी के ड्राइवर को दी गई और गाड़ी को रुकवा कर मालगाड़ी को बैक किया गया। वहीं 10 मिनट में दोनों अलग हुए डब्बे के कपलिंग को जोड़कर मालगाड़ी को आगे बढ़ाया गया। इस दौरान कोई नुकसान नहीं हुआ ना ही किसी ट्रेन की प्रभावित होने की सूचना है।

बेतिया में जनता दरबार में कई मामलों का ऑन-द-स्पॉट हुआ समाधान

बेतिया, (हि.स)। बेतिया जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय आज कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित जनता दरबार कार्यक्रम में आमजनों की समस्याओं से अवगत हुए। दूरदराज से पहुंचे लोगों की समस्याओं को जिलाधिकारी ने बारी-बारी से सुना। कार्यक्रम में आमजनों की कई समस्याओं का ऑन-द-स्पॉट निराकरण किया गया। साथ ही कई अधिकारियों को फोन कर समस्याओं का समाधान करने के लिए शीघ्र समुचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी के जनता दरबार में कुल-79 मामले आये, जिसमें शिक्षा के 05, आपदा के 10, राजस्व के 40 सहित अन्य विभागों से संबंधित मामले शामिल हैं। जिन मामलों का समाधान आज नहीं हो पाया, उसे संबंधित विभाग/अधिकारियों को भेजते हुए त्वरित गति से नियमानुकूल समाधान कराने हेतु निर्देशित किया गया। ज्ञातव्य हो कि जिलाधिकारी वैसे तो प्रतिदिन आमजनों से मिलते हैं, लेकिन शुक्रवार को जनता दरबार कार्यक्रम निर्धारित है, जिसमें अधिक संख्या में आमजन अपनी समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराते हैं। जिलाधिकारी द्वारा कई समस्याओं का तुरंत समाधान करा दिया जाता है तथा अन्य मामले में संबंधित विभाग/अधिकारी को त्वरित गति से समाधान कराने हेतु निर्देशित किया जाता है। आमजनों की शिकायतों/समस्याओं के नियमानुकूल समाधान को लेकर जिलाधिकारी द्वारा नियमित रूप से समीक्षा भी की जाती है।

संपादकीय

नूंह के मोनू-बिट्टू

नूंह का सांप्रदायिक अंधड़ फिलहाल शांत लगता है, लेकिन क्या दबा-छिपा है, उसकी संभावनाएं भी नहीं बता सकते। हालांकि सर्वोच्च अदालत ने आदेश दिया है कि सरकारें तय करें कि कोई नफरती भाषण न दिया जाए। माहौल को भडक़ाया-उकसाया न जाए। हिंसा की कोई गुंजाइश न हो, लिहाजा अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए जाएं। शांति और सौहार्द कायम रहना चाहिए। यह जिम्मेदारी हरियाणा, दिल्ली, उप्र और केंद्र की सरकारों की तय की गई है। अदालत ने जुलूस, रैली, प्रदर्शन आदि की वीडियोग्राफी और रिकॉर्डिंग के भी आदेश दिए हैं। फिलहाल सुनवाई जारी है। नूंह हिंसा के पूरे प्रकरण में मोनू मानेसर और बिट्टू बजरंगी, कथित गोरक्षकों, को 'खलनायक' चित्रित किया गया है। क्या सिर्फ दो हिंदूवादी चेहरों के कारण हरियाणा के एक संवेदनशील इलाके को हिंसा और दंगे की आग में झोंका गया? सांप्रदायिक दोफाड़ के हालात पैदा किए गए? छह मासूम मारे गए और 70 से अधिक घायल हुए। जिला अदालत की अतिरिक्त चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट अंजलि जैन को, उनकी तीन साला बेटी के साथ, घंटों तक एक वर्कशॉप में छिपकर जान बचानी पड़ी। उनकी कार पर 100 से अधिक दंगाइयों ने पथराव के साथ हमला किया। क्या एक न्यायाधीश भी सांप्रदायिक हो गया? क्या यह हमला भी मोनू-बिट्टू के भडक़ाऊ वीडियो के कारण किया गया? अब नूंह के प्रवासी मजदूरों ने भी पलायन करना शुरू कर दिया है। उनमें कई मुस्लिम भी हैं। गुरुग्राम के समीप एक गुरुकुल पर दो बार हमले की कोशिश की गई। उन अनाम ग्रामीणों का बहुत आभार है कि उन्होंने जान की बाजी लगाकर गुरुकुल को खंडहर होने से बचा लिया। बेकसूर दुकानदारों और व्यापारियों को लूटा गया, उनके प्रतिष्ठान जला कर राख कर दिए, करोड़ों की संपत्ति तबाह कर दी गई और कुछ कारोबारियों को तो जान से मार कर सडक़ किनारे फेंक दिया गया। क्या ऐसे हालात मोनू और बिट्टू के कारण बन सकते हैं? कौन हैं ये दो चेहरे...? उनके खिलाफ हरियाणा में भी आपराधिक मामले दर्ज हैं, फिर भी उन्हें 'जामाता' की तरह संरक्षण क्यों दिया जा रहा है? इस संदर्भ में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री के बयानों में ही विरोधाभास है। भाजपा और हरियाणा सरकार का बुनियादी अपराध यही है। दरअसल मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर हरेक घटना और टकराव के दौरान नाकाम साबित हुए हैं। चाहे वह जाट आरक्षण आंदोलन हो अथवा राम रहीम को अदालती सजा सुनाने के बाद भडक़ी जन-हिंसा हो! नूंह हिंसाकांड पर मुख्यमंत्री ने बयान दिया है कि पुलिस या सेना हरेक व्यक्ति को सुरक्षा नहीं दे सकती। यह यथार्थ हरियाणा और देश की जनता भी जानती है, लेकिन सरकार का अपना इकबाल होता है। कानून-व्यवस्था और खुफियागीरी के मायने क्या हैं? यदि सरकारें आम नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकतीं, तो इस्तीफा दें। अलबत्ता चुनाव में जनता फैसला कर देगी। आश्चर्य है कि सरकार आंकड़ों में गिना रही है कि बीते 5 सालों के दौरान, 2017-22 के बीच, नूंह में कोई भी, कभी भी, सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ। बेशक शेष हरियाणा में सांप्रदायिक हिंसा और दंगों की 211 घटनाएं जरूर हुई हैं। इस अद्र्धसत्य पर भी अदालत में चर्चा होनी चाहिए। नूंह की सांप्रदायिक और नफरती लपटें गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोहना, पलवल आदि शहरों तक भी लपलपाती रही हैं। गुरुग्राम में 'ब्लू चिप' की बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दफ्तर बाल-बाल बचे हैं। अलबत्ता दुनिया भर में हमारी 'साइबर सिटी' की साख पर बट्टा जरूर लग जाता! नूंह के सवाल और दोषारोपण सिर्फ मोनू, बिट्टू तक ही सीमित नहीं हैं। यह जिला 'लघु आतंकीस्तान' भी है। हिंसा, तनाव के दौरान भीड़ 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाती रही। नूंह से मात्र 20 किलोमीटर की दूरी पर, एक गांव में, मस्जिद बनाई जा रही थी, जिसकी फंडिंग पाकपरस्त आतंकी संगठन 'लश्कर-ए-तैयबा' ने की थी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने इसीलिए मस्जिद पर छापा मारा था। वह केस अब भी जारी है, लेकिन मस्जिद का निर्माण रुकवा दिया गया है। नूंह हरियाणा का दूसरा सबसे गरीब और पिछड़ा जिला है। उसके बावजूद सांप्रदायिकता में अव्वल है। प्रार्थना है इस इलाके में अमन-चैन बना रहे।

> नूंह हिंसा के पूरे प्रकरण में मोनू मानेसर और बिट्टू बजरंगी, कथित गोरक्षकों, को 'खलनायक' चत्रित किया गया है। क्या सिर्फ दो हिंदूवादी चेहरों के कारण हरियाणा के एक संवेदनशील इलाके को हिंसा और दंगे की आग में झोंका गया? सांप्रदायिक दोफाड़ के हालात पैदा किए गए? छह मासूम मारे गए और 70 से अधिक घायल हुए। जिला अदालत की अतिरिक्त चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट अंजलि जैन को, उनकी तीन साला बेटी के साथ, घंटों तक एक वर्कशॉप में छिपकर जान बचानी पड़ी। उनकी कार पर 100 से अधिक दंगाइयों ने पथराव के साथ हमला किया। क्या एक न्यायाधीश भी सांप्रदायिक हो गया? क्या यह हमला भी मोनू-बिट्टू के भडक़ाऊ वीडियो के कारण किया गया? अब नूंह के प्रवासी मजदूरों ने भी पलायन करना शुरू कर दिया है। उनमें कई मुस्लिम भी हैं। गुरुग्राम के समीप एक गुरुकुल पर दो बार हमले की कोशिश की गई। उन अनाम ग्रामीणों का बहुत आभार है कि उन्होंने जान की बाजी लगाकर गुरुकुल को खंडहर होने से बचा लिया।

हरियाणा को हिंसा की आग में क्यों और किस तरह झोंक दिया और इसका जिम्मेदार कौन है?

डेढ़ अरब की आबादी के लिये घातक है साम्प्रदायिक हिंसा

ललित गर्ग

> नूंह में भयावह साम्प्रदायिक उन्माद एवं हिंसा में जलाभिषेक यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के साथ पुलिस को निशाना बनाया गया, बड़े पैमाने पर आगजनी, गोलीबारी और लूटपाट हुई, तभी इसके प्रतिक्रियास्वरूप अन्य इलाकों में हिंसा हुई, जिससे बचा जा सकता था। एक वर्ग विशेष में इस तरह की हिंसा को जानबूझकर दावानल बनने दिया जा रहा है, जिसका विस्फोट कभी हरियाणा तो कभी दिल्ली, कभी राजस्थान तो कभी अन्य प्रांतों में होता रहता है, जिसमें राजनीतिक दलों के अलावा, बुद्धिजीवी वर्ग एवं मीडिया की सक्रिय भूमिका है। इन पर नियंत्रण के लिये जरूरत सख्त कदम उठाने की हैं। नूंह हो या दिल्ली, किसी भी दोषी को बचाने की जरूरत नहीं हैं। हम आज एक अराजक एवं उन्मादी तत्व को बचायेंगे तो कल ऐसे दस पैदा हो जायेंगे। इसके लिये उत्तरप्रदेश का योगी मॉडल ही कारगर है।

हरियाणा के जिला नूंह में धार्मिक शोभायात्रा पर पथराव के बाद भड़की साम्प्रदायिक हिंसा ने जो विकराल रूप लिया है वह भयावह एवं चिन्ताजनक तो है ही, यह सवाल भी छोड़ता है कि कानून-व्यवस्था को चुनौती देते हुए साम्प्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की ऐसी घटनाएं आखिर थम क्यों नहीं रही हैं? क्यों प्रशासन अराजक तत्वों के आगे इतना बेबस हो जाता है? क्यों चुनावों से पहले ही ऐसी अराजक एवं साम्प्रदायिक शक्तियों सक्रिय होकर देश की शांति एवं सौहार्द की स्थितियों को तार-तार करने लगती है? क्यों नफरती, घृणा एवं द्वेष के भड़काव भाषणों पर नियंत्रण का बांध नहीं बांधा जाता? क्यों बार-बार सुप्रीम कोर्ट से इस तरह की हिंसा, आगजनी एवं साम्प्रदायिकता के खिलाफ गुहार लगानी पड़ती है? अगर हर बार हिंसा रोकने के लिये गुहार न्यायपालिका से करनी पडे, तो विधायिका एवं कार्यपालिका की सार्थकता कितनी रह जाती है? इन प्रश्नों के अलावा मूल प्रश्न है कि आखिर नूंह की घटना ने समूचे हरियाणा को हिंसा की आग में क्यों और किस तरह झोंक दिया और इसका जिम्मेदार कौन है? नूंह की साम्प्रदायिक हिंसा एक षडयंत्र एवं सुनियोजित साजिश थी। इस हिंसा के मामले में आवश्यकता इसकी भी है कि उसके पीछे के कारणों की तह तक जाया जाए, क्योंकि इतनी भीषण हिंसा बिना किसी सुनियोजित साजिश के नहीं हो सकती। नूंह में भयावह साम्प्रदायिक उन्माद एवं हिंसा में जलाभिषेक यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के साथ पुलिस को निशाना बनाया गया, बड़े पैमाने पर आगजनी, गोलीबारी और लूटपाट हुई, तभी इसके प्रतिक्रियास्वरूप अन्य इलाकों में हिंसा हुई, जिससे बचा जा सकता था। एक वर्ग विशेष में इस तरह की हिंसा को जानबूझकर दावानल बनने दिया जा रहा है, जिसका विस्फोट कभी हरियाणा तो कभी दिल्ली, कभी राजस्थान तो कभी अन्य प्रांतों में होता रहता है, जिसमें राजनीतिक दलों के अलावा, बुद्धिजीवी वर्ग एवं मीडिया की सक्रिय भूमिका है। इन पर नियंत्रण के लिये जरूरत सख्त कदम उठाने की हैं। नूंह हो या दिल्ली, किसी भी दोषी को बचाने की जरूरत नहीं हैं। हम आज एक अराजक एवं उन्मादी तत्व को बचायेंगे तो कल ऐसे दस पैदा हो जायेंगे। इसके लिये उत्तरप्रदेश का योगी मॉडल ही कारगर है। साम्प्रदायिक तनाव एवं हिंसा की हर घटना के बाद एहतियाती उपाय भी खूब होते हैं लेकिन इस अहम सवाल का जवाब हमेशा बहुत पीछे छूट जाता है कि आखिर दंगों की ऐसी आग, आए दिन देश के अलग-अलग हिस्सों को क्यों झुलसाने लगी है? दूसरा सवाल यह भी कि ऐसी साम्प्रदायिक हिंसा के लिए दोषी किसे ठहराया जाए? नूंह के मामले को भी बारीकी से समझा जाए तो लगता है कि प्रशासन

और पुलिस ने इस धार्मिक जुलूस को लेकर सोशल मीडिया पर हो रही बयानबाजी को गंभीरता से नहीं लिया। संवेदनशील इलाकों में धार्मिक जुलूस की अनुमति देने से पहले जो पड़ताल की जानी चाहिए वह आखिर क्यों नहीं की गई? नूंह ही नहीं, बल्कि ऐसे सभी मामलों में सरकार में बैठे लोगों को इन सवालों के जवाब गंभीरता से तलाशने होंगे। एक बात और, ऐसे दंगों के बाद राजनेताओं और धर्म के ठेकेदारों के बयानों पर भी नजर रखनी होगी जो बेवजह समुदायों को उकसाने का काम करते हैं। हेट-स्पीच का बढ़ता प्रचलन ऐसी साम्प्रदायिक हिंसा को भड़काने का मूल कारण है। न जाने कितने नफरती भाषण ऐसे रहे, जिनमें किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। नूंह की हिंसा के मामले में इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि भड़काऊ भाषण दोनों पक्षों की ओर से दिए गए। स्पष्ट है कि दोनों पक्षों के खिलाफ बिना किसी भेदभाव कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। यह कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए कि नफरती तत्वों को जरूरी सबक मिले। कई बार तो घोर आपत्तिजनक और भड़काऊ भाषण को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का आवरण पहना दिया जाता है। भड़काऊ भाषणों पर कार्रवाई के मामले में दोहरे मानदंड समस्या को बढ़ाने वाले ही सिद्ध हो रहे हैं। यह जो साबित करने की कोशिश हो रही है कि ऐसे भाषण केवल किसी एक विशेष समूह या विचारधारा से जुड़े लोग ही दे रहे हैं, वह एक शरारती एजेंडा है और उसे बेनकाब करने की आवश्यकता है। क्योंकि हिंसा करने वाले दोषी लोगों से ध्यान हटाने यह एक जरिया है। देश में दंगों की आग कब और कहां भड़क जाए, यह कोई नहीं जानता। खास तौर पर धार्मिक जुलूस निकालने को लेकर छिड़ा कोई विवाद जब साम्प्रदायिक तनाव में बदल जाए तो फिर हिंसा की आग बेकाबू होते देर नहीं लगती। यह सवाल इसलिए भी जरूरी है क्योंकि ऐसी घटनाओं में हर बार जान-माल का भारी नुकसान सरकारी दस्तावेज में सिर्फ आंकड़ा बन कर ही रह जाता है। नूंह के दंगों की आग ने जो विकराल रूप लिया, उसके चलते वहां कर्फ्यू लगाने की नौबत आ गई है। हरियाणा के छह जिलों में निषेधाज्ञा लगाने के साथ-साथ हरियाणा से सटे राजस्थान के भरतपुर में भी अलर्ट जारी करना पड़ा है। नूंह दंगों की आंच गुरुग्राम तक जा पहुंची है जहां एक धार्मिक स्थल को भीड़ ने आग के हवाले कर दिया जिसमें एक जने की मौत हो गई, मौतें तो और भी हुई है। सब जानते हैं कि वोट बैंक पर कब्जा करने की राजनीति भी दंगों के पीछे छिपे कारणों में से एक रहती है। धर्म के नाम पर उन्माद से फायदा उठाने की चाह रखने वाले लोग ऐसे दंगों की आंच में भी अपनी सियासी रोटियां सेंकने से बाज नहीं आते हैं। दंगे भड़कने और हालात तनावपूर्ण हो जाने के बाद दंगों को दुर्भाग्यपूर्ण बताने और शांति की अपील करने मात्र से कुछ नहीं होने वाला। सरकारों को सख्त कदम उठाने ही होंगे। नियंत्रण से बाहर होती हमारी व्यवस्था हमारे लोक जीवन को अस्त-व्यस्त कर रही है। प्रमुख रूप से गलती राजनेताओं और सरकार की है। कहीं, क्या कोई अनुशासन या नियंत्रण है? निरंतर साम्प्रदायिकता का दावानल फटता रहता हैं। कोई जिम्मेदारी नहीं लेता- कोई दंड नहीं पाता। राजनीति संकीर्ण एवं सम्प्रदायीकरण, इसी का चरम बिन्दु है। अपराधी केवल वे ही नहीं जिनके दिलों में सम्प्रदायिक संकीर्णता का जहर घुला है। वे भी हैं जो लोकतंत्र को तोड़ रहे हैं या जिनके दिमागों में अपराध एवं उन्माद भावना है। उन्मादी एवं अपराधी नियंत्रण से बाहर हो गये हैं। साम्प्रदायिक सोच वाले व्यक्ति नियंत्रण से बाहर हो गए हैं। और सामान्य आदमी के लिए जीवन नियंत्रण से बाहर हो गया है। अगर हम राष्ट्रीय दृष्टिकोण से विचारें तो हमें स्वीकारना होगा कि बहुत-सी बातें हमारे नियंत्रण से बाहर होती जा रही हैं। वर्तमान दौर की सत्ता लालसा की चिंगारी इतनी प्रस्फुटित हो चुकी है कि सत्ता के रसोस्वादन के लिए जनता और व्यवस्था को पंगु बनाने की राजनीति चल रही है। प्रश्न है कि राजनीतिक पार्टियां एवं राजनेता सत्ता के नशे में डूबकर इतने आक्रामक एवं गैरजिम्मेदार कैसे हो सकते हैं? जैसे-जैसे आम चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं साम्प्रदायिकता की जहर उगलने वाली स्थितियां ज्यादा प्रभावी होती जा रही है। बिना मेहंदी लगे ही हाथ पीले करने की फिराक में सभी राजनीतिक दल जुट चुके हैं। सवाल यह खड़ा होता है कि इस अनैतिक राजनीति का हम कब तक साथ देते रहेंगे? इस पर अंकुश लगाने का पहला दायित्व तो हम जनता पर ही है। सत्ता से जुड़े एवं राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकने वाले साम्प्रदायिक सौहार्द एवं सद्भावना कायम करने में नकारा साबित हो रहे हैं इसलिये सुप्रीम कोर्ट की ओर से समाज को ऐसा कोई संदेश जाना चाहिए कि घृणा का जवाब घृणा, नफरत का जवाब नफरत और हिंसा का जवाब हिंसा नहीं हो सकती।

योग है स्वस्थ जीवन का वादा

> ग्रामीण परिवेश में अधिकांश जनसंख्या रही तब तक अलग से किसी भी फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत नहीं थी। जब से दैनिक जीवन में भौतिक सुख-सुविधाओं का विकास हुआ है तभी से फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत महसूस हो रही है। स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। बिना अच्छे स्वास्थ्य के धन दौलत, पद प्रतिष्ठा व अन्य भौतिक सुख सुविधाएं सब बेमानी लगते हैं। जनमानस का स्वास्थ्य उत्तम हो, इस सबके लिए इस कॉलम के माध्यम से कई बार योग के बारे में जानकारी देकर योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है। दौड़ती-भागती जीवन शैली के कारण मनुष्य के पास अपने लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है जो उनके स्वास्थ्य को सुधार कर व्यवस्थित रख सके। आज मानव ने विज्ञान में नये-नये शोध कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा क्षेत्र में इतनी प्रगति कर ली है कि इसके कारण जीवन काफी आसान तो हो गया है।

इस वर्ष भी 21 जून को योग दिवस मना कर औपचारिकता तो पूरी कर ली है, मगर क्या फिटनेस की इस सरल व सर्वसुलभ उपलब्ध विधि का हम लगातार वर्ष भर अपनी फिटनेस को स्तरीय रखने में उपयोग करेंगे? जब तक ग्रामीण परिवेश में अधिकांश जनसंख्या रही तब तक अलग से किसी भी फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत नहीं थी। जब से दैनिक जीवन में भौतिक सुख-सुविधाओं का विकास हुआ है तभी से फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत महसूस हो रही है। स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। बिना अच्छे स्वास्थ्य के धन दौलत, पद प्रतिष्ठा व अन्य भौतिक सुख सुविधाएं सब बेमानी लगते हैं। जनमानस का स्वास्थ्य उत्तम हो, इस सबके लिए इस कॉलम के माध्यम से कई बार योग के बारे में जानकारी देकर योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है। दौड़ती-भागती जीवन शैली के कारण मनुष्य के पास अपने लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है जो उनके स्वास्थ्य को सुधार कर व्यवस्थित रख सके। आज मानव ने विज्ञान में नये-नये शोध कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा क्षेत्र में इतनी प्रगति कर ली है कि इसके कारण जीवन काफी आसान तो हो गया है, मगर शारीरिक श्रम जो पहले यूं ही दिनचर्या में आसानी से हो जाता था, अब उसके लिए अलग से फिटनेस कार्यक्रम चाहिए होता है। समय बचाती दुनिया के लिए योग मुख्य विकल्प है जो कम श्रम कर अधिक फिटनेस दे सकता है। इसलिए अब आम जनमानस के लिए योग के बारे में जानना जरूरी हो जाता है। सैकड़ों वर्ष पूर्व महर्षि पतंजलि ने योग को लिखित रूप में संग्रहित किया और योग सूत्र की रचना की। योग सूत्र की रचना के कारण पतंजलि को योग का जनक कहा जाता है। इस योग के महान ग्रंथ में योग के बारे में कहा गया है कि मन की वृत्तियों में नियंत्रण करना ही योग है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि, यह अष्टांग योग के आठ सूत्र हैं। आठों अंगों में प्रथम दो यम व नियम को नैतिक अनुशासन, आसन, प्राणायाम व प्रत्याहार को शारीरिक अनुशासन व धारणा, ध्यान, समाधि को मानसिक अनुशासन बताया गया है। योग हमें यम एवं नियम द्वारा व्यक्ति के मन और मस्तिष्क को ठीक करने की सलाह देता है। आसन और प्राणायाम करने से पूर्व यदि व्यक्ति यम एवं नियमों का पालन नहीं करता है तो उसे योग से पूर्ण स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल सकता है। यम और नियम की विस्तार से चर्चा जरूरी है। संयम मन, वचन और कर्म से होना चाहिए। इसका पालन न करने से व्यक्त का जीवन व समाज दोनों दुष्प्रभावित होते हैं। इससे मन मजबूत और पवित्र होता है तथा मानसिक शक्ति बढ़ती है। सत्य, अहिंसा, असतेय, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह, यह नियम व्यक्तिगत नैतिकता के हैं। मनुष्य को कत्त्रव्य परायण बनाने तथा जीवन को सुव्यवस्थित करने हेतु पांच नियमों का विधान किया गया है। ये नियम हैं शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय व ईश्वर प्राणिधान। यम यानी मन, वचन एवं कर्म से सत्य का पालन व मिथ्या का त्याग। जिस रूप में देखा, सुना एवं अनुभव किया हो, उसी रूप में उसे बतलाना सत्य है। अहिंसा दूसरा सूत्र है। इसमें किसी को मारना ही केवल हिंसा का रूप नहीं है बल्कि किसी भी प्राणी को कभी भी किसी प्रकार का दुख न पहुंचाना अहिंसा है। असतेय अर्थात चोरी न करना। छल से, धोखे से, झूठ बोलकर, बेईमानी से किसी चीज को प्राप्त करना भी चोरी है। जिस पर अपना अधिकार नहीं उसे लेना भी इसी श्रेणी में आता है। ब्रह्मचर्य : मन, वचन एवं कर्म से यौन संयम अथवा मैथुन का सर्वथा त्याग करना ब्रह्मचर्य है। सभी इंद्रिय जनित सुखों में संयम बरतना। अपरिग्रह : अपने स्वार्थ के लिए धन, संपत्ति एवं भोग की सामग्री में संयम न बरतना परिग्रह है। इसका अभाव अपरिग्रह है। आवश्यकता से अधिक संचय करना अपरिग्रह है। दूसरों की वस्तुओं की इच्छा न करना। मन, वचन एवं कर्म से इस प्रवृत्ति को त्यागना ही अपरिग्रह है। नियमों में शौच के अंतर्गत पानी-मिट्टी आदि के द्वारा शरीर, वस्त्र, भोजन, मकान आदि के मल को दूर करना बाह्य शुद्धि माना जाता है। सद्भावना, मैत्री, करुणा आदि से की जाने वाली शुद्धि आंतरिक शुद्धि मानी जाती है। केवल अपने भौतिक शरीर का ध्यान रखना पर्याप्त नहीं है। बल्कि अपने मन के विचारों को पहचान कर उन्हें दूर करने का प्रयास करना जरूरी है। शरीर और मन दोनों की शुद्धि। संतोष दूसरा नियम है। इसमें कत्तव्य का पालन करते हुए जो कुछ उपलब्ध हो, जो कुछ प्राप्त हो, उसी में संतुष्ट रहना। किसी प्रकार की तृष्णा न करना। तीसरा नियम है तप, इस नियम में अपने वर्ण, आश्रम, परिस्थिति और योग्यता के अनुसार स्वधर्म का पालन करना। व्रत, उपवास आदि को भी इसी में शामिल किया जाता है। यानी कि स्वयं से अनुशासित दिनचर्या में रहना है। स्वाध्याय चौथा नियम है, जिससे कत्तव्य का बोध हो सके, मतलब शास्त्र का अध्ययन करना। महापुरुषों के वचनों का अनुपालन भी स्वाध्याय के अंतर्गत आता है। ईश्वर प्राणिधान पांचवां नियम है। ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण व संपूर्ण श्रद्धा रखना। फल की इच्छा का परित्याग पूर्वक समस्त कर्मों का ईश्वर को समर्पण करना ईश्वर प्राणिधान कहलाता है। हजारों साल पहले भारतीय शोधकर्ताओं ने यौगिक क्रियाओं से होने वाले लाभों को समझ लिया था जो आज की चिकित्सा व खेल विज्ञान में योग का प्रयोग खूब हो रहा है। योग के नियमों का पालन करने के बाद अगर यौगिक क्रियाओं को किया जाता है तो मानव में शारीरिक व मानसिक स्तर पर आश्चर्यजनक रूप से अलौकिकता का सुधार होता है।

कुछ अलग

सियासी नाले में सेब

हिमाचल में फल आर्थिकी का अधिकतम वजन सेब उठाता है या यही तस्वीर अब बागबानी की सियासत को मजबूत करती है। अंततः राजनीति के चश्मे गवाह हैं कि फलों का हिमाचली राजा सेब है और इसके नखरों में हवा है, तो नाराजगी में वफा है। इसमें दो राय नहीं कि मौसम की बेरुखी से सेब का संघर्ष वर्षों पुराना है, लेकिन यह भी मानना पड़ेगा कि सरकारें इसकी संवेदनशीलता को नजरअंदाज नहीं करतीं, फिर भी इस बार एक तथाकथित वीडियो ने 'सेब' को गलत तरीके से मुद्दा बना दिया। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सेब फेंकने के वीडियो को फर्जी बता कर प्रशासनिक तौर पर ऐसी सियासत को दरकिनार किया है, लेकिन भाजपा ने मौसम के बिगड़े मिजाज से सियासत का मसाला निकाल लिया है। जाहिर है आपदा की इस घड़ी में प्रतिकूल परिस्थितियों से मुकाबला इतना भी आसान नहीं कि हर इंच पर बहाली हो जाए। कुछ भौगोलिक कठिनाइयां हमेशा रहेंगी और जब आसमान दैत्य बन जाए, तो राहत के इंतजाम हर बार एक नई कहानी बना देते हैं। बेशक कुल्लू, मंडी व शिमला की परिस्थितियों ने बागबानी के वार्षिक फलादेश पर कुठाराघात किया है, लेकिन यह समूचे हिमाचल की तस्वीर नहीं। फलोत्पादन की व्यापकता के बजाय सेब की पहचान में यह प्रदेश अपनी सियासत को तपाता रहा है और इस बार आलोचना के संदर्भ सोशल मीडिया तक जा पहुंचे। एक वायरल वीडियो ने इतने इल्जाम इक_ कर लिए कि सरकार को जवाब देने का ठोस धरातल दिखाना पड़ रहा है। हम इसके सत्य व असत्य के बीच बाढ़ विभीषिका को कमतर नहीं आंक सकते और न ही ऐसी राजनीतिक आलोचनाओं को किसी एक बिंदु पर निचोड़ सकते हैं। बाढ़ एक यथार्थ है जो केवल एक खास फल पौधे पर ही कुअसर नहीं रखता है, बल्कि मौसम की हर खुराफात खेत-बागीचे और घर-आंगन को बर्बाद कर सकती है। दर्द को खास मकसद से दबाएंगे या इसे नुमाइश का हिस्सा बनाएंगे, तो किसी भी परिस्थिति में न्याय नहीं होगा, बल्कि इसकी आर्थिकी के दृष्टिकोण से मदद करनी होगी। दर्द तो खीरा, लौकी या कद्दू की बेल उजडऩे पर भी होता है। दर्द लीची, आम, गलगल या किन्नू पर मौसम की प्रतिकूलता पर भी पड़ता है। कल अगर वायरल वीडियो की जुबान में हर उपज या पैदावार को नंगा करके प्रचारित करना शुरू कर दिया गया, तो किस अखाड़े की वकालत पर राज्य की सही बात होगी। जमीन का दर्द सदाबहार है और उसके लिए सोशल मीडिया का वीडियो नहीं, व्यवस्था की आंख चाहिए। दर्द सिर्फ पैदावार नहीं, फसल को उपभोक्ता तक सही तरीके से पहुंचाने का हवाला भी है। अंततः हिमाचल का उपभोक्ता भी तो बाढ़ का पीड़ित है। लगातार दो सौ रुपए प्रति किलो के हिसाब से टमाटर खरीदने वाले की तकलीफ भी तो कहीं वायरल है। हमारी आपत्ति वायरल संदेशों की भूमिका पर है और अगर पक्ष-प्रतिपक्ष इसी तरह तू तू-मैं मैं में सच-झूठ खोजने लगे, तो हकीकत के पैगाम कहीं गुम हो जाएंगे। कमोबेश हर साल बारिश के अलावा जलवायु के बिगड़ते चक्र के कारण सेब की फसल पर अस्थिरता का खतरा बढ़ रहा है, लेकिन दूसरी ओर किसान तो अपने बीज की गुणवत्ता से लड़ रहा है। एक ओर मौसम की मार और दूसरी ओर गलत बीज के प्रसार से किसान के लिए खेत खोदना मुश्किल हो रहा है। सत्ता और विपक्ष को कम से कम कृषि और बागबानी के मामले में मतैक्य पैदा करके किसान और बागबान के प्रति जवाबदेह होना ही पड़ेगा। बाढ़ के बहाने सेब उत्पादक की बात हो गई, लेकिन जहां साल भर बंदर, आवारा पशु और वन्य प्राणी उत्पात मचाते हों, उस खेती या बागबानी की सुध कौन लेगा।

नागरिक बोध

संकटः दुनिया के सामने पांच बड़े खतरे, बचाव के लिए जरूरी है जागरुकता

तेज बदलावों के दौर से गुजर रही दुनिया में वैसे तो अनेक चुनौतियां हैं, पर कुछ संकट इतने बड़े हैं कि उनकी ओर विशेष ध्यान देना जरूरी है। इसमें सबसे पहले नंबर पर है करीब 13,000 परमाणु हथियार, जो नौ देशों के नियंत्रण में हैं और लगभग 14 देशों में तैनात हैं। अमेरिकी हथियार अमेरिका के अलावा यूरोप के पांच देशों में तैनात हैं। रूस के परमाणु हथियार संभवतः कुछ समय बाद बेलारूस में भी तैनात होंगे। इनमें से हजारों हथियार उन समुद्री यानों में भी तैनात हैं, जो निरंतर समुद्रों में घूमते रहते हैं और जिनका उपयोग कहीं भी हमलों के लिए हो सकता है। इनमें से अधिकांश परमाणु हथियार उन परमाणु बमों से कई गुना अधिक विध्वंसक हैं, जिन्हें हिरोशिमा व नागासाकी पर गिराया गया था। अनेक विशेषज्ञों ने चिंता प्रकट की है कि विशेष परिस्थितियों में संशय और दूसरे पक्ष की आक्रामकता के गलत आकलन से परमाणु युद्ध आरंभ हो सकता है। इधर बड़ी सैन्य महाशक्तियों के आपसी संबंध निरंतर तनावग्रस्त होते गए हैं और यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में तो यह स्थिति और विकट हो गई है। यदि दुनिया में मौजूद परमाणु हथियारों में से मात्र 10 फीसदी का भी उपयोग किसी युद्ध में हो गया, तो विश्व में अधिकांश जीवन का अंत हो जाएगा। जो लोग तुरंत मारे जाएंगे, उससे कहीं अधिक लोग परमाणु बमों के उपयोग के बाद उत्पन्न स्थिति से मारे जाएंगे या बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो जाएंगे। अतः इस खतरे को पूरी तरह समाप्त करना ही उद्देश्य बनना चाहिए और इसके लिए परमाणु हथियारों को समाप्त करना जरूरी है। फिर भी जब तक यह व्यापक उद्देश्य प्राप्त न हो सके, तब तक परमाणु हथियारों के खतरे को कम करने के विभिन्न प्रयास, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय समझौते आगे बढ़ते रहने चाहिए, जबकि हाल के वर्षों में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय समझौतों, विशेषकर अमेरिका-रूस समझौतों में कमी आई है। दूसरा बड़ा खतरा रोबोट या एआई हथियारों से जुड़ा है। यदि रोबोट तकनीक का सैन्य उपयोग इसी तरह बढ़ता रहा, जैसा हाल के समय में देखा गया है, तो शीघ्र ही ऐसी स्थितियां उत्पन्न हो जाएंगी, जिनसे निपटने के लिए दुनिया अभी तैयार नहीं है। विशेष परिस्थितियों में ये हथियार मानव नियंत्रण के बाहर भी हो सकते हैं। रोबोट व एआई तकनीक से जुड़े अनेक वरिष्ठ वैज्ञानिक इस बारे में चेतावनी जारी कर चुके हैं कि रोबोट व एआई तकनीक के सैन्य उपयोग पर रोक लगाई जाए। तीसरा बड़ा खतरा अंतरिक्ष के सैन्यीकरण की आशंका से जुड़ा हुआ है। इसे विश्व के लिए बड़े खतरों की आशंका वाला क्षेत्र माना जाता रहा है, इसके बावजूद यह भी सत्य है कि अनेक बड़ी सैन्य शक्तियां अंतरिक्ष के सैन्यीकरण की संभावनाएं तलाश रही हैं और उनके वैज्ञानिक इस संभावना की दिशा में कार्य कर रहे हैं। अंतरिक्ष युद्ध व रोबोट के सैन्य उपयोग की दिशा में प्रयास इस कारण भी बढ़ रहे हैं, क्योंकि कोई भी सैन्य महाशक्ति किसी अधिक विध्वंसक क्षमता वाली तकनीक में पीछे नहीं रहना चाहती है। चौथा बड़ा खतरा पर्यावरण की सबसे गंभीर समस्याओं और जलवायु बदलाव जैसी लगभग दर्जन भर गंभीर समस्याएं हैं (जैसे जल संकट, वायु प्रदूषण जैव विविधता ह्रास आदि), जिनके बारे में वैज्ञानिक कह रहे हैं कि इनके मिले-जुले असर से धरती की जीवनदायिनी क्षमता ही खतरे में पड़ सकती है। पांचवां बड़ा संकट विश्व की अनेक बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों व उनसे जुड़े अरबपतियों द्वारा प्रसारित तकनीकों से जुड़ा है, जो कृषि, खाद्य, स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तेजी से लाई जा रही हैं। इन तकनीकों से इन कंपनियों का नियंत्रण बढ़ेगा और मुनाफा भी, पर आजीविका स्वास्थ्य, पर्यावरण के खतरे भी उतनी या उससे भी अधिक तेजी से बढ़ सकते हैं। यह स्थिति विकासशील व निर्धन देशों के लिए अधिक खतरनाक हो सकती है और उन्हें इसके लिए अधिक सावधानी बरतने की जरूरत है।

देश दुनीया से

बिन नकदी सब सून!

यह ठीक रहा कि वोटर को नकद पैसा उसके खाते में ट्रांसफर कर दिया जाए। इससे लगा भी कि सरकार पैसा दे रही है। बीच वाले दलालों का भी सफाया हो गया, अब वोटर को पंद्रह पैसे नहीं, पूरे सौ पेसे का भुगतान होगा। वैसे भी सरकारी नुमाइंदे लाखों-करोड़ों डकार रहे हैं तो जनोपयोगी योजनाओं का पैसा सीधा दिया जाए तो इसमें दिक्कत किस बात की है? सरकार की गिरती हालत को संभालने का एकमात्र तरीका यही बचा था, यह दांव शायद आगामी चुनाव में नैया पार लगा दे। नकद पैसे का वैसे महत्व भी है। शराब, गुटखा और अन्य नशीली चीजें सब नकद से मिलती हैं। अब घर का मुखिया अपने मनमाने शौक पूरे कर सकेगा। अलग-अलग मजदूरी-पेंशन अथवा और कोई अनुदान दो तो जिसके हाथ में जाए, वही मालिक हो जाता था। नकदी की बारगेनिंग ठीक लगी। पहले काम के बदले अनाज दिया जाता था। अनाज समस्या ही नहीं है। समस्या या जरूरत तो अन्य चीजों की है। नया युग है, नई जरूरतें हैं, उस दृष्टि से नकद का महत्व अपने आप बढ़ जाता है। नकदी जीवन का आधार है, इसके बिना व्यक्ति निराधार होता है। इसलिए देन-लेन नकद ही होता है। रिश्वत भी नकद ही दी जाती है। विवाह में दहेज के सामान का महत्व नहीं, जितना नकद देन-लेन का महत्व माना जाता है। सरकार के उस नुमाइंदे को सौ-सौ प्रमाण जिसने यह ईनामी योजना की शुरुआत करने का भेजा दिया। रहिमन नकदी राखिये-बिन नकदी सब सून, नकदी बिना न ऊबरे, मोती मानुस चून। तीनों स्थितियों में इसकी आवश्यकता पानी से भी बढक़र है। आजकल पानी भी नकदी से ही मिलता है। जहां तक सवाल स्वाभिमान रूपी पानी का है, कोरे स्वाभिमान से बंटता ही क्या है? इज्जत नकदी से ही बढ़ती है। कालेधन वालों की समाज में जो पोजीशन है, वह एक गरीब या ईमानदार की नहीं है। इसलिए बेईमानी को बढ़ावा देना आदमी की इज्जत के लिए भी जरूरी है।

> शराब, गुटखा और अन्य नशीली चीजें सब नकद से मिलती हैं। अब घर का मुखिया अपने मनमाने शौक पूरे कर सकेगा। अलग-अलग मजदूरी-पेंशन अथवा और कोई अनुदान दो तो जिसके हाथ में जाए, वही मालिक हो जाता था। नकदी की बारगेनिंग ठीक लगी। पहले काम के बदले अनाज दिया जाता था। अनाज समस्या ही नहीं है। समस्या या जरूरत तो अन्य चीजों की है। नया युग है, नई जरूरतें हैं, उस दृष्टि से नकद का महत्व अपने आप बढ़ जाता है। नकदी जीवन का आधार है, इसके बिना व्यक्ति निराधार होता है। इसलिए देन-लेन नकद ही होता है। रिश्वत भी नकद ही दी जाती है। विवाह में दहेज के सामान का महत्व नहीं, जितना नकद देन-लेन का महत्व माना जाता है।

सरकार ने आम आदमी की इज्जत में नकदी देकर इजाफा किया है, इसका सबको स्वागत करना चाहिए। विपक्षी कोई नहीं बोल रहा कि सरकार का यह कदम उन्हें कैसा लगा। बोले कैसे क्योंकि मामला वोट बैंक से जुड़ा हुआ है। सत्तालोलुप होने पर जा-बेजा पर टिप्पणी नहीं की जाती, वरना हाथ से रहा-सहा वोटर भी निकल जाता है। मैं भी एक अदब आधार कार्ड के जुगाड़ में लगा हुआ हूं। यह बन जाए तो मेरा काम बन जाए। एक आला सरकारी आदमी ने इसे बनवा देने की 'हां' कर दी है। वह जी जान से मेरा यह कार्ड बनवाने में लगा हुआ है। तेरा तुझको अर्पण-क्या लागे मेरा। बिना निवेश के अर्थ लाभ होता भी तो नही हैं। रिश्वत रानी की महत्ता किसी युग में कम नहीं हुई है। चाहे जो करा लो। लोग पता नहीं क्यों, भ्रष्टाचार को मिटाने की बात करते हैं। अर्थप्रधान युग में भ्रष्टाचार शिष्टाचार बन गया है। इसलिए जो लोग ईमानदारी के जोश में इसे व्यवस्था से मिटाने का दावा करते हैं, कालान्तर में स्वयं मिट जाएंगे, लेकिन मेरा भाई भ्रष्टाचार सदा हरा-भरा बना रहेगा। वैसे भी देन-लेन सीधा ही होना चाहिए। उससे लेने वालों को पता रहता है कि उसे पैसा किसने दिया। इससे ही वह ऑबलाइज महसूस करता है। बदले में वह भी उसके लिए कुछ करने की भावना पैदा करता है। हम तुम्हें नकदी दें-तुम हमें वोट दो। सीधा सा फार्मूला है। सुभाष चन्द्र बोस ने आजादी के लिए खून मांगा था। देश के लिए आज के नेता वोटर का अमूल्य वोट अब समूल्य मांग रहे हैं तो इसमें बुरा क्या है। इसलिए मैं अपने परिवार सहित इस नकदी ट्रांसफर योजना की भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूं तथा आभार व्यक्त करता हूं। आदमी जिसका नमक खाता है, उसकी अदायगी भी करता है। इसलिए सरकार को साष्टांग प्रमाण।

सिंगापुर में एक हफ्ते में 3 को फांसी : 54 ग्राम हेरोइन रखने पर युवक को मौत की सजा, कहा- इससे 600 लोगों तक नशा पहुंचता

सिंगापुर।
सिंगापुर ने अंतरराष्ट्रीय विरोध के बावजूद एक हफ्ते के भीतर 3 लोगों को फांसी दी है। सिंगापुर की सरकार ने एक 39 साल के युवक मोहम्मद सालेह अब्दुल लतीफ को फांसी दी है। इससे 2019 में 54 ग्राम हेरोइन जब्त की गई थी। ब्यूरो के मुताबिक ये हेरोइन 600 लोगों तक नशा पहुंचा सकती थी।

ट्रायल के दौरान अब्दुल लतीफ ने दलील दी थी कि उसे इस हेरोइन को लेकर कोई जानकारी नहीं थी। उसने दोस्त का उधार चुकाने के लिए उसके सामान को डिलीवर किया था। उसे नहीं पता था वो सामान हेरोइन है। हालांकि, कोर्ट ने ये दलील मानने से इनकार कर दिया। जज का कहना था कि अब्दुल लतीफ अपने दोस्त से इतना करीब नहीं था कि उस पर इतनी आसानी से विश्वास करता।

सिर्फ डिलीवरी करने पर मौत की सजा

सजा सुनाते वक्त सिंगापुर की कोर्ट ने माना कि अब्दुल लतीफ ने हेरोइन सिर्फ डिलीवर की थी। वो किसी ड्रग रैकेट से नहीं जुड़ा था। इसके बावजूद उसे इतनी कड़ी सजा सुनाई गई। दरअसल, सिंगापुर के कानून के तहत अगर किसी भी व्यक्ति से 500 ग्राम से ज्यादा गांजा या 15 ग्राम से ज्यादा हेरोइन तस्कर करते हुए पाया जाता है तो उसे मौत की सजा दी जाती है। यूएन समेत कई देश सिंगापुर के इस कानून के खिलाफ विरोध जता चुके हैं। हालांकि, सिंगापुर नशे की तस्करी को काबू में रखने के लिए इस कड़ी सजा को जरूरी ठहराता है। जबकि पड़ोसी देश थाईलैंड ने गांजे के इस्तेमाल को कानूनी तौर पर मंजूरी दे दी है। वहीं, मलेशिया ने फांसी सजा को खत्म कर दिया है।

हेरोइन रखने पर 2 और लोगों को मिल चुकी फांसी

सिंगापुर ने इसी हफ्ते में एक महिला और पुरुष को भी फांसी दी थी। महिला से 2018 में 31 ग्राम हेरोइन जब्त की गई थी। उसका नाम सारीदेवी बिंते जमानी बताया गया था। उसे 1 किलो हेरोइन बेचने का दोषी पाया गया था। सिंगापुर में पिछले 20 सालों में पहली बार किसी महिला को फांसी की सजा दी गई थी। इससे पहले 2004 में एक 36 साल की हेयर ड्रेसर महिला ड्रग्स की तस्करी के जुर्म में फांसी दी गई थी। इस हफ्ते में मोहम्मद अजीज हुसैन नाम के एक व्यक्ति को भी फांसी की सजा दी गई। इससे 50 ग्राम हेरोइन जब्त की गई थी। सिंगापुर दुनिया के उन चंद देशों में से एक है जहां, ड्रग्स की तस्करी पर मौत की सजा मिलती है।

न्यूज ब्रीफ

सुनक के घर को प्रदर्शनकारियों ने काले कपड़े से ढंका: ऑयल पॉलिसी का विरोध कर रहे थे; परिवार के साथ छुट्टियों पर हैं ब्रिटिश पीएम

लंदन। ब्रिटेन के यॉर्कशायर शहर में प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के घर को 200 मीटर के एक काले कपड़े से ढंक दिया। इस दौरान वो सुनक के घर की छत पर चढ़ गए। ग्रीन पीस संस्था से जुड़े ये लोग सरकार की पर्यावरण विरोधी नीतियों का विरोध कर रहे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस दौरान पुलिस वहां मौजूद रही। इस प्रदर्शन की जानकारी खुद ग्रीन पीस संस्था ने ट्विटर पर वीडियो शेयर कर दी है। इसमें वो ब्रिटिश पीएम के घर की छत पर चढ़ कर उसे कपड़े से ढंकते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री सुनक अपने घर पर नहीं थे। वो छुट्टियां मनाने के लिए अपने परिवार के साथ कैलिफोर्निया गए हैं। 10 डाउनिंग स्ट्रीट के मुताबिक पिछले 4 साल में ये उनका पहला फैमिली हॉलिडे है। ग्रीन पीस के मुताबिक पीएम के घर को काले कपड़े से ढककर उन्होंने सुनक से एक सवाल पूछा है। वो जानना चाह रहे हैं कि क्लाइमेट चेंज के खिलाफ लड़ाई में वो किसकी तरफ हैं। बड़ी तेल कंपनियों की तरफ या एक जीवन जीने लायक पृथ्वी की तरफ। दरअसल, हाल ही में ऋषि सुनक ने नॉर्थ सी में तेल और गैस निकालने के लिए कंपनियों को ड्रिलिंग की मंजूरी दी है। इसके तहत सरकार ने कई सौ लाइसेंस इश्यू किए हैं। क्लाइमेट को लेकर काम करने वाली संस्थाओं ने ब्रिटेन की सरकार के इस कदम का विरोध जताया है।

इन देशों में महिलाओं को चैट पर दिल वाली इमोजी भेजना बना अपराध, होगी दो से पांच साल की जेल!

रियाद। आजकल सोशल मीडिया पर लोग अपने दोस्तों या रिश्तेदारों के साथ बात करते समय अक्सर अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए इमोजी का सहारा लेते हैं। चैट के दौरान इमोजी के जरिये अपनी बात कहना आम हो गया है। कुछ लोग मुस्कुराने तो कुछ दुखी होने की इमोजी भेजकर सामने वाले को बताते हैं कि वह कैसा महसूस कर रहे हैं। हालांकि, कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो प्यार या स्नेह जताने के लिए हार्ट यानी दिल वाली इमोजी सेंड करते हैं। लेकिन, अब ऐसा करना अपराध की श्रेणी में आ सकता है और इसके लिए जेल की हवा भी खानी पड़ सकती है। दरअसल, खाड़ी के दो इस्लामिक देश कुवैत और सऊदी अरब में अब किसी महिला को हार्ट इमोजी भेजना मुश्किल में डाल सकता है। दोनों देशों के अधिकारियों का कहना है कि जो लोग महिलाओं को हार्ट इमोजी भेजते हैं, उन्हें अब दो साल तक जेल की सजा हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म या व्हाट्सएप पर महिला या लड़की को दिल वाली इमोजी भेजना अपराध माना जाएगा। इसे अय्याशी के लिए उकसाने के तौर पर देखा जाएगा। कुवैत के एक वकील हाया अल सालाही ने कहा है कि जो लोग इस कानून को तोड़ेंगे और दोषी पाए जाएंगे, उन्हें दो साल जेल की सजा काटनी होगी।

सूंघने की क्षमता का दिमाग पर असर: रात को खुशबू में सोना दिमाग की एक्सरसाइज, इससे याददाश्त कमजोर नहीं होती

वॉशिंगटन। नींद के दौरान कुछ सुगंधों के संपर्क में आने से मस्तिष्क की कार्यक्षमता में नाटकीय रूप से बढ़त होती है। यह दावा अमेरिका की कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी ने रिसर्च के आधार पर किया है। शोधकर्ताओं ने इसके पुख्ता सबूत पेश किए हैं कि सुगंधित हवा सोचने, समझने और याददाश्त से जुड़े मस्तिष्क के न्यूरोलॉजिकल क्षेत्रों को प्रभावित करती है। इससे बौद्धिक क्षमता बढ़ती है। शोधकर्ताओं ने यह रिसर्च 60 से 85 साल के 43 महिला और पुरुषों पर किया। रिसर्च में पता चला कि हर रात सोने से पहले कमरे में तरह-तरह के इत्र को छिड़कने से सोचने, समझने की कमजोरी और डिमेंशिया जैसी बीमारियों की गति को धीमा किया जा सकता है। बढ़ती उम्र के साथ बौद्धिक क्षमता को स्वस्थ रखने के लिए मस्तिष्क के ग्रे मैटर को सक्रिय रखना महत्वपूर्ण है। इसका मतलब रोज सिर्फ क्रॉसवर्ड हल करना नहीं है। बल्कि, दिमाग को उलझाने के लिए अपने आसपास हर तरह के दृश्यों और ध्वनियों से भरना भी है। यह मानना कोई बड़ी बात नहीं कि तरह-तरह की सुगंधों को अनुभव करने से मनुष्य को लाभ हो सकता है।

ब्रिक्स के लिए साउथ अफ्रीका जाएंगे मोदी

संगठन विस्तार पर फैसले में लेंगे हिस्सा ; पाक -सऊदी ने दी ब्रिक्स में शामिल होने की अर्जी

जोहान्सबर्ग।
प्रधानमंत्री मोदी 22-24 अगस्त तक साउथ अफ्रीका में होने वाली ब्रिक्स समिट में शामिल होंगे। इसके लिए वो जोहान्सबर्ग जाएंगे। साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने पीएम को फोन करके ब्रिक्स समिट के लिए का न्योता दिया, जिसे मोदी ने स्वीकार कर लिया। वहीं ब्रिक्स में दूसरे देशों के शामिल होने को लेकर विदेश मंत्रालय का बयान सामने आया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा- इस मुद्दे पर हमारा पक्ष पहले भी रख चुके हैं। कुछ लोग ये झूठ फैला रहे हैं कि भारत को ब्रिक्स के विस्तार से आपत्ति है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। भारत इसके विरोध में नहीं है।

समिट में वर्चुअली जुड़ेंगे पुतिन

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी कहा था कि हम इसे लेकर खुले दिमाग से काम कर रहे हैं। ब्रिक्स संगठन के देश इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि दूसरे देशों के लिए गाइडलाइंस और स्टैंडर्ड पर काम किया जा रहा है। वहीं इस साल ब्रिक्स समिट में रूस के राष्ट्रपति पुतिन शामिल नहीं होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट में पुतिन के खिलाफ वॉर क्राइम्स को लेकर केस दर्ज है और अगर वो जोहान्सबर्ग आते तो मेंबर कंट्री होने के नाते साउथ अफ्रीकी सरकार को पुतिन को गिरफ्तार करना पड़ता। इसलिए दोनों देशों ने आपसी सहमति से ये फैसला लिया है कि पुतिन ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए जोहान्सबर्ग नहीं जाएंगे। हालांकि, वो वर्चुअली हिस्सा ले सकते हैं।

ब्रिक्स में पाकिस्तान भी शामिल होना चाहता है

आर्थिक तंगी से जूझ रहा पाकिस्तान भी ब्रिक्स देशों के संगठन में शामिल होने की इच्छा जता चुका है। पाकिस्तान की सरकार देश को बदहाली से निकालने की कोशिशों में जुटी है। इस बीच रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान अगस्त में साउथ अफ्रीका में होने वाले ब्रिक्स समिट में संगठन में शामिल होने की मांग को आगे बढ़ा सकता है। हालांकि, इसमें पाकिस्तान को जगह मिलना लगभग नामुमकिन है।

पाकिस्तान को शामिल किया तो भारत छोड़ देगा सदस्यता

दुनिया के बड़े संस्थानों पर अमेरिका और पश्चिमी देशों के दबदबे के खिलाफ ब्रिक्स को 16 जून 2009 में बनाया गया था। उस दौरान इसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन शामिल थे। साउथ अफ्रीका दिसंबर 2010 में इसका सदस्य बना।

इस ग्रुप में ज्यादातर तेजी से विकास करने वाले देश हैं। ऐसे में पाकिस्तान के इसमें जुड़ने से संगठन की विश्वसनीयता घट जाएगी। भारत को संगठन में पाकिस्तान का शामिल होना पसंद नहीं होगा और वो एक्टिव मेंबर के तौर पर काम करना बंद कर देगा। भारत लगातार पाकिस्तान पर आतंक फैलाने के आरोप लगाता रहा है। 2016 के ब्रिक्स सम्मेलन में तो पीएम मोदी ने पाकिस्तान को आतंक की मां तक कह दिया। वहीं, अगर भारत ब्रिक्स से अलग होता है तो संगठन कमजोर पड़ जाएगा।

ब्रिक्स से पश्चिमी देशों को डर

सऊदी, यूएई ,मिस्त्र और ईरान समेत दर्जनों देश ब्रिक्स संगठन का सदस्य बनने की इच्छा जाहिर कर चुके हैं और इसकी सदस्यता के लिए अप्लाय भी कर चुके हैं। वहीं, अमेरिका और दूसरे पश्चिमी देशों को डर है कि अगर ब्रिक्स संगठन मजबूत होता है तो अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर उनकी चुनौती बढ़ेगी। ब्राजील नहीं चाहता है कि पश्चिमी देशों को ब्रिक्स के बढ़ते असर पर चिंता हो, जबकि भारत दूसरे देशों को ब्रिक्स संगठन में केवल ऑब्जर्वर के तौर पर रखना चाहता है। किसी भी देश को संगठन का सदस्य बनाने के लिए सभी देशों के बीच सहमति जरूरी है। फिलहाल ब्राजील, रूस, इंडिया, चीन और साउथ अफ्रीका इस संगठन के सदस्य हैं।

भारत के विरोध के बाद बना ड्राफ्ट

दो भारतीय अधिकारियों के मुताबिक संगठन के विस्तार पर भारत के विरोध जताने के बाद एक ड्राफ्ट बनाया गया है। इसमें संगठन में नए सदस्यों को जोड़ने से जुड़े नियम बनाए गए हैं। इन नियमों पर अगले महीने ब्रिक्स समिट के दौरान चर्चा के बाद मुहर लगेगी। भारत ने कहा है कि अगर ब्रिक्स में नए सदस्य जोड़े जाने हैं तो ये वो देश होने चाहिए जो उभरती अर्थव्यवस्था या लोकतंत्र हों। जैसे अर्जेंटीना और नाइजीरिया । एक अधिकारी के मुताबिक भारत ऐसे देशों को संगठन में शामिल करने के खिलाफ है जहां तानाशाही है या किसी एक परिवार का शासन है, जैसे सऊदी अरब। पीएम मोदी ने पिछले महीने इस मुद्दे को लेकर सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से बात की थी और इस मुद्दे को लेकर अपनी चिंता जाहिर की थी।

ब्रिक्स को नाम किसने दिया

एक ब्रिटिश इकोनॉमिस्ट जिम ओनिल ने दुनिया के सबसे ताकतवर इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स में काम करने के दौरान 2001 में यह शब्द गढ़ा था। तब यह केवल ब्रिक्स था।

ईरान से जहाज बचाने उनमें हथियारबंद सैनिक तैनात करेगा अमेरिका

अधिकारी ने कहा- गल्फ में वो अटैक करेंगे तो हम भी जवाब देने को तैयार

वॉशिंगटन/ तेहरान।
गल्फ में ईरान और अमेरिका के बीच हालात बिगड़ते जा रहे हैं। अमेरिका अब होर्मुज के दर्रे से गुजरने वाले कमर्शियल जहाजों में नौसेना के हथियारबंद सैनिक तैनात करेगा। ये वो इलाका है जहां से दुनिया में सप्लाई किए जाने वाले कुल तेल का 20प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। अमेरिका ने इसकी जानकारी दी है। एक अधिकारी ने बताया कि वो सैनिक तैनात करने से जुड़े एग्रीमेंट को जल्द ही लागू कर देंगे। वहीं, जब अधिकारी से पूछा गया कि इस तैनाती से ईरान की फोर्सेज के साथ तनाव तो नहीं बढ़ जाएगा। इसके जवाब में अधिकारी ने कहा- ये तो उन (ईरान) पर निर्भर करता है। अगर ईरान अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का पालन करेगा तो किसी तरह का तनाव पैदा नहीं होगा। वहीं, अगर उनकी तरफ से अटैक हुआ तो हम भी जवाब देने को तैयार हैं।

अमेरिका ने गल्फ में तैनात किए एफ-16 लड़ाकू विमान

ईरान से बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने पिछले महीने गल्फ में लड़ाकू विमान भी तैनात किए थे। एक अधिकारी ने पहचान उजागर न करने की शर्त पर कहा था कि अमेरिका का अटैक एयरक्राफ्ट पहले से ही इलाके की निगरानी कर रहा है। अब एफ-16 लड़ाकू विमान भी तैनात किए गए हैं। अमेरिका ने गल्फ में इस एक्शन की वजह ईरान से जहाजों को बचाना बताया था। अमेरिका ने इस इलाके में 3000 सैनिक तैनात करने की भी बात कही थी। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा था- होर्मुज पास दुनिया के लिए काफी अहम समुद्री रास्ता है। हमने देखा है कि ईरान कैसे इसे प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है। ईरान ने ओमान की खाड़ी में कॉमर्शियल जहाज जब्त किया अमेरिका और ईरान के बीच ओमान की खाड़ी में 2019 से जहाजों को जब्त करने को लेकर विवाद चल रहा है। दरअसल, 2018 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से न्यूक्लियर डील खत्म कर ली थी।

पाकिस्तान-अमेरिका ने साइन किया सिक्योरिटी पैक्ट: रिपोर्ट का दावा- यूएस से फिर हथियार खरीद सकेगा पाक; जॉइंट मिलिट्री ड्रिल भी शुरू हो सकती है

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान ने अमेरिका के साथ नया सिक्योरिटी पैक्ट साइन किया है। रिपोर्ट में किया है। इसी के साथ लंबे समय से दोनों देशों के बीच चल रहे तनाव के बाद नया रक्षा सहयोग शुरू हो सकता है। वहीं पाकिस्तान को अमेरिका से नए हथियार मिलने का रास्ता भी साफ हो जाएगा। शाहबाज कैबिनेट ने कम्यूनिकेशन इंटर ऑपरेबिलिटी एंड सिक्योरिटी मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट को मंजूरी दे दी है। इस एग्रीमेंट को लेकर अभी किसी भी देश की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड चीफ से मिले थे पाक आर्मी चीफ

कुछ दिन पहले ही पाकिस्तानी सेना के चीफ जनरल आसिम मुनीर ने यूएस सेंट्रल कमांड के चीफ जनरल माइकल एरिक कुरिल्ला से मुलाकात की थी। तब दोनों के बीच बाइलेट्रल के साथ डिफेंस के लेवल पर भी सहयोग बढ़ाने को लेकर सहमति बनी थी।

2005 में अमेरिका-पाकिस्तान में हुआ था एग्रीमेंट

पाकिस्तान और अमेरिका के बीच यह समझौता पहली बार 18 साल पहले अक्टूबर 2005 में हुआ था, जो 2020 में खत्म हो गया था। अब दोनों देशों ने फिर से इस पर साइन किया है। इससे पाकिस्तान और अमेरिका के बीच जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज, ट्रेनिंग, वेपेन डील जैसी कई चीजें वापस शुरू हो सकती हैं। पाकिस्तानी सेना अमेरिकी कंपनियों के बनाए गए हथियार इस्तेमाल करती है। रिपोर्ट के मुताबिक, अब इस समझौते के बाद अमेरिका फिर से पाकिस्तान को हथियार सप्लाई शुरू कर सकता है। सीआईएस - एमओए एक फाउंडेशनल एग्रीमेंट है, जो अमेरिका अपने उन सहयोगी देशों के साथ करता है, जिनके साथ वह करीबी रक्षा संबंध रखना चाहता है। यह समझौता डिफेंस एक्सपोर्ट के लिए लीगल कवर के रूप में भी काम करता है, जिसकी मदद से अमेरिका किसी देश को आसानी से अपने हथियार बेच सकता है।

अमेरिकी नेवी अफसरों ने चीन को सीक्रेट इन्फर्मेशन बेची : नेवी बेस सिक्योरिटी, हथियारों, मिलिट्री ड्रिल की फाइल्स लीक कीं; वॉरशिप्स की कमजोरी बताई

वॉशिंगटन।
अमेरिका ने चीन को देश से जुड़ी खुफिया जानकारी देने के आरोप में 2 नेवी अफसरों को गिरफ्तार किया है। रॉयटर्स के मुताबिक, एक अफसर का नाम वेनहेंग झाओ है, जिसने करीब साढ़े 12 लाख रुपए के बदले अमेरिकी मिलिट्री से जुड़ी कई संवेदनशील फोटोज और वीडियो बेच दिए थे। दूसरे अफसर का नाम जिनचाओ वेई है, जिसने कई हजार डॉलर के बदले नेशनल डिफेंस से जुड़ी जानकारी लीक करने की साजिश रची थी। झाओ पर आरोप है कि उसने अपने चीनी साथियों को इंडो-पैसेफिक में अमेरिका की मिलिट्री एक्सरसाइज, इलेक्ट्रिकल डायग्राम, जापान में अमेरिकी मिलिट्री बेस के रडार सिस्टम के ब्लू प्रिंट्स और लॉस एंजेल्स के पास मौजूद अमेरिकी नेवी बेस से जुड़ी सिक्योरिटी डिटेल्स बेची हैं।

वॉरशिप्स के पावर स्ट्रक्चर और वेपंस की जानकारी दी

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, सैन डिएगो में अमेरिकी युद्धपोत स्स एसेक्स पर काम करने वाले वेई ने चीन को अमेरिकी वॉरशिप्स से जुड़े 30 तकनीकी मैनुअल्स के साथ उसके पावर स्ट्रक्चर और जहाज के हथियारों से जुड़ी जानकारी दी है। उसने चीन को ये भी बताया है कि इन वॉरशिप्स की कमजोरी क्या है। मामला सामने आने के बाद अमेरिकी अधिकारियों ने चीन के इस जासूसी ऑपरेशन की निंदा की।

आरोपियों पर जासूसी के चार्ज, 20 साल से ज्यादा की सजा मुमकिन

एफबीआई के स्पेशल एजेंट स्टेसी मोय ने कहा कि चीन अमेरिका के लिए सबसे बड़ा खतरा है, जो शायद कई पीढ़ियों तक रहेगा। बीजिंग किसी भी हाल में अमेरिका पर हमले बंद नहीं करने वाला है। वो इन सब हरकतों के जरिए दुनिया की इकलौती सुपरपावर बनना चाहता है। दोनों आरोपियों पर चीन के लिए जासूस करने के चार्ज लगाए गए हैं। अगर वो दोषी साबित हो जाते हैं तो उन्हें 20 साल से ज्यादा की सजा सुनाई जा सकती है। असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल मैट ओल्सन ने कहा- दोनों आरोपियों की वजह से अमेरिका की सुरक्षा से जुड़ी खुफिया जानकारी चीन के हाथ चली गई। इनमें से एक को हाल ही में अमेरिका की नागरिकता मिली है और दूसरे ने इसके लिए अप्लाय कर रखा है। उन्हें अपने नए देश का साथ देने की जरूरत थी। फिलहाल चीन की तरफ से मामले में कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

अमेरिकी मिलिट्री बेस के पास स्कूलों की फंडिंग कर रहा चीन

2 दिन पहले ही आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन अमेरिका के मिलिट्री बेस के पास मौजूद 20 स्कूलों में भी घुसपैठ की कोशिश कर रहा है। चीन ने अमेरिका के पब्लिक स्कूलों को करीब 2 करोड़ डॉलर की फंडिंग की है। अमेरिकी ऑर्गनाइजेशन पेरेंट्स डिफेंडिंग एजुकेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के तीन टॉप साइंस एंड टेक्नोलॉजी हाई स्कूल ऐसे पाए गए हैं, जिनको चीन की सरकार सीधे तौर पर फंडिंग कर रही है।

ट्रम्प ने कोर्ट में खुद को बताया निर्दोष

कहा- ये अमेरिका के लिए दुखद दिन; कैपिटल हिंसा मामले में 28 अगस्त को अगली सुनवाई

वॉशिंगटन।
अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 2020 का चुनाव पलटने की कोशिश के आरोप में कोर्ट में पेश हुए। इस दौरान उन्होंने खुद को निर्दोष बताया। वॉशिंगटन के कोर्ट हाउस में करीब आधा घंटा सुनवाई चली। इस दौरान कोर्ट के बाहर ट्रम्प के सपोर्ट में और उनके खिलाफ प्रदर्शन होते रहे। कोर्ट ने केस में अगली सुनवाई के लिए 28 अगस्त की तारीख तय की है। हालांकि, भारतीय मूल के जस्टिस उपाध्याय ने कहा कि ट्रंप को अगली सुनवाई के वक्त कोर्ट में हाजिर होने की जरूरत नहीं होगी। उन्हें बिना यात्रा प्रतिबंध के रिहा कर दिया गया। उनकी रिहाई की शर्त यह है कि वह किसी भी गवाह के साथ मामले पर चर्चा नहीं करेंगे, जब तक उनके वकील उनके साथ न हों। इसके बाद वॉशिंगटन से न्यू जर्सी जाते वक्त ट्रम्प ने मीडिया से बात की।

ट्रम्प पर 5 महीने में तीसरा क्रिमिनल केस दर्ज

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा- ये अमेरिका के लिए बेहद दुख का दिन है। मुझे राजनीतिक प्रतिद्वंदी होने की सजा मिल रही है। वॉशिंगटन की बिल्डिंग और दीवारों पर लोगों ने पेंटिंग बना रखी हैं, जिसे देखकर मुझे दुख हो रहा है। पिछले 5 महीने में ये तीसरी बार है जब ट्रम्प पर क्रिमिनल केस दर्ज हुआ है। मंगलवार को 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद कैपिटल हिल में हुई हिंसा के मामले में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर क्रिमिनल केस दर्ज किया गया था। उन पर 4 आरोप लगाए गए हैं। इनमें देश को धोखा देने की कोशिश, सरकारी कामकाज में बाधा डालने की साजिश और जनता के अधिकारों के खिलाफ साजिश रचने जैसे आरोप हैं।

45 पेज की चार्जशीट, 20 साल जेल की सजा भी मुमकिन

2020 के अमेरिकी चुनाव के परिणामों को पलटने के ट्रम्प की कोशिशों की जांच कर रहे जस्टिस डिपार्टमेंट के स्पेशल काउंसिल जैक स्मिथ ने 45 पेज की चार्जशीट दायर की है। ट्रम्प पर जो आरोप लगाए गए हैं, उनमें से 2 चार्ज में जेल जाने का भी प्रावधान है। देश का धोखा देने की साजिश के आरोप में ट्रम्प को 20 साल की जेल और लोगों के अधिकारों के खिलाफ साजिश रचने के मामले में उन्हें 10 साल की जेल की सजा हो सकती है। ट्रम्प ने चुनाव को लेकर झूठ फैलाया चार्जशीट में कहा गया है कि नवंबर 2020 में चुनाव होने के 2 महीने बाद तक ट्रम्प ने ये झूठ फैलाया कि चुनाव में धांधली हुई है और असल में वो ही इसे जीते हैं। ये आरोप झूठे थे और ट्रम्प ये बात जानते थे, लेकिन वो फिर भी ऐसा करते रहे जिससे देश में गुस्से और अविश्वास का माहौल बने और लोगों का चुनाव प्रक्रिया से विश्वास उठ जाए। कैपिटल हिंसा मामले में अब तक 1100 आरोपी केस में स्मिथ ने कहा- हम मामले में जल्द से जल्द सुनवाई पूरी करने की कोशिश करेंगे। 6 जनवरी को कैपिटल हिल पर हुई हिंसा देश के लोकतंत्र पर हमला है। ये हमला झूठ के आधार पर उकसाया गया था। आरोपियों के झूठ की वजह से राष्ट्रपति चुनाव और सरकार के कामकाज में बाधा आई थी। ट्रम्प के अलावा इस मामले में अब तक 1100 लोगों को आरोपी ठहराया जा चुका है। जस्टिस डिपार्टमेंट जल्द ही करीब 1 हजार लोगों के खिलाफ चार्जशीट दायर कर सकता है। अमेरिका में 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल यानी अमेरिकी संसद में ट्रम्प के समर्थकों ने हिंसा की थी। 3 नवंबर 2020 को राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग में बाइडेन को 306 और ट्रम्प को 232 इलेक्टोरल वोट मिले। नतीजे सामने आते ही ट्रम्प और उनके समर्थकों ने चुनाव में धांधली के आरोप लगाए। वोटिंग के 64 दिन बाद जब अमेरिकी संसद बाइडेन की जीत पर मुहर लगाने में जुटी तो ट्रम्प के समर्थक संसद में घुस गए। वहां तोड़फोड़ और हिंसा की।

मेवात हिंसा : रोहिंग्या के घरों पर चला खट्टर का बुलडोजर

अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी, रोहिंग्याओं और घुसपैठियों पर हुई कड़ी कार्रवाई

नूंह/गुरुग्राम (हिंस)। मेवात में हुए दंगों के बाद पुलिस ने रोहिंग्याओं और अवैध घुसपैठियों पर बड़ा एक्शन लिया है। शुक्रवार को सरकार का बुल्डोर भी अवैध घुसपैठियों के घरों पर चल गया। प्रशासन ने तावजू इलाके में सरकारी जमीन पर कब्जा जमाए बैठे घुसपैठियों के 200 से ज्यादा घरों को जमींदोज कर दिया। पुलिस सूत्रों की माने तो शुरुआती जांच में ये लोग हिंसा में शामिल पाए गए हैं। ऐसे में पुलिस ने अवैध कब्जों पर बुलडोजर चलाया है। यहां रह रहे कई युवकों का नाम एफआईआर में भी दर्ज है। नूंह जिले के एसपी नरेंद्र बिजराणिया ने बताया कि हरियाणा विकास प्राधिकरण की जमीन पर लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इस जमीन को खाली करवाया है। उन्होंने कहा कि दंगों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। सरकार की ओर से सख्त कार्रवाई की जा रही है। एसपी ने बताया कि अब तक 55 एफआईआर दर्ज की गई है और 141 गिरफ्तारियां हुई हैं। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ और जांच चल रही है। पुलिस को जैसे-जैसे

कहीं भी सुराग मिलता है उस पर काम कर रही है। गुरुवार को भी 19 लोगों को न्यायिक हिरासत में लिया गया था और बाकी रिमांड पर हैं। हरियाणा सरकार ने गुरुवार देर रात नूंह जिला के एसपी वरूण सिंगला के तबादले के आदेश जारी कर दिए हैं। आदेशों में उनका भिवानी में तबादला किया गया है। वहीं उनके स्थान पर अब नरेंद्र बिजारणिया को नूंह एसपी की जिम्मेदारी दी गई है। बता दें कि ब्रजमंडल धार्मिक यात्रा के दौरान हुई हिंसा में अभी तक 88 लोगों के घायल होने और 6 लोगों की मौत की पुष्टि प्रशासन की तरफ से की गई है।

अमृतसर में पंजाब रोडवेज की बस में लगी आग

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के ऐतिहासिक शहर अमृतसर में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब बस अड्डे पर खड़ी रोडवेज की एक बस में अचानक आग लग गई। बस पूरी तरह से जल गई है। आग के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यानी देर रात करीब ढाई बजे चंडीगढ़ से आई पनबस रोडवेज वर्कशॉप में पहुंची थी। रात को बस सही सलामत खड़ी की गई। सुबह करीब पांच बजे वर्कशाप में पहुंचे कर्मचारियों ने देखा कि बस में से आग की लपटें उठ रही हैं। सभी ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग बढ़ने लगी। इसके बाद घटना की सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और उन्होंने आग पर काबू पाने का प्रयास किया। कर्मचारियों ने वर्कशाप में आसपास खड़ी अन्य बसों को सुरक्षित बाहर निकाल दिया।

अवैध निर्माण की शिकायत के निकाय मंत्री ने व्हाट्सएप नंबर किया जारी

अनधिकृत कॉलोनियों और गैर कानूनी निर्माण चिंता का विषय : बलकार सिंह

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में नगर निगमों, नगर काउंसिलों और नगर सुधार ट्रस्टों के अधिकार क्षेत्र में अनधिकृत निर्माणों के मुद्दे को हल करने की कोशिश के तौर पर स्थानीय निकाय और संसदीय मामलों संबंधी मंत्री बलकार सिंह ने शुक्रवार को म्यूनिसिपल भवन चंडीगढ़ में एक व्हाट्सएप नंबर जारी किया है। इस नंबर पर अवैध निर्माण की शिकायत करने की जा सकेगी। स्थानीय निकाय और संसदीय मामलों संबंधी मंत्री बलकार सिंह ने कहा कि तेजी से बढ़ रहे शहरीकरण और आबादी की वृद्धि से अनधिकृत कॉलोनियों और गैर कानूनी निर्माण एक चिंता का विषय है। इस मुद्दे का प्रभावशाली ढंग से समाधान करने के लिए सरकार ने नागरिकों को ऐसी उल्लंघनाओं की शिकायत करने के लिए एक सुगम और सुविधाजनक प्लेटफार्म प्रदान करने की पहल की है। उन्होंने कहा कि इस व्हाट्सएप नंबर 7889149943 पर स्थानीय निवासी अनधिकृत निर्माणों और कॉलोनियों के बारे शिकायतें दर्ज करवा सकते हैं। संबंधित कानूनों और नियमों को लागू करने को यकीनी बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों ने सभी शिकायतों की समीक्षा की जाएगी और तुरंत कार्रवाई की जाएगी। मंत्री बलकार सिंह ने समूह नागरिकों को आगे आने और अनधिकृत निर्माणों के विरुद्ध इस मुहिम में हिस्सा लेने की अपील की, क्योंकि यह पंजाब के शहरों और कस्बों के योजनाबद्ध और टिकाऊ विकास को कायम रखने में महत्वपूर्ण योगदान डालेगा। इस मौके पर स्थानीय निकाय विभाग के सचिव अजोए शर्मा, डायरैक्टर उमा शंकर गुप्ता, मुख्य निगरान अधिकारी राजीव सेखड़ी उपस्थित थे।

गुरुग्राम : आधी रात में शरारती तत्वों ने तोड़ी तीस गाड़ियां

लाइट जाते ही युवकों ने भिवानी एनक्लेव में मचाया आतंक

गुरुग्राम (हिंस)। गुरुवार की आधी रात में भिवानी एनक्लेव में शरारती तत्वों ने जमकर आतंक मचाया। युवकों ने यहां खड़ी लगभग 30 गाड़ियों पर जमकर पत्थरबाजी की और उनके शीशे तोड़ डाले। इसका खुलासा तब हुआ जब गुरुवार को कालोनी के लोग सोकर उठे और बाहर आकर अपनी गाड़ियों की हालत देखी। इस संबंध में स्थानीय लोगों ने सेक्टर-9 थाना में अपनी शिकायत दर्ज कराई है। इसी बीच एक युवक गाड़ी में ईंट मारता हुआ सीसीटीवी में कैद हुआ है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। गुरुवार देर रात लगभग डेढ़-दो बजे के करीब लाइट चली गई। लाइट जाते ही पूरी कालोनी में अंधेरा छा गया। इसी बीच कुछ शरारती किस्म के युवक आए और उन्होंने जमकर गाड़ियों पर ईंट-पत्थर बरसाकर खड़ी गाड़ियों के शीशे तोड़ डालें और मौके से फरार हो गए। पत्थर मारकर शीशा तोड़ने की इस घटना में एक युवक की फोटो सीसीटीवी में कैद हो गई। सुबह जब लोग सोकर उठे तो उन्होंने गलियों में ईंट पत्थर नजर आए और उनकी गाड़ियां क्षतिग्रस्त थी। घटना की जानकरी मिलते ही भिवानी एनक्लेव के लोग इक्ट्ठे हो गए और इसकी सूचना पुलिस को दी। गाड़ियों में तोड़-फोड़ की सूचना के बाद गुरुग्राम की सेक्टर-9 पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपियों की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं। कालोनिवासियों का कहना है कि हमने आज तक इस तरह की घटना ना देखी और ना सुनी कि बिना किसी कारण के कोई इतना नुकसान कर दे। उन्होने पुलिस से आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है।

हड़ताली लिपिकों ने फूंका मुख्यमंत्री व उप-मुख्यमंत्री का पुतला

हिसार (हिंस)। क्लेरिकल एसोसिएशन वेलफेयर सोसायटी (सीएडब्ल्यूएस) के आह्वान पर पिछले एक माह से हड़ताल पर चल रहे लिपिकों ने शुक्रवार को लघु सचिवालय के समक्ष मुख्यमंत्री मनोहर लाल व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का पुतला फूंका। हड़तालियों ने सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते एसोसिएशन के जिला प्रधान जितेन्द्र श्योराण ने बताया कि सरकार लिपिकीय वर्ग की मांगों को अनदेखा करके सड़कों पर लाने के मजबूर कर रही है। पिछली बैठक के बाद सरकार ने वादा किया था कि इस सप्ताह बैठक बुलाकर आपकी जायज मांग को पूरा किया जाएगा, परंतु सरकार द्वारा इस सप्ताह कोई बैठक नहीं की गई। उन्होंने कहा कि गुरुवार को शक्ति प्रदर्शन के लिए मजबूरन हमें सड़कों पर आना पड़ा, जिससे आम जनता परेशान हो रही है, परंतु सरकार का इस पर कोई असर नहीं है। सरकार कर्मचारी और आम जनता को आपस में लड़वाने का

काम कर रही है ताकि कर्मचारियों का आंदोलन कमजोर पड़े। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रत्येक कार्य को धरातल पर उतारने वाले लिपिकीय वर्ग आज जो भी कदम उठा रहा है वो सरकार की तानाशाही व हठधर्मी के कारण उठा रहा है जिसकी सरकार जिम्मेवार है। हरियाणा रोडवेज से अधीक्षक सुभाष ढिल्लों ने कहा कि आज प्रत्येक वर्ग सरकार से दु:खी है। किसान, मजदूर तथा कर्मचारी प्रत्येक धरने पर बैठा है, जिसका सरकार पर कोई असर नहीं है। सरकारी विभागों में कार्य ना होने के कारण आम जनता परेशान है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि सरकार पिछले लंबे समय से शोषित लिपिकीय वर्ग की सुने तथा उनकी जायज मांग को जल्द से जल्द पूरा करें। उपायुक्त कार्यालय के प्रधान राजेश घोटिया ने बताया कि धरने के 31वें दिन हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार से दिनेश कुमार, सहायक तथा अमित कुमार सहायक ने धरने की अध्यक्षता की। हकृवि से कर्मचारी बलराज खरब, सुनील भादू, सुमित नेहरा, रितू तथा अंजू क्रमिक भूख हड़ताल पर रही। उपायुक्त कार्यालय के लिपिक अनिल रूहेल तथा पार्टी सदस्य बिरजू सोनी, कैलाश तथा काला पाली ने देशभक्ति रागनियों से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया। इस अवसर पर राजेन्द्र ढांडा, संदीप पंघाल, महेन्द्र बिश्नोई, अनिल ग्रेवाल, गौरव, निधी, नैंसी, तथा जंगबीर पूनिया ने धरनास्थल को संबोधित किया।

विदाई के साथ प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने दिया एकजुटता का संदेश

श्रीगंगानगर (हिंस)। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने श्रीगंगानगर जिले के दौरे के दौरान जहां कार्यकर्ताओं और नेताओं की नब्ज टटोली, वहीं उन्हें कई संदेश और नसीहत भी दी। सबसे रोचक दृश्य शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे भाजपा जिला कार्यालय में उस समय देखने को मिला, जब वे हनुमानगढ़ के लिए रवानगी ले रहे थे। उन्होंने गाड़ी में अपने साथ सांसद निहालचंद और रायसिंहनगर विधायक बलवीर सिंह लूथरा को पीछे की सीट पर साथ-साथ बिठाया और दोनों के साथ भाजपा की प्रदेश मंत्री प्रियंका बैलाण बैठी। गाड़ी को भाजपा नेता गुरवीर सिंह बराड़ ने ड्राइव किया। सांसद निहालचंद और विधायक बलवीर लूथरा राजनीतिक मामलों में एक-दूसरे के विरोधी नेता माने जाते हैं और कई कार्यक्रमों को लेकर दोनों में 36 का आंकड़ा भी सामने आ चुका है। जब वे एक सीट पर साथ-साथ बैठे तो कार्यकर्ताओं में एकजुटता का संदेश भी गया। सीपी जोशी के दौरे के दौरान गुरुवार से विधानसभा चुनाव के लिए टिकट के दावेदारों ने अपना शक्ति प्रदर्शन करने के लिए खूब भागदौड़ की। कई नेता सीपी जोशी को मिलने के लिए आज सुबह भी सर्किट हाउस पहुंचे। उन्होंने पहले स्वागत किया और फिर टिकट के लिए अपना दावा भी पेश किया। इनमें केसरीसिंहपुर नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन महेन्द्र रस्सेवट सहित कई नेता शामिल हैं। इस संबंध में जब रस्सेवट से बात की तो उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अपनी टीम के साथ श्रीकरणपुर विधानसभा से टिकट का दावा पेश किया है। प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने शुक्रवार सुबह पार्टी कार्यालय में पार्टी के विभिन्न मंडल प्रमुखों और उनसे ऊपर के पदाधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने एकजुटता पर जोर देते हुए अधिकाधिक लोगों को पार्टी से जोडऩे का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इसके लिए संबंधित क्षेत्र के हर घर तक पहुंचना होगा, तब बात बनेगी। जब पार्टी कार्यालय की दूसरी मंजिल पर सीपी जोशी पदाधिकारियों की बैठक ले रहे थे, उस दौरान कई नेता और कार्यकर्ता फ्लोर पर बैठकर मीटिंग खत्म होने का इंतजार रहे थे। वहीं भाजपा के युवा नेता गुरवीर सिंह बराड़ अपने समर्थकों के साथ सोफे पर बैठकर दौरे को लेकर चर्चा करते नजर आए। दौरे की थकान के चलते उन्हें कई बार उबासी आ रही थी और फोन की घंटी बजने पर वे एकदम एक्टिव होकर बात कर रहे थे। वहीं कई कार्यकर्ता चाय की चुटकियों के साथ चर्चा में व्यस्त थे। वहीं महेंद्र रस्सेवट अपने समर्थकों के साथ दूसरे कमरे में बैठकर जोशी से पुन: मिलने का इंतजार कर रहे थे। पार्टी कार्यालय में आज कार्यकर्ता तो इक्का-दुक्का ही नजर आए, मगर ज्यादा संख्या पार्टी पदाधिकारियों और टिकट के दावेदारों की रही। इनमें सांसद निहालचंद मेघवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष सीआर चौधरी विधायक बलवीर लूथरा, जिला अध्यक्ष शरणपाल सिंह मान, संजय मूंदड़ा, संजय महीपाल, सरदूल सिंह कंग, श्रवण सिंह बगड़ी, प्रदीप धेरड़, प्रियंका बैलाण, श्याम धारीवाल, लोकेश मनचंदा, लक्की दावड़ा, धर्मवीर डुडेजा, विनीता आहुजा, महेश पेड़ीवाल, जयदीप बिहाणी, विरेन्द्र राजपाल, डॉ. भरत मैयर, डॉ. ओपी महेंद्रा, महेंद्र सिंह सोढ़ी, बलविन्द्र सिंह मग्गो, जुगल डूमरा, सीताराम मार्च, सुशील अरोड़ा, चुन्नीलाल रतवाया, अंजू सैनी, चेष्टा सरदाना, बबीता गौड़ रमजान अली चोपदार, रतन गणेशगढ़िया, राजकुमार सोनी के अलावा विभिन्न मंडलों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

पटौदी में हिंदू संगठनों ने निकाला विरोध मार्च

गुरुग्राम (हिंस)। मेवात के नूंह में हुए दंगों को लेकर हिंदू संगठनों में काफी रोष है। दंगों के कारण हुई हिंसा के विरोध में शुक्रवार को पटौदी में हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन करते हुए विरोध मार्च निकाला और एसडीएम के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। पटौदी के एसडीएम संदीप अग्रवाल ने बताया कि 31 जुलाई को नूंह में भगवा यात्रा के दौरान हुई घटना की आग आसपास के इलाकों में भी पहुंच गई है। हालांकि प्रशासन पूरी कोशिश कर रहा है कि यह आग और न फैले। फिलहाल छोटी-मोटी घटनाओं को छोड़ दें तो पटौदी में अभी शांति बनी हुई है। मेवात में हुई हिंसा से आहत सैकड़ों आक्रोशित हिंदू संगठन पटौदी के पुराने कोर्ट पर एकत्रित होकर बाजार में दुकानों को बंद कराते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे। संगठन के लोगों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंप कर मेवात हिंसा में शामिल आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की। विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने कहा कि झुग्गी-झोपड़ियों में ऐसे हजारों लोग रह रहे हैं जिनकी जांच होनी बहुत जरूरी है। प्रदर्शन में शामिल तेजपाल पटवारी, राजेंद्र पहाड़ी, संजीव जनौला व अन्य लोगों ने बताया कि मेवात के कांग्रेस विधायक मामन खान के बयानों ने दंगा भड़काने में आग में घी का काम किया हैं।

सुप्रीम कोर्ट से राहुल गांधी को राहत मिलने पर कांग्रेसियों ने मनाया जश्न

अररिया (हिंस)। अररिया चांदनी चौक पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को राहत मिलने पर कांग्रेसियों ने जश्न मनाया। पार्टी एवं राष्ट्रीय ध्वज के साथ कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की और पटाखे फोड़ अपनी खुशियों का इजहार किया। मौके पर कार्यकर्ताओं के द्वारा मिठाइयों का वितरण किया गया। मौके पर बड़ी संख्या में कॉन्ग्रेस के विभिन्न प्रकोष्टों के नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे। मौके पर कांग्रेसी नेता एवं पार्टी के जिला प्रवक्ता इश्तियाक आलम ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को सत्य की विजय करार दिया और कहा कि असत्य चंद गुजराती लोग जो कांग्रेस सहित देश के लोकतंत्र पर आक्रमण कर रहे थे, उनके मंसूबों पर पानी फिर गया। राहुल गांधी की सदस्यता बहाल हुई और उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगी। वही महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष अफसाना हसन ने कहा कि राहुल गांधी की बरी होना न केवल सत्य की जीत है, बल्कि नफरत की दुनिया में मोहब्बत का पैगाम भी है। एआईसीसी के प्रदेश प्रतिनिधि सह अल्पसंख्यक प्रकोष्ट के जिलाध्यक्ष मासूम रजा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला लोकतंत्र और संविधान को बचाने वाला फैसला है और यह जीत सच्चाई की जीत है। उन्होंने कहा कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं जिसे आज सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले से सिद्ध कर दिखाया। उन्होंने कहा कि आज सत्ता पक्ष के लोग राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियता से खौफ में है। जिसको लेकर हमेशा कुछ न कुछ षड्यंत्र रचते रहते हैं। वहीं कांग्रेस के महासचिव खालीद हुसैन ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला संविधान सहित लोकतंत्र को जिंदा रखने वाला फैसला है। मौके पर बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद थे।

सांप्रदायिक हिंसा के खिलाफ वकीलों ने भेजा राज्यपाल को ज्ञापन

हिसार (हिंस)। जिला बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान एडवोकेट प्रदीप बाजिया और पूर्व सचिव एडवोकेट सोमदत शर्मा के नेतृत्व में वकीलों के एक दल ने शुक्रवार को उपायुक्त उत्तम सिंह से मुलाकात की और उन्हें राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। वकीलों ने ज्ञापन में कहा कि नूंह में सुनियोजित तरीके से सांप्रदायिक ताकतों ने हिंसा की हैं। सरकार की भूमिका पर भी प्रदेश में सवाल खड़े हो रहे है। ज्ञापन में वकीलों ने कहा कि पुलिस कारवाई भी एक समुदाय विशेष के खिलाफ की जा रही है। ऐसे में वकीलों को भी संविधान की चिंता है। सरकार कानूनों से

परे जाकर बुलडोजर जस्टिस के बहाने जनता की भावनाओं को भड़का रही है। वकील समूह ने कहा की नूंह हिंसा की हाईकोर्ट के सिटिंग जज से जांच करवाई जाए ताकि मामले की बारीकी से जांच होकर सच सबके सामने आ सके। चुनाव नजदीक होने के कारण विशेष राजनितिक दल द्वारा धर्म और जाति के नाम पर जो तनाव पैदा किया जा रहा है वह बेहद अनुचित है। इस अवसर पर एडवोकेट अर्जुन सिंह, एडवोकेट बजरंग इंदलल, एडवोकेट विक्रम मित्तल, एडवोकेट रत्न सिंह पानू, एडवोकेट बलवंत बोंदियां, एडवोकेट अनिल कुमार जलंधरा, एडवोकेट अंकित मलिक, एडवोकेट आशीष विश्नोई, एडवोकेट सुरेन्द्र सहरावत, एडवोकेट प्रमोद बागड़ी, एडवोकेट अनिल पांचाल व अन्य मौजूद रहे।

महंगाई, भ्रष्टाचार व बिगड़ती कानून व्यवस्था पर 9 अगस्त को राज्यव्यापी प्रदर्शन करेगी कांग्रेस

चंडीगढ़ (हिंस)। भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत के अवसर पर 9 अगस्त को हरियाणा कांग्रेस ने प्रदेश के सभी जिलों में प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी उदयभान ने इस संबंध में सभी नेताओं को निर्देश जारी कर दिए हैं। पार्टी अध्यक्ष उदयभान ने एक पत्र जारी कर सभी कार्यकर्ताओं से 9 अगस्त को अंग्रेजों भारत छोड़ो दिवस पर राज्यव्यापी आंदोलन का आह्वान किया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा-जजपा सरकार के कार्यकाल में बढ़ती महंगाई, भ्रष्टाचार, बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर कार्यकर्ता सड़कों पर उतरेंगे। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को जिला स्तर पर धरना-प्रदर्शन कर रिपोर्ट प्रदेश मुख्यालय भेजने के निर्देश दिए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष के अनुसार अंग्रेजों भारत छोड़ो दिवस के अवसर पर सरकार के खिलाफ आंदोलन छेड़ा जाएगा। उन्होंने भाजपा सरकार को अहंकारी बताते हुए दलितों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं, आदिवासी समुदायों को अपमानित करने के खिलाफ सरकार के

विरुद्ध आंदोलन छेड़ने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में कानून-व्यवस्था बुरी तरह से बिगड़ चुकी है। इस मुद्दे पर सरकार को घेरने के लिए प्रदेश के सभी जिलों में 9 अगस्त को प्रदर्शन किया जाएगा।

भ्रष्टाचारियों को पकड़वाया तो एसीबी ने किया सम्मानित

शिकायतकर्ताओं ने राष्ट्र सेवा में अपना अमूल्य योगदान दिया : एसपी राजेश कुमार

हिसार (हिंस)। हरियाणा सरकार की भ्रष्टाचार मुक्त भारत-विकसित भारत बनाने की मुहिम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने वाले शिकायतकर्ताओं का एंटी करप्शन ब्यूरो के कार्यालय में सम्मान किया गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर के निर्देशानुसार एंटी करप्शन ब्यूरो के पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने शिकायतकर्ताओं को सम्मानित करते हुए उनके कार्य की प्रशंसा की। एंटी करप्शन ब्यूरो कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने हिसार कार्यालय के अधीन आने वाले जिलों के शिकायतकर्ताओं का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि उन्होंने भ्रष्टाचारियों के नाम का पर्दाफाश करके इमानदार समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभाई है। आज के दौर में शिकायत करना आसान नहीं है क्योंकि समाज

में भ्रष्ट लोगों की संख्या काफी ज्यादा है, शिकायत के बाद शिकायतकर्ता को मामले के निपटारे तक कई दबाव का सामना करना पड़ता है। प्रदेश में भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने के लिए शिकायतकर्ताओं ने राष्ट्र सेवा में अपना अमूल्य योगदान दिया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति हरियाणा सरकार के खजाने से वेतन प्राप्त करता है चाहे वह किसी भी विभाग में किसी भी पद पर कार्यरत हो, उसके द्वारा किसी भी सरकारी कार्य के लिए रिश्वत की मांग करता है तो इस संबंध में आम जनता का कोई भी व्यक्ति बिना किसी भय के अपनी शिकायत दे सकता है। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने कहा कि सरकारी तंत्र से भ्रष्टाचार मिटाना हम सबकी जिम्मेदारी है और भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए हर नागरिक को एंटी करप्शन ब्यूरो का सहयोग करना चाहिए।

15 साल में पहली बार जोमैटो को मुनाफा : मजाक में लोग बोले- 2 करोड़ मुझसे ले लेता भाई, घर-घर खाना ना देना पड़ता

नई दिल्ली।
फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो को फाइनेंशियल ईयर 2024 की पहली तिमाही में 2 करोड़ रुपए का प्रॉफिट हुआ है। यह पहला मौका है जब कंपनी ने मुनाफा दर्ज किया है। कंपनी की स्थापना 15 साल पहले 2008 में हुई थी। इसे लेकर एक यूजर ने पोस्ट में मजाक में लिखा, 2 करोड़ मुझसे ले लेता भाई, इतना घर-घर जाकर खाना डिलीवर करने की क्या जरूरत थी।

इस पोस्ट पर कंपनी के फाउंडर और सीईओ ने दीपेंद्र गोयल लिखा ट्वीट ऑफ द डे यानी हंसते-हंसते लोट-पोट हो जाना। कई लोगों ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिए दिपेंद्र को बधाई भी दी। पेटीएम के फाउंडर और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने कहा- इनक्रेडिबल एफर्ट्स की तारीफ की है। इसके साथ ही अन्य लोगों ने भी कंपनी को बधाई दी है।

सभी निवेशकों और स्टार्टअप्स के लिए यह अच्छा संकेत

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने जोमैटो को बधाई देते हुए लिखा,यह सभी निवेशकों और स्टार्टअप्स के लिए एक अच्छा संकेत है। सभी भारतीय टेक स्टार्टअप्स प्रॉफिट हासिल करने के लिए काम कर रहे हैं। इस पोस्ट का जवाब देते हुए दिपेंद्र ने कहा- बहुत बहुत धन्यवाद सर। हमारा लक्ष्य बेहतर सेवाओं के निर्माण के लिए लाभ कमाना है, न कि लाभ कमाने के लिए सेवाओं का निर्माण करना।

जून तिमाही में रेवेन्यू 71प्रतिशत बढ़कर 2,416 करोड़ रहा

जोमैटो ने यानी फाइनेंशियल ईयर 2024 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। जून तिमाही में कंपनी को 2 करोड़ रुपए का प्रॉफिट हुआ है। एक साल पहले कंपनी को 186 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। इस तिमाही में कंपनी का सालाना आधार पर रेवेन्यू 71प्रतिशत बढ़कर 2,416 करोड़ रुपए हो गया है। पिछले साल रेवेन्यू1,414 करोड़ रुपए था।

जोमैटो के शेयर में 10प्रतिशत से ज्यादा की तेजी

जोमैटो के शेयर में 10प्रतिशत से ज्यादा की तेजी प्रॉफिटेबल नतीजे आने के बाद जोमैटो के शेयर में 10प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिल रही है। अभी यह 52 वीक के हाई पर 95.35 के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

2030 तक देश के निर्माण क्षेत्र में 10 करोड़ से अधिक लोग करेंगे काम, घरों की मांग में वृद्धि से फायदा

नई दिल्ली। भारत में निर्माण क्षेत्र में रोजगार का आंकड़ा 2030 तक 10 करोड़ को पार कर जाएगा। फिलहाल निर्माण क्षेत्र में 7.60 करोड़ लोग कार्यरत हैं। एक रिपोर्ट में इसका अनुमान लगाया गया। प्रॉपर्टी कंसल्टेंसी नाइट फ्रैंक और रॉयल इंस्टीट्यूशन ऑफ चार्टर्ड सर्वेयर्स (आरआईसीएस) इंडिया की ओर से जारी निर्माण क्षेत्र में कुशल रोजगार रिपोर्ट के अनुसार, इस क्षेत्र में कुशल कार्यबल की हिस्सेदारी इस दशक के अंत तक बढ़कर 10.5 प्रतिशत हो जाएगी, जो वर्तमान में 9.7 प्रतिशत है। इसके अलावा, रियल एस्टेट सेक्टर का उत्पादन 2030 तक एक ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंचने का अनुमान है। वर्तमान में यह 650 अरब डॉलर है। रिपोर्ट में कहा गया है, रियल एस्टेट क्षेत्र में वृद्धि का सबसे बड़ा कारण बढ़ती आबादी से उत्पन्न आवासीय मांग में वृद्धि है। इसके अलावे वाणिज्यिक, खुदरा, आतिथ्य और वेयरहाउसिंग के क्षेत्र में भी विकास हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचे की बढ़ती मांग के कारण, कुशल कर्मचारियों की मांग डेवलपर्स, निर्माण कंपनियों, परामर्श फर्मों आदि में उत्पन्न होती रहेगी, जबकि कुशल जनशक्ति की आपूर्ति सरकारी पहलों, शैक्षणिक और प्रशिक्षण संस्थानों से उत्पन्न की जानी है। इसके अलावा, निर्माण क्षेत्र 2012 के बाद 11 प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ा है। वर्तमान में, यह भारतीय अर्थव्यवस्था के कुल उत्पादन का 18 प्रतिशत है। इसके अलावा नौकरी देने के मामले में यह कृषि क्षेत्र के बाद दूसरे नंबर पर है।

हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर, पीएम पर ये बोले केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली । पिछले नौ वर्षों में हमने जो बदलाव देखा है, वह असाधारण है। हम अब दुनिया की

तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। ये बातें केंद्रीय मंत्री केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कही। एक बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विदेश नीति और व्यापार नीति को भारतीय नागरिकों, भारत और दुनिया को लाभान्वित करने की दृष्टि से लागू किया जा रहा है। एक व्यापक आधार वाले नेता के नेतृत्व में देश का आकलन इस बात से नहीं किया जाएगा कि देश सामान्य समय में कैसा प्रदर्शन करता है, बल्कि इस बात से किया जाएगा कि वह चुनौतियों का सामना कैसे करता है। महामारी की चुनौती जीवन में एक बार होने वाली और बहुत गंभीर चुनौती थी। प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से स्थिति की निगरानी की और दो मौकों पर- नवंबर 2021 और मई 2022 में उन्होंने पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क को एक महत्वपूर्ण स्तर तक कम कर दिया। भाजपा शासित राज्यों ने तुरंत वैट कम कर दिया। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ईंधन की ऊंची कीमतों पर हंगामा करने वाली पार्टियों ने अभी तक जहां उनकी सरकारें हैं वैट कम नहीं किया है।

चांदी 75,500 रुपए से नीचे, सोने में भी आई गिरावट

नई दिल्ली । बीते कुछ दिनों से सोने और चांदी की वायदा कीमतों में नरमी देखी जा रही है। इस सप्ताह

सोने और चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। चांदी गिरकर 72,500 रुपए और सोना 59,500 रुपए से नीचे कारोबार कर रहा है। अंतरराष्टीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों की शुरुआत तेजी के साथ हुई, लेकिन बाद में चांदी के भाव गिरने लगे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 210 रुपए की गिरावट के साथ 72,312 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह 282 रुपए की गिरावट साथ 72,240 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 72,349 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 72,201 रुपए प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव की शुरुआत भी नरमी के साथ हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 22 रुपए की गिरावट के साथ 59,410 रुपए के भाव पर खुला।

तीन दिन गिरावट के बाद शेयर बाजार में तेजी

सेंसेक्स करीब 300 अंक चढ़ा, पहली बार प्रॉफिट के बाद जोमैटो का शेयर 52 हफ्ते के हाई पर

मुंबई।
शेयर बाजार में तीन दिन की लगातार गिरावट के बाद तेजी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स करीब 300 अंक चढ़कर 65,560 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में 100 अंकों की तेजी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में तेजी और सिर्फ 5 में गिरावट देखने को मिल रही है। जून तिमाही नतीजे के बाद जोमैटो का शेयर 52 हफ्ते के उच्चतम स्तर पर करोबार कर रहा है। शेयर करीब 10.50प्रतिशत की तेजी के साथ 95.70 पर कारोबार कर रहा है। कंपनी को पहली बार इस तिमाही में प्रॉफिट हुआ है। जून तिमाही में जोमैटो को 2 करोड़ रुपए का प्रॉफिट हुआ, जबकि पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी तिमाही में कंपनी को 186 करोड़ का घाटा हुआ था।

सिप्ला का भी शेयर 52 हफ्ते के उच्चतम स्तर पर पहुंचा

सिप्ला का शेयर 52 हफ्ते के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। अभी कंपनी का शेयर 5.26प्रतिशत की तेजी के साथ 1,227 पर कारोबार कर रहा है।

ओपन हुआ बायोटेक लिमिटेड का आईपीओ

बायोफार्मा कंपनी कॉनकॉर्ड बायोटेक लिमिटेड का आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हो गया है। इस इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग, यानी आईपीओ के जरिए कंपनी 1,551 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 8 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे। 18 अगस्त को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे।

एसबीआई ने नतीजे जारी किए: पहली तिमाही में बैंक का प्रॉफिट 178प्रतिशत बढ़कर 16,884 करोड़ रहा

मुंबई। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने फाइनेंशियल ईयर 2024 की पहली तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। अप्रैल-जून तिमाही में बैंक को सालाना आधार पर 178.24प्रतिशत बढ़कर 16,884 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ है। एक साल पहले बैंक को 6,068 करोड़ रुपए का प्रॉफिट हुआ था। इसके साथ ही जून तिमाही में बैंक का नेट इंटरेस्ट इनकम सालाना आधार पर 24.7प्रतिशत बढ़कर 38,905 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में 31,196 करोड़ रुपए था। नेट इंटरेस्ट मार्जिन 24 बेसिक प्लाइंट बढ़कर 3.47प्रतिशत रहा जून तिमाही में बैंक का नेट इंटरेस्ट मार्जिन सालाना आधार पर 24 बेसिक प्लाइंट बढ़कर 3.47प्रतिशत रहा, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 3.23प्रतिशत था। हालांकि, पिछले फाइनेंशियल ईयर की चौथी तिमाही के मुकाबले यह 37 बेसिक प्लाइंट कम है। मार्च तिमाही में बैंक का नेट इंटरेस्ट मार्जिन 3.84प्रतिशत था। बैंक के एसेट क्वालिटी में भी सुधार पहली तिमाही में एसबीआई का ग्रॉस एनपीए घटकर टोटल लोन के 2.76प्रतिशत पर आ गया है, जो पिछले साल इसी तिमाही में 3.9प्रतिशत था। वहीं, पिछले फाइनेंशियल ईयर की चौथी तिमाही में बैंक का ग्रॉस एनपीए 2.78प्रतिशत था। एसबीआई के शेयर में 2प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट प्रॉफिटेबल नतीजे आने के बाद भी एसबीआई के शेयर में गिरावट देखने को मिल रही है। दोपहर 3 बजे शेयर 2.70प्रतिशत की गिरावट के साथ 574.55 रुपए के स्तर पर करोबार कर रहा है।

मनी-लॉन्ड्रिंग केस में यस-बैंक के फाउंडर की जमानत याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- राणा कपूर के मामले ने पूरे बैंकिंग सिस्टम को हिलाकर रख दिया

नई दिल्ली।
सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में यस बैंक के फाउंडर राणा कपूर की जमानत याचिका खारिज कर दी है। साथ ही कोर्ट ने कहा है कि इस मामले ने पूरे बैंकिंग सिस्टम को हिलाकर रख दिया है। कोर्ट ने यह भी सवाल किया कि एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट 3,642 करोड़ रुपए के यस बैंक घोटाले की जांच में इतना समय क्यों ले रहा है।

अगर ईडी की जांच में इतना समय लग रहा है, तो कुछ गलत है

जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा, इस मामले ने भारतीय बैंकिंग सिस्टम को हिलाकर रख दिया है। यस बैंक मुश्किल में पड़ गया और भारतीय रिजर्व बैंक को निवेशकों की सुरक्षा के लिए आगे आना पड़ा था। उन्होंने आगे कहा, आपको ऐसे मामलों को प्राथमिकता पर लेना होगा, जहां भारी दांव हो और बड़ी संख्या में लोग शामिल हों। अगर ईडी की जांच में इतना समय लग रहा है तो कुछ गलत है।

सैकड़ों शेल कंपनियां हैं, जांच में लंबा समय लग रहा: एएसजी

इसके जवाब में एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ने कहा, सैकड़ों शेल कंपनियां हैं। जांच में लंबा समय लग रहा है, क्योंकि हम विदेशों से जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। 8 मार्च 2020 से सलाखों के पीछे हैं राणा कपूर: सीनियर एडवोकेट इस बीच राणा कपूर की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट से कहा, बैंक को मुश्किल में डाल दिया गया था, लेकिन किसी व्यक्ति को अनिश्चित काल तक सलाखों के पीछे रखने का कोई कारण नहीं है। राणा कपूर 8 मार्च 2020 से सलाखों के पीछे हैं। उन्हें तीन साल से ज्यादा समय से कैद में रखा गया है।

झुनझुनवाला की हिस्सेदारी वाली कंपनी में निवेश का मौका: कॉनकॉर्ड बायोटेक का आईपीओ ओपन, प्राइस बैंड 705 से 741 प्रति शेयर

मुंबई।
बायोफार्मा कंपनी कॉनकॉर्ड बायोटेक लिमिटेड का आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हो गया है। इस इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग, यानी आईपीओ के जरिए कंपनी 1,551 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। दिग्गज निवेशक रेखा झुनझुनवाला के पास इस कंपनी में 24.09प्रतिशत की हिस्सेदारी है। दरअसल, बिग बुल राकेश झुनझुनवाला ने अपनी एसेट मैनेजमेंट कंपनी रेयर एंटरप्राइजेज के जरिए यह हिस्सेदारी खरीदी थी। पिछले साल उनकी मौत के बाद पूरी हिस्सेदारी रेखा झुनझुनवाला के पास ट्रांसफर हो गई थी।

18 अगस्त को मार्केट में लिस्ट होंगे कंपनी के शेयर

रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 8 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे। 18 अगस्त को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे। रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 20 शेयरों के लिए अप्लाय करना होगा। कंपनी ने आईपीओ का प्राइज बैंड 705-741 रुपए प्रति शेयर रखा है। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 741 रुपए के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 14,820

रुपए लगाने होंगे। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट, यानी 260 के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए 1,92,660 रुपए इन्वेस्ट करने होंगे। कंपनी ने इस इश्यू का 50प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व रखा गया है। इसके अलावा 35प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी 15प्रतिशत हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व है। कॉनकॉर्ड बायोटेक इंडिया बेस्ड ड्रिवन बायोफार्मा कंपनी है। यह इम्यूनिटी और कैंसर सहित अन्य बिमारियों से जुड़ी एक्टिव फार्मा इन्ग्रेडिएंट्स बनाती है। कंपनी भारत, अमेरिका, जपान सहित 70 से अधिक देशों को अपने प्रोडक्ट सप्लाई करती है।

इस साल एसएमई आईपीओ ने 163प्रतिशत तक का रिटर्न दिया: 7 महीने में 85 स्मॉल-मीडियम कंपनियों ने जुटाए 2,300 करोड़, टूटा 2018 का पिछला रिकॉर्ड

मुंबई।
एसएमई यानी छोटी-मझोली कंपनियों के आईपीओ के लिए 2023 ब्लॉकबस्टर साबित हो रहा है। अब तक 85 से ज्यादा एसएमई आईपीओ के जरिये 2,300 करोड़ रुपए जुटा चुकी हैं। साल के 5 महीने अब भी बाकी हैं। इस मामले में 2018 का पिछला रिकॉर्ड टूट गया, जब 141 कंपनियों ने 2,287 करोड़ रुपए जुटाए थे।

इस साल अब तक लिस्टिंग के दिन 100प्रतिशत से ज्यादा कमाई कराने वाले एसएमई आईपीओ 8प्रतिशत रहे। 2022 में ऐसे एसएमई आईपीओ 7प्रतिशत और 2021 में 5प्रतिशत थे। 2020 और 2019 में ऐसा एक भी एसएमई आईपीओ नहीं था। यहां तक कि 2017 के बुल मार्केट वाले साल में भी 130 एसएमई आईपीओ में से इस तरह की शानदार लिस्टिंग की दर सिर्फ 1प्रतिशत थी।

इन तीन कारणों से बढ़ रहा

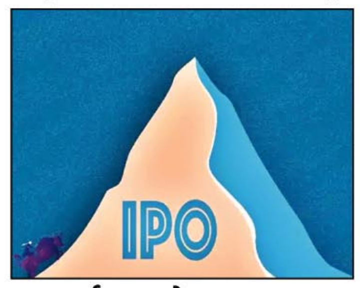

एसएमई पर भरोसा

एसएमई की परिभाषा बदल गई है। अब 250 करोड़ के टर्नओवर वाले बिजनेस एसएमई की श्रेणी में आ गए हैं। पहले आईपीओ लाने के लिए ज्यादा नियमों का पालन करना होता था। अब नियम आधे से भी कम रह गए हैं। कोविड के दौरान पैदा हुई मुश्किलें खत्म हो गई हैं, अब डिमांड सुधर रही है, कंपनियों को बड़े ऑर्डर मिल रहे हैं।

निवेशकों को जोरदार कमाई

43 यानी 50प्रतिशत से ज्यादा एसएमई आईपीओ से लिस्टिंग के दिन ही 10प्रतिशत से 163प्रतिशत तक कमाई हो गई। 18 यानी 21प्रतिशत एसएमई आईपीओ ने लिस्टिंग के दिन निवेशकों को 50प्रतिशत से ज्यादा मुनाफा कराया। 7 एसएमई आईपीओ की कीमतें लिस्टिंग के दिन ही दोगुनी हो गईं। यानी इन्होंने 100प्रतिशत रिटर्न दिया।

सिर्फ 17 एसएमई आईपीओ की नेगेटिव लिस्टिंग इस साल सिर्फ 17 यानी 23प्रतिशत एसएमई आईपीओ की नेगेटिव लिस्टिंग हुई। 2017 में लिस्ट हुए 37प्रतिशत एसएमई आईपीओ अभी 97प्रतिशत तक नुकसान में हैं। 6 करोड़ से ज्यादा पर सिर्फ 448 की लिस्टिंग सीआईएमएसएमई के प्रेसिडेंट मुकेश मोहन गुप्ता ने बताया कि देश में 6 करोड़ से ज्यादा एमएसएमई हैं। लेकिन अब तक सिर्फ 448 ही लिस्ट हुए हैं।

2025 में आएगी रॉयल एनफील्ड की पहली इलेक्ट्रिक बाइक

सीईओ ने कहा- अभी डेवलपमेंट स्टेज में, पहले फेज में 1.5 लाख बाइक बनेगी

नई दिल्ली।
रॉयल एनफील्ड के सीईओ सिद्धार्थ लाल ने कहा है कि कंपनी अपनी पहली इलेक्ट्रिक बाइक 2025 में लॉन्च करेगी। 2024 के पहले क्वार्टर के अर्निंग कॉल के बाद मीडिया से बात करते हुए सिद्धार्थ लाल ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा- कंपनी नई बाइक के लॉन्च के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। बाइक प्रोटोटाइप फेज तक डेवलप हो गई है। इसकी 1.5 लाख यूनिट रॉयल एनफिल्ड के मौजूदा सेटअप में ही मैन्युफैक्चर होगी।

ईवी के डेवलपमेंट के लिए रॉयल एनफील्ड ने स्पेनिश इलेक्ट्रिक बाइक मैन्युफैक्चरर स्टार्क फ्यूचर के साथ कोलैबोरेट किया है। सीईओ ने

बताया कि मार्केट ट्रेंड को देख कर कोई जल्दबाजी नहीं करेंगे। हम ईवी के नाम पर कुछ भी आधी-अधूरी चीजें परोसना नहीं चाहते हैं। हमारा कॉम्पिटिशन मार्केट के दूसरे ईवी से नहीं है। हमारा ध्यान इसे बेहतर से बेहतर बनाने पर है, इसलिए हमने 2 साल का समय लिया है। इस बीच रॉयल एनफील्ड न्यू जेनरेशन बुलेट 350 को भारत में 30 अगस्त को लॉन्च करने जा रही है।

रॉयल एनफील्ड बुलेट 350 : एक्सपेक्टेड प्राइस

कंपनी के पोर्टफोलियो में हंटर 350 की कीमत 1.50 से 1.75 लाख रुपए के बीच की है। वहीं, क्लासिक 350 की कीमत 1.93 से 2.25 लाख रुपए तक जाती हैं। न्यू जेनरेशन रॉयल एनफील्ड बुलेट 350 की कीमतें 1.50 से 2.50 लाख रुपए के बीच की हो सकती है। लॉन्च होने के बाद भारत में सबसे सस्ती रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल हो सकती है।

रॉयल एनफील्ड बुलेट 350 : परफॉरमेंस

अपकमिंग रॉयल एनफील्ड बुलेट 350 में 349का सिंगल-सिलेंडर, एयर-ऑयल कूल्ड, फ्यूल-इंजेक्टेड इंजन मिलेगा, जो 6100 एचपीएम पर 20.2 की पावर और 4000 ह्पीएम पर 27 का टॉर्क जनरेट करता है। इंजन को 5-स्पीड गियरबॉक्स के साथ ट्यून किया गया है।

रॉयल एनफील्ड बुलेट 350: फीचर्स

डिजाइन के मामले में न्यू जनरेशन बुलेट 350 अपने पुराने मॉडल की अपडेटड एडिशन होगा। मोटरसाइकिल सिंगल-पीस सीट, स्पोक रिम्स, एक अलग टेल लैंप और बॉडी ग्राफिक्स के साथ आएगी। इसके अलावा इसमें क्लासिक 350 के डिजाइन एलिमेंट्स मिलेंगे। इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर एनालॉग स्पीडोमीटर के साथ आएगा। फ्यूल गेज के लिए एक छोटे डिजिटल रीडआउट के साथ आ सकती है। इसमें टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स और रियर में डुअल-स्प्रिंग लोडेड शॉक एब्जॉर्बर मिलेंगे। ब्रेकिंग के लिए फ्रंट में डिस्क ब्रेक और रियर में सिंगल-चैनल एबीएस के साथ ड्रम यूनिट मिलेगी। हालांकि, रॉयल एनफील्ड रियर डिस्क ब्रेक वाले वैरिएंट भी बेचेगी।

एक्शन थ्रिलर फिल्म है टाइगर

बालीवुड फिल्म निमार्ता आदित्य चोपड़ा की टाइगर 3 टाइगर बनाम पठान होगी। भारतीय सिनेमा के दो दिग्गज सलमान खान और शाहरुख खान इस फिल्म में स्थिति से निपटने के लिए कड़ी मेहनत करते नजर आएंगे। टाइगर बनाम पठान के बारे में पहले से ही जबरदस्त चर्चा है और वाईआरएफ (यश राज फिल्म्स) ने इस परियोजना के बारे में चुप रहना बेहतर समझा है। फिल्म का अपना शूटिंग शेड्यूल जनवरी 2024 में शुरू होगा। आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित टाइगर 3 एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसे मनीष शर्मा ने निर्देशित किया है। फिल्म में सलमान खान, कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी हैं। सूत्र ने आगे कहा, हमें यकीन है कि आदित्य चोपड़ा टाइगर 3 में टाइगर वर्सेस पठान के अस्तित्व को छेड़ेंगे। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स ने सलमान खान और कैटरीना कैफ अभिनीत टाइगर फ्रेंचाइजी के साथ शुरूआत की, जिसकी शुरूआत एक था टाइगर (2012) और टाइगर जिंदा है (2017) से हुई, और ऋतिक अभिनीत वॉर (2019) के साथ जारी रही। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की नवीनतम पेशकश टाइगर 3 इस दिवाली सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

एक्सेल मीडिया और एंटरटेनमेंट ने मेड इन हेवन के रोमांचक ट्रेलर को रिलीज किया

भारत में दर्शकों के मनोरंजन के लिए सबसे पसंदीदा डेस्टिनेशन, प्राइम वीडियो ने आज सबसे ज्यादा पसंदीदा अमेजॅन ओरिजिनल सीरीज में से एक, मेड इन हेवन के दूसरे सीजन के ट्रेलर का अनावरण किया है। अंतर्राष्ट्रीय एमी नामांकित शो का दूसरा सीजन भव्य भारतीय शादियों के सामने परंपरा, आधुनिक आकांक्षाओं और सामाजिक विश्वास प्रणालियों के द्वंद्व को खूबसूरती से दिखाता है। मेड इन हेवन सीजन 2 का ट्रेलर हमें इसके मुख्य पात्रों के जीवन के बारे में बताता है, जो सीजन 1 के एक ऐसे पड़ाव पर थे जब उन्हें एक बहुत ही महत्वपूर्ण निर्णय लेना था। नई दुल्हनों और नई चुनौतियों के साथ, हमारे पसंदीदा वेडिंग प्लानर अपनी पेशेवर और व्यक्तिगत असफलताओं से निपटते हैं। मेड इन हेवन का दूसरा सीजन ज्यादा भव्य, रोमांस, ड्रामा और शादियों के साथ-साथ जाने पहचाने, नए चेहरों और एक सम्मोहक कहानी से भरपूर होने का वादा करते है। नए सीजन के साथ, अंतर्राष्ट्रीय एमी नामांकित सीरीज अपने पात्रों के जीवन में गहराई से उतरेगी, जो विवाह के आयोजन और जश्न मनाने की जटिलताओं से गुजरते हैं, जबकि उनका अपना जीवन अप्रत्याशित तरीकों से सामने आता है। इसमें मोना सिंह, इश्वाक सिंह और त्रिनेत्रा हलदर के साथ शोभिता धूलिपाला, अर्जुन माथुर, जिम सर्भ, कल्कि कोचलिन, शशांक अरोड़ा, शिवानी रघुवंशी और विजय राज ने अभिनय किया है। यह सीरीज अलंकृता श्रीवास्तव, नीरज घेवान, नित्या मेहरा, रीमा कागती और जोया अख्तर द्वारा निर्देशित, और रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट और जोया अख्तर और रीमा कागती के टाइगर बेबी द्वारा निर्मित है, 7-एपिसोड सीरीज का प्रीमियर विशेष रूप से भारत और दुनिया भर के 240 देशों और क्षेत्रों में किया जाएगा। मेड इन हेवन सीजन 2 प्राइम मेंबरशिप में नवीनतम शामिल की गई है। भारत में प्राइम सदस्य केवल ₹1499/वर्ष की एकल सदस्यता के साथ बचत, सुविधा और मनोरंजन का पूरा आनंद लेते हैं। शोभिता धूलिपाला ने बताया, मेड इन हेवन सीजन 2 में तारा के रूप में वापस आना अच्छा लगता है। मेरे लिए तारा का सफर आकर्षक होने के साथ चुनौतीपूर्ण भी रहा है, क्योंकि वह भव्य शादियों की योजना बनाते हुए आदिल और फैजा के साथ अपने निजी जीवन को आगे बढ़ाती है। दूसरे सीजन की शूटिंग के लिए मैंने बहुत ही अविश्वसनीय समय दिया, और मुझे लगता है कि यह सीजन हमारे दर्शकों को और भी अधिक पसंद आएगा। पिछले सीजन से दर्शकों की अपेक्षाओं से मेल खाने और यहां तक कि उससे आगे निकलने का थोड़ा दबाव है, लेकिन मैं इसे लेकर सकारात्मक हूं। मुझे यकीन है कि मेड इन हेवन सीजन 2 दर्शकों को रोमांचित करेगा और मानव अस्तित्व की मुश्किलों के बारे में जरुरी बातचीत को प्रेरित करेगा, जिससे यह एक अविस्मरणीय और विचार करने योग्य अनुभव बन जाएगा। अर्जुन माथुर ने अपना उत्साह को साझा करते हुए बताया, पहले से निभाए गए चरित्र को फिर से करना और उसके साथ नए नोट्स और आयामों को छूना एक दिलचस्प यात्रा रही। मेड इन हेवन में करण का किरदार निभाना एक परिवर्तनकारी अनुभव रहा है। अंतर्राष्ट्रीय एमी नामांकन के साथ पहले सीजन में मिला प्यार और मान्यता जबरदस्त थी। सीजन 2 करण को नई ऊंचाइयों पर ले जाता है, क्योंकि वह सामाजिक मुद्दों का सामना करते हुए भव्य शादियों का आयोजन करता है। मैं इस बात को लेकर बहुत उत्सुक हूं कि करण की जारी यात्रा और उसके जीवन में आने वाले अप्रत्याशित मोड़ों पर दर्शक कैसी प्रतिक्रिया देंगे। इसमें करण की परंपराओं को चुनौती देने और भव्य समारोहों के बीच खुशियां तलाशने की भावनात्मक यात्रा को भी दिखाया जाएगा। यह शो शादी की सच्ची घटनाओं को उजागर करता है, न कि सिर्फ बाहर से जिसमें सब कुछ खुशनुमा दिखता है। जिम सर्भ ने बताया, आदिल खन्ना का किरदार निभाना एक शानदार अनुभव रहा, खासकर अलंकृता, नीरज, नित्या, रीमा, जोया के साथ निकोस एंड्रित्साकिस, तनय सातम, डीओपी और अत्यंत प्रतिभाशाली दल, निर्देशन और प्रोडक्शन टीम के साथ काम करने का अवसर प्राप्त हुआ। यह देखना अविश्वसनीय है कि यह किरदार, जो एक साथ बहुस्तरीय और अस्पष्ट है, भारत और उसके बाहर के दर्शकों के बीच इतनी अच्छी तरह से जुड़ गया है। सीजन 2 में, आदिल नुकसान, प्यार और वफादारी के साथ जुझेगा और कुछ कठिन विकल्प चुनेगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि आदिल के फैसले उसे कैसे प्रभावित करेंगे और वह इस सीजन में कैसे आगे बढेगा। ऐसे शो का अभिन्न भाग बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है, जिसे इतनी आलोचनात्मक प्रशंसा मिली है, और मुझे उम्मीद है कि इस नए सीजन को भी दुनिया भर में उतना ही प्यार और सराहना मिलेगी।

कार्तिक आर्यन बनें चंदू चैंपियन

कार्तिक आर्यन स्टारर कबीर खान के निर्देशन में बन रहीं अपकमिंग स्पोर्ट्स ड्रामा चंदू चैंपियन ने अपनी घोषणा के बाद से ही लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। ऐसे में जबकि हार न मानने वाली इस असाधारण रियल लाइफ स्टोरी को देखने का उत्साह तेज है, निमार्ता ने फिल्म से चंदू बनें कार्तिक आर्यन का पहला लुक रिवील कर दिया है, जिसे देख वास्तव में लोगों को गर्व महसूस होगा। चंदू के रूप में कार्तिक आर्यन का फर्स्ट लुक आखिरकार सामने आ गया है, जिसमें सुपरस्टार को पूरी तरह से किरदार में डूबा हुआ दिखाया गया है। छोटे बाल और भारत का ब्लेजर पहने कार्तिक ने फिल्म के लिए पहले कभी न देखा गया लुक अपनाया है। इसने वास्तव में फिल्म की रिलीज के लिए उत्साह को एक पायदान ऊपर बढ़ा दिया है। इस फिल्म की शूटिंग कुछ दिनों पहले लंदन में साजिद और वर्धा नाडियाडवाला की मौजूदगी में शुरू हुई है। फिल्म के मुहूर्त शॉट के दौरान कबीर खान और कार्तिक आर्यन के साथ स्पेशल गेस्ट मिनिस्टर ऑफ कल्चर, मीडिया एंड स्पोर्ट्स आरटी माननीय स्टुअर्ट एंड्रयू भी सेट पर मौजूद थे। बता दें, यह कार्तिक और कबीर की पहली और नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के साथ दूसरी साझेदारी होगी। यह वास्तव में एक बड़ी घोषणा है क्योंकि इंडस्ट्री के तीन दिग्गज एक खिलाड़ी की असल जिंदगी की दिलचस्प कहानी लाने के लिए एक साथ आए हैं। साजिद नाडियाडवाला और कबीर खान द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित, चंदू चैंपियन का निर्देशन कबीर खान द्वारा किया जा रहा हैं। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 14 जुलाई 2024 को रिलीज होगी।

दुलकर सलमान को है पंजाबी संगीत से बेहद प्यार

गायक दुलकर सलमान को पंजाबी संगीत से बेहद प्यार है। गन्स एंड गुलालब्स में अपने काम से एक बार फिर दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार स्टार दुलकर सलमान का कहना है कि उन्हें पंजाबी संगीत बहुत पसंद है और वह वर्तमान में रैपर एपी ढिल्लों के ट्रैक पर थिरक रहे हैं। दुलकर ने कहा, मैं सभी प्रकार के फेज से गुजरता हूं। अभी मैं दिल्ली में हूं। मैं वास्तव में एपी ढिल्लों से प्यार करता हूं। मुझे अपने कॉलेज के दिनों से ही पंजाबी संगीत से बहुत प्यार है, जब मैंने पहली बार इसे सुना था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यूरो पंजाबी, पंजाबी पॉप उस समय का है जब मैं 2000 के दशक की शुरूआत में कॉलेज में था, मुझे लगता था कि शायद पिछले जीवन में मैं पंजाबी था। लेकिन इसे सुनना हमेशा अच्छा लगता है। अभिनेता ने आगे कहा कि मैं इससे बहुत आसानी से जुड़ जाता हूं। गौरतलब है कि गन्स एंड गुलाब, राज एंड डीके द्वारा बनाई गई एक कॉमेडी क्राइम थ्रिलर श्रृंखला है। यह 18 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। सीरीज में राजकुमार राव, आदर्श गौरव और गुलशन देवैया भी हैं। दुलकर सुपरस्टार ममूटी के बेटे हैं।

नितिन देसाई के सम्मान में ओएमजी-2 का ट्रेलर स्थगित

नितिन देसाई के निधन के बाद ओएमजी-2 की ट्रेलर लांचिंग को स्थगित कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार अक्षय कुमार ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म ओएमजी 2 के पहले ट्रेलर की रिलीज को अभी रोक दिया है। उन्होंने खुलासा किया कि वह नितिन देसाई की मृत्यु के बारे में जानकर बेहद दुखी थे और कहा कि नितिन के सम्मान में लॉन्च को स्थगित कर दिया गया है। ओएमजी-2 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अक्षय ने बुधवार दोपहर ट्वीट किया, नितिन देसाई के निधन के बारे में जानकर अविश्वसनीय दुख हुआ। वह प्रोडक्शन डिजाइन के दिग्गज थे और हमारी सिनेमा बिरादरी का बहुत बड़ा हिस्सा थे। उन्होंने मेरी कई फिल्मों में काम किया, यह एक बहुत बड़ी क्षति है। सम्मान के तौर पर, हम आज ओएमजी 2 का ट्रेलर रिलीज नहीं कर रहे हैं।

एक्ट्रेस अदा शर्मा हुई बीमार, कराया अस्पताल में भर्ती

द केरल स्टोरी फेम एक्ट्रेस अदा शर्मा को फूड एलर्जी और डायरिया के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया है। वह फिलहाल चिकित्सकों की निगरानी में हैं। एक्ट्रेस को अपकमिंग शो कमांडो के प्रोमोशन्स से ठीक पहले मंगलवार को इमरजेंसी में अस्पताल ले जाया गया। उन्हें डायरिया और फूड एलर्जी का पता चला। सूत्र के मुताबिक वह स्ट्रेस हीव्स और डायरिया से पीड़ित हो गईं। फिलहाल, वह निगरानी में हैं। हालांकि अदा को कमांडो का प्रचार करते देखा गया है जहां वह भावना रेड्डी की भूमिका निभा रही हैं। बता दें कि कमांडो नई एक्शन-थ्रिलर सीरीज जल्द ही आने वाली है, और इसमें एक्ट्रेस अदा के साथ मुख्य भूमिका में एक्टर प्रेम हैं। सीरीज द केरल स्टोरी की सफलता के बाद अदा और विपुल अमृतलाल शाह फिर साथ आए हैं। विपुल ने इस सीरीज का निर्देशन किया है। इसमें वैभव तत्ववादी, श्रेया सिंह चौधरी, अमित सियाल, तिग्मांशु धूलिया, मुकेश छाबड़ा और इश्तेयाक खान भी हैं।

प्राइम वीडियो ने डॉक्यूमेंट्री सीरीज एपी ढिल्लों: फर्स्ट ऑफ ए काइंड की घोषणा की

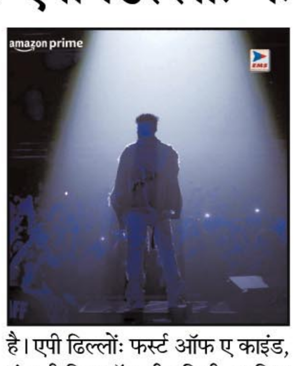

भारत के सबसे पसंदीदा मनोरंजन डेस्टिनेशन, प्राइम वीडियो ने अपनी आने वाली डॉक्यूमेंट्री सीरीज एपी ढिल्लों: फर्स्ट ऑफ ए काइंड की घोषणा की है। इसे वाइल्डशीप कंटेंट और रन-अप रिकॉर्ड्स के सहयोग से पैशन पिक्चर्स द्वारा निर्मित किया गया है। चार भाग की डॉक्यूमेंट्री को सीरीज निर्देशक जय अहमद द्वारा निर्देशित किया गया है, जो अमृतपाल सिंह ढिल्लों के जीवन पर प्रकाश डालने के साथ विश्व स्तर पर एपी ढिल्लों के नाम से जाने जाने वाले स्व-निर्मित सुपरस्टार की कहानी को बताती है। विशेष पहुंच के जरिए, यह सीरीज गुरदासपुर,पंजाब के एक छोटे से गांव से ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा के पहाड़ों तक की उनकी उल्लेखनीय यात्रा के बारे में बताती है, जहां वह एक प्रसिद्ध वैश्विक संगीत सनसनी बन गए हैं। ढिल्लों की व्यक्तिगत राय और उनके परिवार और दोस्तों के करीबी लोगों के साथ साक्षात्कार के संयोजन के जरिए,यह सीरीज ढिल्लों के जीवन, प्रेरणाओं और यात्रा के बारे में वास्तविक अंतर्दृष्टि प्रदान करती है, जो दर्शकों को ढिल्लों की दुनिया में गहराई तक ले जाने के साथ मंच पर और बाहर दोनों जगह एक वैश्विक अभियान पर उनका अनुसरण करती है। 18 अगस्त को 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में प्रीमियर होने वाली एपी ढिल्लों: फर्स्ट ऑफ ए काइंड, प्राइम मेंबरशिप में नवीनतम जोड़ी गई है। भारत में प्राइम सदस्य केवल 1499/वर्ष की एकल सदस्यता में बचत, सुविधा और मनोरंजन का आनंद उठाते हैं। प्राइम वीडियो में इंडिया ओरिजिनल्स की प्रमुख अपर्णा पुरोहित ने बताया, जीत और सफलता की कहानियां हमेशा दर्शकों के बीच रहेंगी, और एपी ढिल्लों की स्व-निर्मित सुपरस्टारडम की यात्रा दिलचस्प और प्रेरणादायक है। एपी ढिल्लों: फर्स्ट ऑफ ए काइंड, पंजाबी हिप-हॉप की गतिशील दुनिया के बारे में पहली डॉक्यूमेंट्री है और उस संगीत युगीन व्यक्ति के सबसे प्रमुख चेहरों में से एक की उत्पत्ति का पता लगाती है, जिसे हम वर्तमान में देख रहे हैं। पैशन पिक्चर्स, वाइल्ड शीप कंटेंट और रन-अप रिकॉर्ड्स ने एक डॉक्यूमेंट्री सीरीज बनाई है जो एपी ढिल्लों के पहले कभी न देखे गए पहलुओं को उजागर करने जा रही है, हमें यकीन है कि दुनिया भर के प्रशंसक और ग्राहक जितना आनंद उनके संगीत का लेते हैं, उतना ही आनंद उन्हें देखने का भी लेंगे। एपी ढिल्लों हमारे समय के एक आइकन और उभरते हुए दिग्गज हैं। उनकी कहानी धैर्य, दृढ़ संकल्प, दोस्ती और भाईचारे और किसी भी कीमत पर अपनी रचनात्मक दृष्टि के प्रति सच्चे रहने की कहानी है। पैशन पिक्चर्स के कार्यकारी निमार्ता एमी फोस्टर ने कहा, यह एक ऐसी कहानी है जो युवाओं और बूढ़ों को समान रूप से जोड़ेगी और प्रेरित करेगी। ह्लएपी ढिल्लों: फर्स्ट ऑफ ए काइंड अभूतपूर्व पहुंच के साथ एक अनोखी सीरीज है जो संगीत के निर्माण, सफर में आने वाली चुनौती और खुद उनके दिल की गहराई से गुजरती है। हम इस वास्तविक वैश्विक सफलता की कहानी को दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचाने के लिए प्राइम वीडियो और वाइल्ड शीप कंटेंट के साथ सहकार्यता करके रोमांचित हैं। वाइल्ड शीप कंटेंट के कार्यकारी निमार्ता एरिक बारमैक ने बताया,ह्लएपी ढिल्लों की सफलता की कहानी और उनका सफर, असाधारण से कम नहीं है। वह एक पहेली हैं और उनके संगीत ने दुनिया भर के दर्शकों के बीच धूम मचा दी है। एपी ढिल्लों और रन-अप रिकॉर्ड्स की पूरी टीम ने पंजाबी संगीत को फिर से परिभाषित किया है और इसे वैश्विक मानचित्र पर इस तरह स्थापित किया है, जैसा पहले कभी नहीं हुआ था। एपी ढिल्लों: फर्स्ट ऑफ ए काइंड इस यात्रा के बारे में बताती है और दर्शकों को पर्दे के पीछे क्या होता है, इसकी एक झलक देती है। यह एक रोमांचक यात्रा रही है और मुझे इसके लिए प्राइम वीडियो के साथ साझेदारी करके खुशी हो रही है। हम दुनिया भर के प्रशंसकों को संगीत के पीछे के व्यक्ति की झलक दिखाने के लिए उत्सुक हैं।

एक्टर करण हुक्कू ने लाखों रुपये में बेची नकली घड़ी, मामला दर्ज

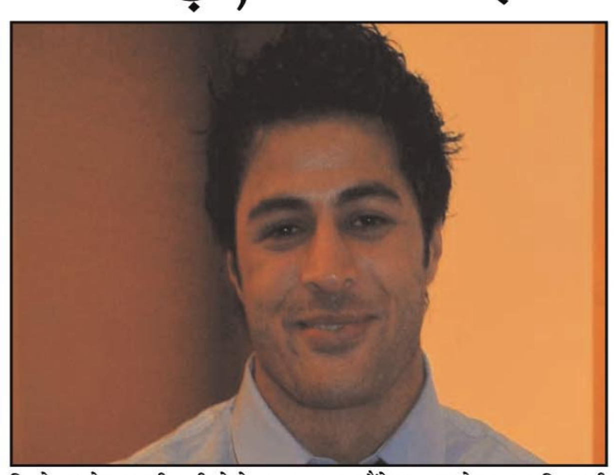

एक्टर करण हुक्कू मुश्किल में फंस गए हैं। आरोप है कि उन्होंने इटालियन ब्रांड की घड़ी बताकर एक फिल्म निमार्ता को नकली घड़ी बेचकर लाखों रुपये कमाए। इसके बाद प्रोड्यूसर ने करण के खिलाफ आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता एक फिल्म निमार्ता और कपड़ा व्यवसायी है। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 48 साल के मोहम्मद सलीम फारूकी ने शिकायत में कहा है कि एक्टर ने उन्हें वॉट्सऐप पर पैनेराई कंपनी की घड़ियों की तस्वीरें भेजीं और दावा किया कि उन्होंने यह घड़ी सीधे कंपनी से खरीदी है। घड़ी पसंद आने के बाद करण ने कहा कि इसकी कीमत 7 लाख रुपये है। इसके बाद फारूकी ने हुक्कू से घड़ी खरीदी। करण ने वादा किया कि घड़ी में किसी भी खराबी के लिए वह जिम्मेदार होगा। घड़ी खरीदने के बाद फारूकी ने घड़ी को एक विशेषज्ञ को दिखाया। उन्होंने बताया कि यह इसी नाम की नकली घड़ी थी और इसकी कीमत 10 हजार रुपये से कम थी। फारूकी ने मीडिया को बताया कि जब मैंने करण को बताया कि घड़ी नकली है, तो उसने पैसे लौटाने का वादा किया। लेकिन फिर उसने बिना भुगतान किए मेरा नंबर ब्लॉक कर दिया। इसके बाद फारूकी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

सूडोकु नवताल- 6513

★★★★★ कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6512 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्दजाल - 7260

मं	स	दौ	ल	त	का	जं	ग	ल	ल्ली	क
ग	फ	रि	श्ता	ला	फि	बा	जी	ग	झ	क
ल	क	ल	म	ह	ला	पू	ना	ण	ट	को
पां	इ	ल	त	हैं	प	ल	ला	रं	ला	आ
डे	श्क	ल	मा	नु	आ	उ	वा	ण	घ	ब
ती	ब	ल	शा	सं	शी	ही	रं	कौ	ला	रु
क	बा	हु	र	मे	र्वा	अ	य	या	श	गा
बे	द	ल	बे	ला	द	स	छू	र	प	न
व	र	ल	प	ग	जी	ना	ल	त	के	दों
फा	क	ल	प	द	म	दि	व्य	ब	क	या
जी	आ	ज	औ	र	क	ल	द्दा	ण	घ	न्या

शब्द जाल में अशोक कुमार की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अछूत कन्या, तमाशा, फरिश्ता, काफिला, बेवफा, आज और कल, वारंट, बहु बेगम, आबरु, आशीर्वाद

शब्दजाल - 7259 का हल

सा	श	मु	ग	सु	हा	ग	व	धी	ल	उ
अ	व	का	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	म
ग	य	न	व	दी	खू	स	नि	य	त	रा
र	लि	ल	भा	अ	ता	ब	द	ह	ख	व
तु	स	अ	क्र	दो	र	षा	सू	बा	प	जा
म	क	र्त	व्य	त	म	ला	र	र	श	न
न	स	अ	क	रा	न	भि	द	शा	त	व
हो	अ	ल	ल	व	जी	अ	ऐ	नि	प	सा
ते	बा	ब	अ	त	क	छ	प्प	न	शा	जू
क	म	बा	तें	व	झू	वी	द	अ	जू	न
रा	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6213

	4		7	2		3
5	33		32		27	7
	3		5		1	2
3	35	2	37	7	32	
	4			3		1
2	32	4	36		30	5
1			7			

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6212 का हल

7	5	1	3	6	4	2
1	33	6	32	1	28	5
2	4	7	5	3	6	1
6	30	2	37	4	34	7
5	1	3	6	7	2	4
3	26	4	38	5	36	6
4	1	5	6	2	7	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

पाकिस्तान टीम को भारत में सुरक्षा की चिंता : पीसीबी ने आईसीसी से कहा- हमारी हिफाजत की लिखित में गारंटी दें

नई दिल्ली ।
पाकिस्तान की सरकार और वहां के क्रिकेट बोर्ड ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल से भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के दौरान अपनी नेशनल मेंस टीम की सुरक्षा के लिए लिखित में आश्वासन मांगा है। ये टूर्नामेंट इस साल अक्टूबर-नवंबर में होना है। पाकिस्तान टीम 6 अक्टूबर को हैदराबाद में नीदरलैंड के खिलाफ अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगी। नॉकआउट से पहले पाकिस्तान टीम भारत में कुल 9 वनडे मैच खेलेगी।

पाकिस्तान के पीएम ने कमेटी बनाई

पाकिस्तान सरकार बाबर आजम के साथ वर्ल्ड कप में एक सिक्योरिटी डेलिगेशन भेजने की भी तैयारी में है। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की भागीदारी का रिव्यू करने के लिए एक कमेटी का गठन किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कमेटी का गठन हाई लेवल सिक्योरिटी टीम भेजने के लिए किया गया है। यह डेलिगेशन पाकिस्तान टीम के साथ सभी वेन्यू पर जाएगा और सिक्योरिटी और व्यवस्थाओं की समीक्षा करेगा।

भारत-पाकिस्तान मैच की तारीख में बदलाव

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वनडे वर्ल्ड कप में 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में होने वाले भारत-पाकिस्तान मुकाबले की तारीख बदल दी गई है। यह मैच अब 14 अक्टूबर को खेला जाएगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड तारीख में बदलाव के लिए राजी हो गया है। श्रीलंका के खिलाफ पाकिस्तान के मैच की तारीख भी बदली गई है। यह मैच 12 अक्टूबर को खेला जाना था। अब यह मुकाबला 10 अक्टूबर को होगा। इस बदलाव के चलते पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले 3 दिन का गैप मिल जाएगा। वनडे वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से खेला जाएगा और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने जून के आखिर में इसका शेड्यूल जारी किया था। दूसरी टीमों के कुछ मैच का समय भी बदला जा सकता है। आईसीसी जल्द ही नया शेड्यूल जारी करेगा।

वर्ल्ड कप के 2 वेन्यू बदलवाने की पाकिस्तान की मांग खारिज

पाकिस्तान 2023 वनडे वर्ल्ड कप में अपने दो लीग मैच की जगह बदलवाना चाहता था, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक आईसीसी और बीसीसीआई ने उसकी ये मांग खारिज कर दी है। मांग खारिज करने का आधार यह है कि पाकिस्तान ने यह नहीं बताया था कि वह वेन्यू क्यों बदलवाना चाहता है।

न्यूज ब्रीफ

विराट कोहली वेस्टइंडीज से स्पेशल चार्टर फ्लाइट से भारत लौटेः इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर कर फ्लाइट की बेहतरीन सर्विस के लिए धन्यवाद कहा

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली का वेस्टइंडीज दौरा खत्म हो गया। कोहली वेस्टइंडीज से स्पेशल चार्टर प्लेन से भारत वापस लौट आए हैं। कोहली ने निजी जेट की फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की है। उन्होंने अपनी फ्लाइट की व्यवस्था करने के लिए निजी जेट सर्विसेज को भी धन्यवाद दिया है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी-20 सीरीज जारी है, लेकिन कोहली सहित अन्य सीनियर खिलाड़ी टीम का हिस्सा नहीं हैं। कोहली को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे और तीसरे वनडे में आराम दिया गया था। वहीं पहले वनडे में टीम मैनेजमेंट ने बैटिंग ऑर्डर में एक्सपेरिमेंट किया था, इसलिए उन्हें बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था। आखिरी दो वनडे मैचों में कोहली और कप्तान रोहित शर्मा को आराम देने के फैसले की काफी आलोचना भी हुई थी। पूर्व खिलाड़ियों का मानना था कि वनडे वर्ल्ड कप नजदीक है ऐसे में एक्सपेरिमेंट सही नहीं है। आखिरी दो वनडे में टीम की कप्तानी कर रहे हार्दिक पंड्या ने कहा था कि वर्ल्ड कप से पहले भारत को युवाओं को मौका देने के लिए रोहित और कोहली को आराम देने की जरूरत है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीनों फॉर्मेट की सीरीज 2 टेस्ट से शुरू हुई।

अर्शदीप बोले- हमें प्लेइंग-11 पर पूरा भरोसा थाः तिलक ने डेब्यू पर शानदार किया, लेकिन उनका विकेट टर्निंग पॉइंट नहीं

नई दिल्ली । भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने टीम के बल्लेबाजी क्रम के बारे में कहा, मैच के बाद ही बदलाव करने पर बातें हो होती हैं। लेकिन, हमने जो प्लेइंग 11 उतारी, हमें यकीन था कि हम मैच जीतेंगे। हम हमेशा अपनी प्लेइंग-11 के समर्थन में होते हैं, चाहे इसमें छह गेंदबाज हों या नौ। इससे फर्क नहीं पड़ता। वेस्टइंडीज के खिलाफ टीम इंडिया को पांच टी-20 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में 4 रन से हार का सामना करना पड़ा। अर्शदीप ने इस मैच में 31 रन देकर दो विकेट लिए। यही कह सकते हैं कि मैच के बाद रिव्यू करेंगे गेम को। देखेंगे पहली इनिंग में क्या अच्छ कर सकते थे, कहीं पर और रन रोक सकते थे। एक बल्लेबाज को आखिर तक टिकना चाहिए था, क्योंकि आखिरी दो ओवर में 30 गज के भीतर पांच फील्डर थे। लेकिन शॉट की जरूरत थी जो बल्लेबाजों ने खेला और विकेट भी गए। हम हार की समीक्षा करेंगे। यह देखेंगे कि कहां चूक हुई और उसमें क्या सुधार हो सकता है। मैं यह नहीं कह सकता कि तिलक वर्मा का विकेट मैच का टर्निंग पॉइंट था। यह उनके खेलने का स्टाइल है।

पीवी सिंधू का लचर प्रदर्शन जारी, ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में सफर हुआ समाप्त

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधू का खराब फॉर्म जारी है और वो ऑस्ट्रेलियन ओपन से बाहर हो गईं। पीवी सिंधू को महिला सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में अमेरिका की वर्ल्ड नंबर-12 बीवेन झांग के हाथों सीधे सेटो में शिकस्त का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर खिसकी सिंधू की नजरें सीजन के अपने चौथे सेमीफाइनल में पहुंचने पर टिकी थी, लेकिन झांग के सामने उनकी एक नहीं चली। सिंधू को झांग के हाथों 39 मिनट में 12-21, 17-21 से शिकस्त सहनी पड़ी। याद दिला दें कि पिछले 10 मुकाबलों में सिंधू ने 6 बार झांग को मात दी थी। ऑस्ट्रेलियन ओपन में 33 साल की चीनी मूल अमेरिकी शटलर झांग के सामने पीवी सिंधू का प्रदर्शन खराब रहा। वह अपने शॉट्स पर नियंत्रण नहीं रख सकी। सिंधू ने पहले दो राउंड में हमवतन अश्मिता चालिहा और आकर्षी कश्यप को मात दी थी। मगर अमेरिकी शटलर के सामने सिंधू ने घुटने टेक दिए। अब सिंधू डेनमार्क में विश्व चैंपियनशिप्स में हिस्सा लेंगी।

सोमालियन एथलीट ने 100 मी. रेस में लगाया था 21 सेकंड का समय, वहां के खेल मंत्री ने लिया एक्शन

नई दिल्ली ।
चीन में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन किया जा रहा है। इन गेम्स में सोमालिया को तब शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा, जब वहां की एक महिला खिलाड़ी ने 100 मीटर स्प्रिंट में 21 सेकंड का समय ले लिया। दरअसल, 100 मीटर स्प्रिंट में कोई एथलीट ज्यादा से ज्यादा नौ, 10 या 11 सेकंड का समय निकालता है, लेकिन सोमालिया की एथलीट के नाम ऐसा रिकॉर्ड दर्ज हुआ कि देश को माफी तक मांगनी पड़ी है। इसके अलावा वहां के लोगों ने अधिकारियों को बर्खास्त करने की मांग की थी। इस पर सोमालिया के खेल मंत्री ने एक्शन लेते हुए देश के एथलेटिक्स महासंघ की अध्यक्ष को निलंबित कर दिया और कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए भी तैयार हैं। दरअसल, चीन में 28 अगस्त से आठ सितंबर तक चलने वाले वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में सोमालिया ने एक नौसिखिया 100 मीटर स्प्रिंटर नसरा अबुबकर अली को मैदान में उतार दिया था। इस नौसिखिये स्प्रिंटर ने स्प्रिंट जीतने वाली एथलीट से लगभग दोगुना समय लिया। इसके बाद से ही सोमालिया में खेल अधिकारियों को बर्खास्त करने की मांग की जाने लगी। सोमालिया के खेल मंत्री मोहम्मद बर्रे मोहमूद ने नसरा को यूनिवर्सिटी गेम्स में 100 मीटर स्प्रिंट में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुने जाने के लिए देश से माफी मांगी है। रिपोर्ट के मुताबिक, नसरा को इन खेलों या किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेने का अनुभव नहीं था।

सोमालिया के खेल मंत्री ने इसे शर्मनाक बताया

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में नसरा के स्प्रिंट वाला वीडियो खूब वायरल हो रहा है, जिसमें दिखता है कि सोमालियन एथलीट नसरा इतनी धीरे दौड़ती हैं कि फ्रेम से बाहर हो जाती हैं। फिर वह हंसते-हंसते उस दौड़ को पूरा करती हैं। नसरा ने 100 मीटर दौड़ को 21.81 सेकेंड में पूरा किया, जो उस स्प्रिंट को जीतने वाली रेसर से 10 सेकेंड ज्यादा है। सोमालिया के खेल मंत्री ने इस घटना को शर्मनाक बताया है। उन्होंने कहा- जो चीन में हुआ, वह शर्मनाक था। हम इसके लिए सोमाली लोगों से माफी मांगते हैं।

सोमालियन खेल मंत्री ने लिया एक्शन

सोमालिया के लोग यह आरोप लगा रहे हैं कि जब नसरा को प्रतियोगिता का कोई अनुभव नहीं था तो उन्हें कैसे और क्यों चुना गया हालांकि, अब सोमालियन खेल मंत्रालय ने द सोमाली एथलीट फेडरेशन की चेयरवुमन खादिज अदेन दाहिर को सस्पेंड कर दिया है। बयान में यह भी कहा गया है कि नसरा अबुबकर अली की पहचान न तो खिलाड़ी और न ही धावक के रूप में की गई है। प्रेस रिलीज जारी करते हुए एसोसिएशन ऑफ सोमाली यूनिवर्सिटीज ने कहा है कि उसने वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में देश की ओर से प्रतिस्पर्धा करने वाले किसी भी एथलीट को नहीं चुना है। वहीं, सोमाली एथेलिटिक्स महासंघ ने कहा है कि वह इसकी जांच करेगी कि नसरा का चयन कैसे और किस आधार पर किया गया। सोमालिया के खेल मंत्री ने कहा कि उनके देश की राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के साथ एक जांच की गई जिसमें पता चला कि नसरा न तो कोई एथलीट थीं और स्प्रिंट में तो उनका कोई अनुभव नहीं था।

इससे पहले भी विवादो में रहे हैं सोमालिया के एथलीट

यह पहली बार नहीं है जब किसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में किसी एथलीट को भेजने को लेकर सोमालिया में विवाद हुआ हो। इससे पहले भी वहां कई बार एथलीटों को चुने जाने को लेकर विवाद हुआ है। 2016 के रियो ओलंपिक में भी सोमालिया की ओर से भेजे गए एथलीट मरीन नुह म्यूज को लेकर विवाद हुआ था। म्यूज ने 400 मीटर की दौड़ को को पूरी करने के लिए एक मिनट 10 सेकंड से ज्यादा का समय लिया था, जबकि औसत समय 48 सेकंड है। हालांकि, तब सोमालिया जैसे छोटे देश से ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए देश की तारीफ हुई थी।

एंडी फ्लावर आरसीबी के हेड कोच नियुक्त

टीम में संजय बांगड़ की जगह लेंगे; आरसीबी ने माइक हेसन को भी रिलीज किया

नई दिल्ली ।
जिम्बाब्वे के पूर्व खिलाड़ी और पिछले सीजन लखनऊ सुपर जायंट्स के हेड कोच रहे एंडी फ्लावर को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया है। आरसीबी ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी। फ्लावर संजय बांगड़ की जगह लेंगे, जिनका इस टीम के साथ कार्यकाल 31 अगस्त को खत्म हो रहा है। वहीं आरसीबी ने टीम डायरेक्टर माइक हेसन को भी रिलीज कर दिया है। टीम पिछले सीजन प्लेऑफ के लिए भी नहीं क्वालिफाई कर पाई थी। एंडी फ्लावर ने हाल ही में लखनऊ सुपर जायंट्स का साथ छोड़ा था। उनकी जगह जस्टिन लैंगर लखनऊ के हेड कोच बने थे।

आरसीबी ने पोस्ट करते हुए लिखा- हम आईसीसी हॉल ऑफ फेमर और इंग्लैंड को टी-20 वर्ल्ड कप जिताने वाले कोच एंडी फ्लावर का आरसीबी की मेंस टीम के हेड कोच के रूप में स्वागत करते हैं।

आईपीएल और दुनिया भर की कई टी-20 टीमों को कोचिंग देने और अपनी टीमों को द हंड्रेड और अबू धाबी टी-10 में चैम्पियन बनाने का एंडी का अनुभव आरसीबी को ट्रॉफी दिलाने में मदद कर सकता है। उनकी जीतने की मानसिकता से आरसीबी को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

फ्लावर ने 19 साल तक इंटरनेशनल क्रिकेट खेला

फ्लावर ने साल 1992 से साल 2003 तक जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने 63 टेस्ट मैचों में 4,794 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 12 शतक और 27 अर्धशतक लगाए हैं। वनडे क्रिकेट में उन्होंने 213 मैच खेले हैं।

एलएसजी टीम के हेड कोच भी रहे

फ्लावर दुनिया भर में लीग क्रिकेट के दौरान कई फ्रेंचाइजी टीमों के साथ रहे हैं। उन्हें साल 2016 में पेशावर जाल्मी का बल्लेबाजी कोच बनाया गया था। 2021 में वह मुल्तान सुल्तान, 2020 सेंट लूसिया जॉक्स में गल्फ जायंट्स के लिए हेड कोच और आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए असिस्टेंट कोच भी थे। फ्लावर आईपीएल 2022 में लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल हुए और पिछले 2 सीजन में फ्रेंचाइजी को प्लेऑफ तक पहुंचाया। फ्लावर की कोचिंग में इंग्लैंड 2010 में टी-20 वर्ल्ड कप जीता फ्लावर को मई 2007 में इंग्लैंड क्रिकेट टीम का असिस्टेंट कोच बनाया गया था। उन्हें साल 2009 में टीम का हेड कोच बनाया गया। उनकी कोचिंग में इंग्लैंड ने 2009 की घरेलू ऐशेज सीरीज 2-1 से जीती। साल 2010 में इंग्लैंड की टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप भी जीता।

पहलवान बजरंग पूनिया को दिल्ली कोर्ट ने किया तलब

कोच ने किया मानहानि का केस दर्ज; कहा- धरने के दौरान अपमानजनक टिप्पणी की

पानीपत।
हरियाणा के ओलिंपिक मेडलिस्ट पहलवान बजरंग पूनिया पर आए दिन नई मुश्किलें आ रही हैं। जंतर-मंतर पर पहलवानों के धरना प्रदर्शन के दौरान अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने बजरंग पूनिया को तलब किया है। पहलवान कोच नरेश दहिया ने बजरंग पूनिया के खिलाफ मानहानि का मामला दायर किया है। अदालत ने पूनिया को बतौर आरोपी 6 सितंबर को तलब किया है। शिकायतकर्ता नरेश दहिया ने आपराधिक मानहानि शिकायत में कहा कि 10 मई को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान बजरंग पूनिया ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी।

मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट यशदीप चहल बोले- पेश हों

मिली जानकारी के अनुसार मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट यशदीप चहल ने निर्देश दिया कि पूनिया उस दिन (6 सितंबर) पेश हों, यह मानते हुए कि पहली नजर में उनका विचार है कि मानहानि के सभी तत्व सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि समन जारी करने के चरण में काफी हद तक यह तय हो चुका है कि अदालत को आरोपी की और से किए जा सकने वाले संभावित बचाव के तुलनात्मक विश्लेषण में जाने की जरूरत नहीं है।

पहलवान बजरंग पुनिया | कोच नरेश दहिया

मामले को लेकर जज ने ये कहा

जज ने कहा, शिकायत, सहायक दस्तावेज और समन पूर्व साक्ष्य पर विचार करने पर मेरा प्रथम दृष्ट्या विचार है कि मानहानि के सभी तत्व बनते हैं। ऐसा लगता है कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया गया बयान दुर्भावनापूर्ण इरादे का परिणाम था और अच्छे इरादे से नहीं दिया गया था। इसे ध्यान में रखते हुए आरोपी यानी बजरंग पूनिया को आईपीसी की धारा 499 के साथ धारा 500 (दोनों आपराधिक मानहानि से संबंधित) के तहत दंडनीय अपराध के लिए बुलाया जाए।

ऑस्ट्रेलिया ओपन बैडमिंटन...पीवी सिंधु क्वार्टरफाइनल में हारीं : प्रियांशु और प्रणय सेमीफाइनल में पहुंचे; 5 अगस्त को एक-दूसरे से भिड़ेंगे

ऑस्ट्रेलिया।
भारत की दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु और पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 किदांबी श्रीकांत ऑस्ट्रेलिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। वहीं प्रियांशु रजावत और एचएस प्रणय सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। अब दूसरे सेमीफाइनल में प्रियांशु और प्रणय आपस में भिड़ेंगे। प्रियांशु ने क्वार्टर फाइनल में श्रीकांत को हराया।

एचएस प्रणय

सिंधु को टूर्नामेंट की चौथी सीड बेवेन झांग ने हराया

सिंधु को क्वार्टर फाइनल में टूर्नामेंट की चौथी सीड मलेशिया की बेवेन झांग से हार का सामना करना पड़ा। बेवेन झांग ने सिंधु को 21-12 और 21-17 से हराया। इससे पहले झांग दूसरे राउंड में हुआंग यू-सन को 19-21, 21-10, 21-12 को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची थीं।

वहीं सिंधु ने दूसरे राउंड में हमवतन आकर्षी कश्यप को 21-14, 21-10 से हराया था। सिंधु और आकर्षी पहली बार आपस में भिड़ी थीं। सिंधु ने अपने अनुभव का फायदा उठाते हुए बहुत ही आसानी से आकर्षी को 29 मिनट में हराकर अगले राउंड में अपना स्थान पक्का किया था।

प्रियांशु रजावत ने सीधे गेमों में श्रीकांत को हराया

वहीं प्रियांशु रजावत ने पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 किदाम्बी श्रीकांत को सीधे गेमों में 21-13, 21-8 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे। श्रीकांत ने दूसरे राउंड में चीनी ताइपे के सु ली यांग को 21-10, 21-17 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। उन्होंने पहले राउंड में जापान के केंटा निशिमोटो को 21-18, 21-7 से हराया था।

जबकि प्रियांशु ने दूसरे राउंड में चीनी ताइपे के वांग त्जु वेई को 21-8, 13-21, 21-19 से हराया था। अब रजवात दूसरे सेमीफाइनल में हमवतन एचएस प्रणय से भिड़ेंगे।

प्रणय ने क्वार्टर फाइनल में एंथोनी गिंटिंग को हराया

प्रणय ने क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया के एंथोनी गिंटिंग को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। उन्होंने गिटिंग को 16-21, 21-17, 21-14 से हराया। प्रणय ने पहला गेम हराने के बाद दूसरे गेम में वापसी करने के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा और तीसरे गेम को आसानी से 21-13 से जीतकर मैच को अपने कब्जे में कर लिया। इससे पहले प्रणय ने दूसरे राउंड में चीनी ताइपे के चू यू जेन को 19-21, 21-19, 21-13 से हराया था।

अविश्वसनीय उपलब्धि ! भारत ने देश के नंबर 1 शतरंज खिलाड़ी बनने पर 17 वर्षीय गुकेश की सराहना की

मुंबई।
विश्वनाथन आनंद दोनों मौकों पर वहां मौजूद थे जब एक भारतीय खिलाड़ी उन्हें लाइव रेटिंग में पछाड़कर भारत के नंबर 1 शतरंज खिलाड़ी बन गए - पहली बार जब मार्च 2016 में पेंटला हरिकृष्णा बने और फिर जब डोम्माराजू गुकेश ने बाकू, अजरबैजान में फिडे विश्व कप में रेटिंग में उन्हें पीछे छोड़ दिया। मार्च 2016 में, आनंद इस इवेंट में खेल रहे थे और उन्होंने भारत के सर्वोच्च रेटिंग वाले भारतीय खिलाड़ी के रूप में अपना स्थान वापस हासिल कर लिया। जब गुकेश ने उनसे आगे निकल लिया, तो आनंद इस कार्यक्रम के आधिकारिक टिप्पणीकारों में से एक के रूप में बाकू में थे। बाकू में फिडे विश्व कप के पहले दौर में जीएम मिसरतदीन इस्कंदरोव के खिलाफ 17 वर्षीय खिलाड़ी के दूसरे गेम की शुरुआत से पहले उन्हें इस संभावना पर सवालों का सामना करना पड़ा कि गुकेश रेटिंग में उनसे आगे निकल जाएंगे। आनंद ने चेसबेस इंडिया से गुकेश के राउंड से पहले कहा, मैं उस इवेंट पर टिप्पणी करते समय एक अजीब स्थिति में रहूंगा जहां यह रिकॉर्ड तोड़ा जा सकता है। साथ ही, उस बारे में बात करना बहुत अजीब लगता है क्योंकि टूर्नामेंट में गुकेश का काम बहुत ध्यान केंद्रित करना है, हर काम को खत्म करना है और अगले राउंड के लिए अर्हता प्राप्त करना है।

उन्होंने आगे कहा, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो, यह उनके दृष्टिकोण से ध्यान भटकाने वाला है। और अगर वह एक दिन भी ऐसा करते हैं, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि वह अगले दिन इसे खो सकते हैं। वह (इस टूर्नामेंट में) रेटिंग के आधार पर शीर्ष पर हैं, इसलिए वह अपने से कम रेटिंग वाले विरोधियों के खिलाफ खेलने जा रहे हैं। यह एक मजेदार चीज होगी जो हमारे सिर पर चढ़ जाएगी, लेकिन मुझे नहीं पता कि इसे कितनी गंभीरता से लेना चाहिए। गुकेश द्वारा यह उपलब्धि हासिल करने और लाइव रेटिंग में उनसे आगे निकलने के बाद आनंद ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। आनंद ने एक ट्वीट के जवाब में ट्वीट किया, बिल्कुल गर्व है! हमने एक जीएम, एक विश्व चैंपियन के साथ शुरुआत की थी और अब हमारे पास दो शीर्ष दस खिलाड़ी हैं। भारतीय प्रतिभा की पीढ़ी को बधाई, खासकर हमारे नए नंबर 1 ञ्जडीगुकेश को। वेस्टब्रिज आनंद शतरंज

अकादमी में, जिसके एक भाग के रूप में उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान कई अन्य युवा भारतीय प्रतिभाओं के साथ गुकेश को प्रशिक्षित किया। महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने ट्वीट किया, ब्रावो, ञ्जडी गुकेश ! आपके साथ यह तस्वीर और साथ ही कुछ चालें जो आपने मुझे अपने खिलाफ खेलने की अनुमति दी हैं, मेरी यादों के संग्रह का बेहद मूल्यवान हिस्सा होंगी... आप दुनिया के नंबर एक बन जाएं... और यह अजीब लग रहा होगा कि कोई आपसे आगे निकल गया, लेकिन यह कितना संतोषजनक है कि यह वह व्यक्ति है जिसे आपने गेम खेलने के लिए प्रेरित किया है!

अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ, फिडे, ने सबसे पहले इस खबर को सोशल मीडिया पर डाला था

पहली बार विश्व (फिडे) रैंकिंग के शीर्ष 10 में प्रवेश करने की आपकी अविश्वसनीय उपलब्धि पर ग्रैंडमास्टर ञ्जडीगुकेश को बधाई। आपके दृढ़ संकल्प और कौशल ने आपको शतरंज के शीर्ष सोपान तक पहुंचा दिया है, जिससे आप सर्वोच्च रेटिंग वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। आपकी यह उपलब्धि हर जगह की युवा प्रतिभाओं के लिए प्रेरणा है और तमिलनाडु के लिए गर्व का क्षण है! गुकेश के लंबे समय के कोच जीएम विष्णु प्रसन्ना ने कहा कि साल की शुरुआत में उन्होंने इसे गुकेश के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर निर्धारित किया था। विष्णु प्रसन्ना ने चेसबेस इंडिया को बताया, गुकेश ने हर किसी की अपेक्षाओं को पार करना जारी रखा है और अपने खेल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उसने जो मेहनत की है। मैं उसके आदर्श विशी को पार करने और दुनिया में शीर्ष 10 में प्रवेश करने के लिए बहुत खुश हूं। शुरुआत में वर्ष, यह उनके लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर था और मैं इस बात से प्रभावित हूं कि उन्होंने इसे कितनी आसानी से हासिल किया है।

गुकेश के लिए अब चुनौती अपनी रेटिंग में सुधार जारी रखने की होगी। आनंद ने हाल के दिनों में कई टूर्नामेंट नहीं खेले हैं, ऐसे में उनके गुकेश से आगे निकलने की संभावना कम है। फिडे रेटिंग सूची में अगले उच्च रैंक वाले भारतीय विदित गुजराती हैं, जो 2723 रेटिंग के साथ सूची में 23वें स्थान पर हैं, और पेंटला हरिकृष्णा 2711 रेटिंग के साथ 27वें स्थान पर हैं। एक और विलक्षण आर.प्रग्गनानंद को 2707 रेटिंग दी गई है और वह सूची में 29वें स्थान पर हैं।

असम सरकार

लोक कल्याण दिवस

आधुनिक असम के निर्माता

भारत रत्न लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई को असम

उनकी 73वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करता है

"भारत रत्न लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई के मजबूत व्यक्तित्व, सक्षम नेतृत्व और दूरदर्शिता के कारण ही असम और असमिया समुदाय सिर ऊंचा कर मजबूती से खड़े होने में सक्षम हैं।

डॉ. हिमंत विश्व शर्मा
मुख्यमंत्री, असम

लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई के आदर्शों का लगन से पालन करने वाले राज्य सरकार के कर्मचारियों को सम्मानित करने के लिए

असम सरकार को यह पुरस्कार देने में प्रसन्नता हो रही है

लोक सेवा पुरस्कार

कर्मश्री पुरस्कार

EXCLUSIVE/DIPR/08-23

दिनांक: 5 अगस्त 2023

समय- प्रातः 10.30 बजे से | स्थान- श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र, गुवाहाटी, असम

जिले स्थान: जिला पुस्तकालय

-- Janasanyog /D/8313/23

सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय, असम द्वारा प्रचारित । हमें अनुसरण करें /@diprassam https://dipr.assam.gov.in/

असम वार्ता सब्सक्राइब करने के लिए 8287912158 में Assam लिखकर व्हाट्सऐप करें